क्रमांक 72 परमेश्वर का वचन

दूसरा बेटा खो गया था और मिल गया है

Bible Kids

आज का शब्द

क्योंकि मेरा यह पुत्र मर गया था, फिर जीवित हो गया है; वह खो गया था और मिल गया है।' इसलिए उन्होंने जश्न मनाना शुरू कर दिया.
ल्यूक 15:24

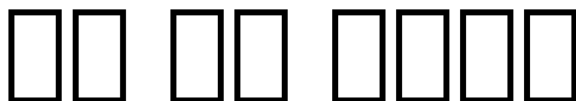

एक आदमी था जिसके दो बेटे थे। दूसरे बेटे ने अपने पिता से संपत्ति में अपना हिस्सा पहले ही देने को कहा।

लेकिन बेटे ने दूर देश में अपनी सारी संपत्ति बर्बाद कर दी और दुखी हो गया।

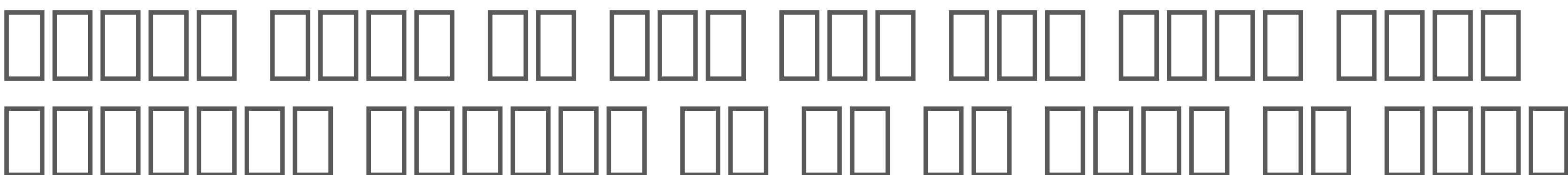

बेटे को एहसास हुआ कि वह अपने पिता के घर में
नौकरों से भी अधिक दुखी हो गया है।
इसलिए वह लौट आया और अपने पिता से विनती की कि वह
उसे अपने सेवकों में से एक के रूप में स्वीकार

जैसे ही उसके पिता ने दूर से अपने बेटे को
आते देखा , वह दौड़कर उसके पास गया और उसे
गले लगा लिया और खुशी से उसे स्वीकार कर

यीशु ने कहा, "हे परमेश्वर, तेरा पिता सदैव तेरी प्रतीक्षा कर रहा है।"

आज का पाठ

हम अपने जीवन में बहुत पाप करते हैं।
इसलिए हम परमेश्वर के विरुद्ध पाप करने के लिए दोषी महसूस करते हैं।
लेकिन भगवान ने हमेशा हमारे पापों को माफ कर दिया। क्योंकि यीशु ने पहले ही हमारे सारे पापों को अपने ऊपर ले लिया है।
आपको इस पर विश्वास करना होगा और कृतज्ञता और खुशी के साथ भगवान के पास जाना होगा।

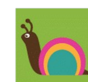

यीशु कौन है?

यीशु है..

यीशु ही वह है जो हमेशा हमसे प्यार करता है और हमारा इंतज़ार करता है।

आज का प्रश्नोत्तरी

जब दूसरा बेटा वापस आया तो पिता ने उसके साथ कैसा व्यवहार किया ?

① उसने दूसरे बेटे को बाहर निकाल दिया।

②उसने दूसरे बेटे को मारा।

③ उसने दूसरे बेटे को नहीं देखा।

④ उन्होंने दूसरे बेटे का सहर्ष स्वागत किया।

आज का शब्द

क्योंकि मेरा यह पुत्र मर गया था, फिर जीवित हो गया है; वह खो गया था और मिल गया है।' इसलिए उन्होंने जश्न मनाना शुरू कर दिया.
ल्यूक 15:24

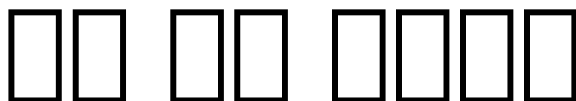

क्रमांक 73 परमेश्वर का वचन

यीशु ने लाजर को मृतकों में से जीवित किया

आज का शब्द

यीशु ने उस से कहा, पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूं। जो कोई मुझ पर विश्वास करेगा वह चाहे मर भी जाए, तौभी जीएगा;
और जो कोई जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है वह कभी नहीं मरेगा। क्या आप इस पर विश्वास

करते हैं?" जॉन 11: 25-26

एक दिन यीशु के पास समाचार आया। “लाजर बीमार है। कृपया जल्दी आएँ और उसे ठीक करें।”

परन्तु यीशु के आने से पहले ही वह मर गया।

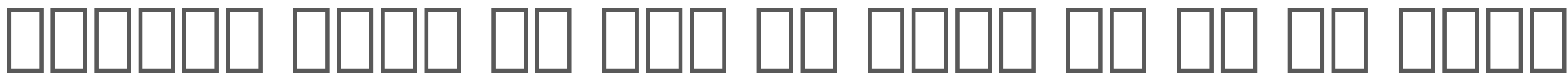

लाज़र की बहन ने यीशु से , जो देर से आया था , कहा ,
“हे यीशु , यदि तू यहाँ होता , तो मेरा भाई न
मरता ।”

यीशु ने कहा, “कब्र का पत्थर का फाटक हटा दो।” यीशु ने आदेश दिया, "बाहर आओ, लाज़र।"

फिर आश्चर्यजनक रूप से, अपनी मृत्यु के तीन दिन बाद, लाजर बाहर चला गया। यह देखकर लोग प्रसन्न हुए और परमेश्वर की स्तुति करने लगे।

आज का पाठ

यीशु ने लाजर को फिर से जीवित कर दिया उसके शब्द से.
हमें किसी दिन मरना है, लेकिन हमें पुनर्जीवित होना है क्योंकि हम यीशु में विश्वास करते हैं।
आपको एक ईसाई बनना होगा जो पुनरुत्थान की आशा के साथ जीता है।

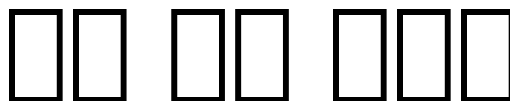

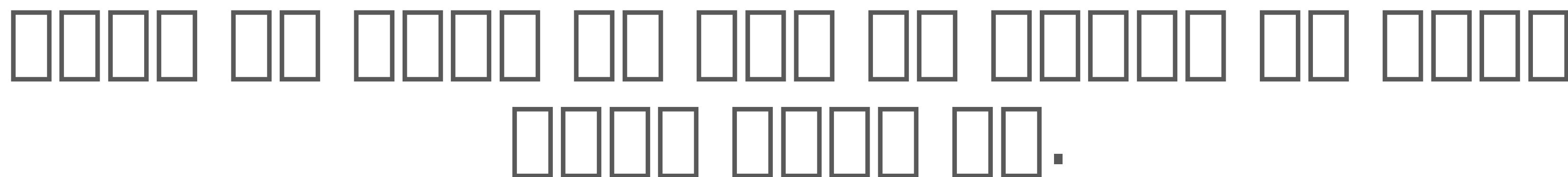

यीशु कौन है?

यीशु है..
यीशु जीवन का स्वामी है जो मृतकों को वापस लाता है।

आज की प्रश्नोत्तरी

जब यीशु आये तब लाजर की मृत्यु हुए कितने दिन बीत गये ?

① एक दिन

② दो दिन

③ तीन दिन

④ चार दिन

आज का शब्द

यीशु ने उस से कहा, पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूं। जो कोई मुझ पर विश्वास करेगा वह चाहे मर भी जाए, तौभी जीएगा;
और जो कोई जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है वह कभी नहीं मरेगा। क्या आप इस पर विश्वास

करते हैं?" जॉन 11: 25-26

क्रमांक 74 परमेश्वर का वचन

यीशु का परिवर्तन

Bible Kids

आज का शब्द

वहाँ उनके सामने उसका रूपान्तर किया गया। उसका मुख सूर्य के समान चमका, और उसके वस्त्र प्रकाश के समान श्वेत हो गये।

मैथ्यू 17: 2

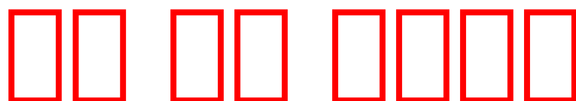

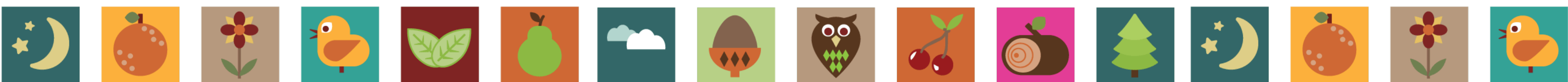

यीशु ने पतरस , याकूब और यूहन्ना को अपने
साथ लिया , और उन्हें एकान्त में एक ऊँचे

वहाँ उनके सामने उसका रूपान्तर किया गया।
उसका मुख सूर्य के समान चमका, और उसके वस्त्र प्रकाश के समान श्वेत हो गये।

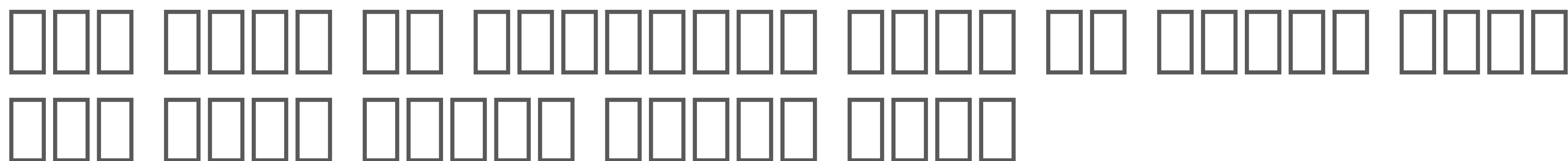

बादल में से एक आवाज आई , “यह मेरा पुत्र है , जिस से मैं प्रेम रखता हूं ; उससे मैं बहुत प्रसन्न

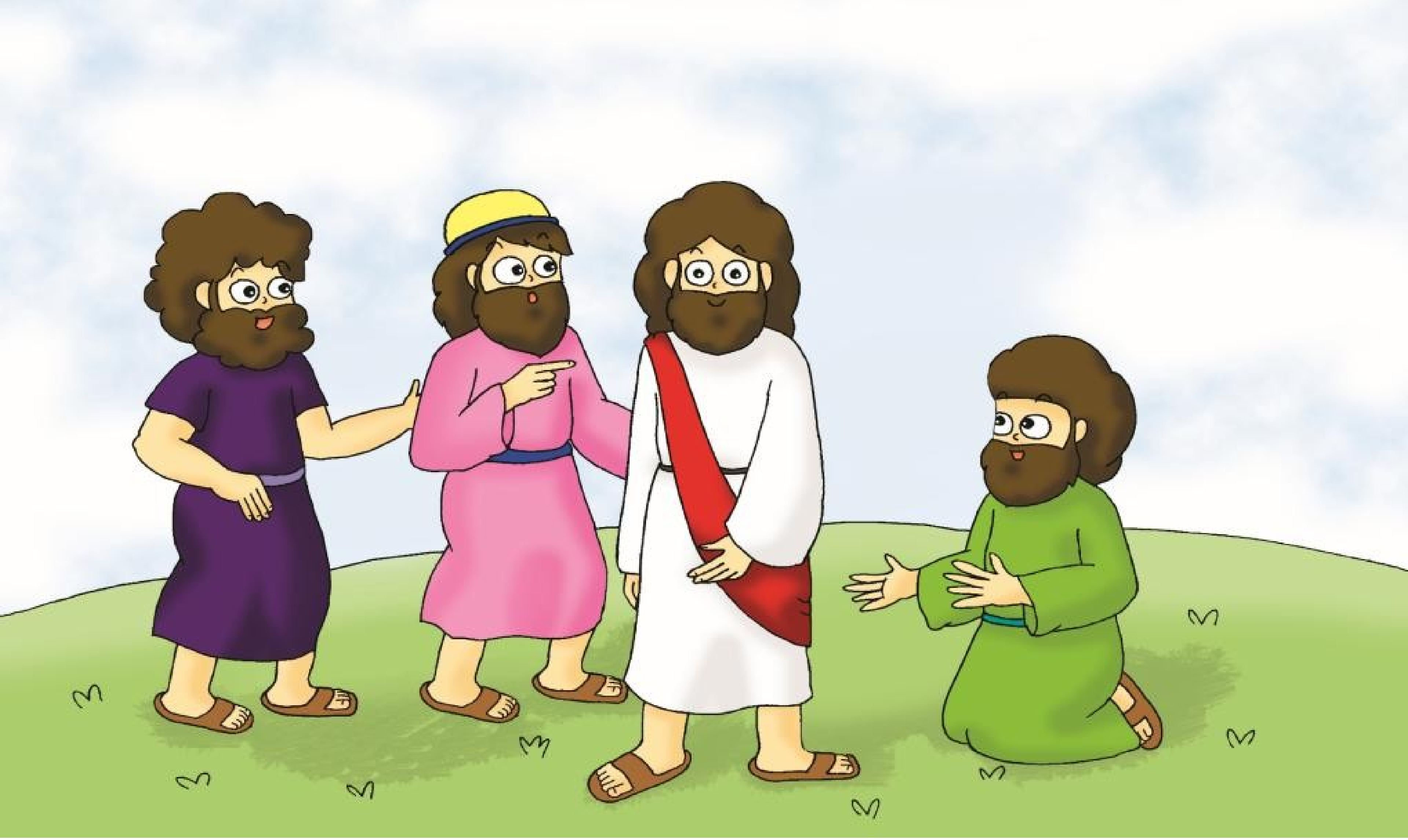

जब उन्होंने यह सुना तो वे घबराकर भूमि पर मुंह
के बल गिर पड़े। यीशु ने कहा , “डरो मत। ” जब
उन्होंने ऊपर दृष्टि की , तो यीशु को छोड़ किसी

आज का पाठ

यीशु इस धरती पर मानव रूप में थे, लेकिन वह भगवान भी हैं।
जैसे परमेश्वर ने पहाड़ पर अपने चेलों को आज्ञा दी,
हमें यीशु को परमेश्वर का पुत्र मानना चाहिए और उसकी बात ध्यान से सुननी चाहिए।

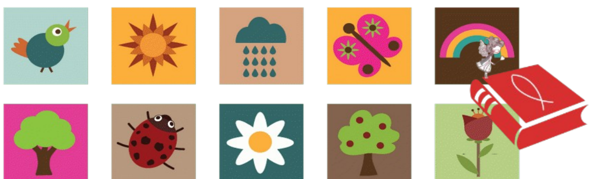

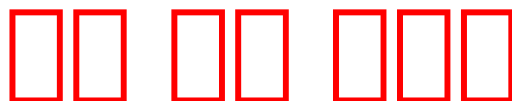

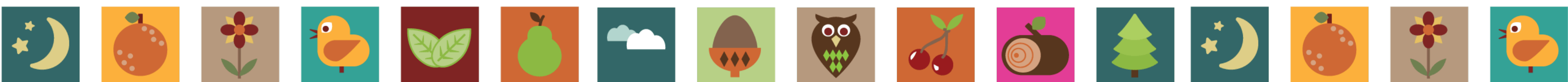

यीशु कौन है?

यीशु है..
यीशु ही वह है जो महिमामयी रूप से सुन्दरता से चमकता है।

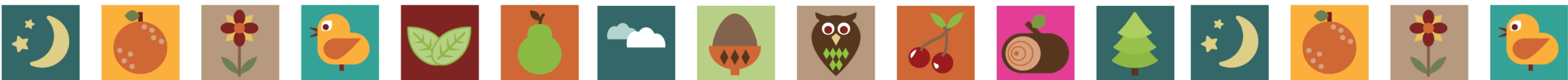

आज का
प्रश्नोत्तरी
यीशु का रूपान्तरण किसने नहीं देखा?

①पीटर _
② जेम्स
③ जॉन
④ थॉमस

आज का शब्द

वहाँ उनके सामने उसका रूपान्तर किया गया। उसका मुख सूर्य के समान चमका, और उसके वस्त्र प्रकाश के समान श्वेत हो गये।

मैथ्यू 17: 2

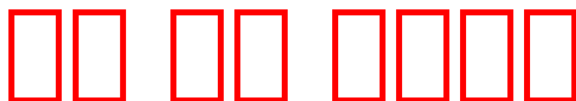

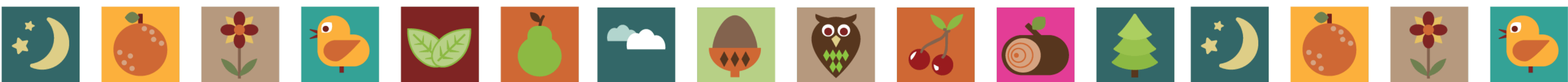

क्रमांक 75 परमेश्वर का वचन

यीशु बच्चों से प्यार करता है

Bible Kids

आज का शब्द

जब यीशु ने यह देखा, तो वह क्रोधित हुआ। उसने उनसे कहा, “छोटे बच्चों को मेरे पास आने दो, और उन्हें मत रोको, क्योंकि परमेश्वर का राज्य ऐसों ही का है।

निशान 10:14

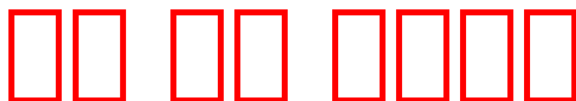

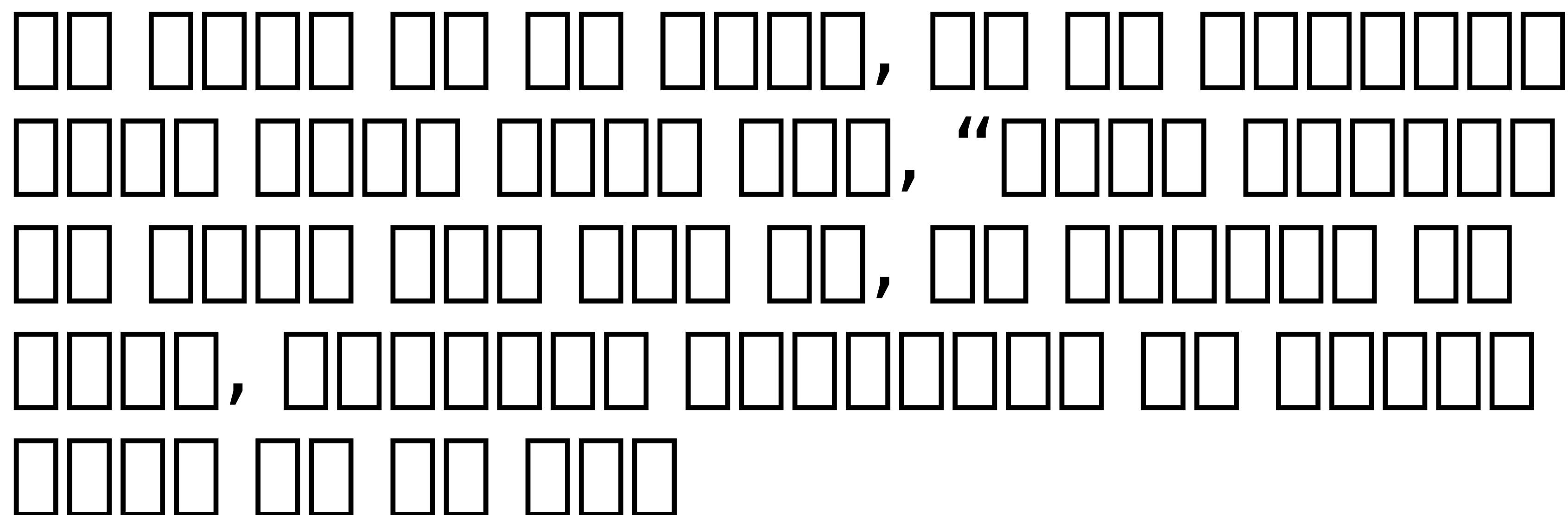

एक माता-पिता अपने बच्चे को यीशु से आशीर्वाद पाने के लिए यीशु के पास लाए।

तब यीशु के शिष्यों ने उसे डाँटा।
"तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई अपने बच्चे को

जब यीशु ने यह देखा तो क्रोधित होकर कहा।

“बच्चों को मेरे पास आने से मत रोको।
परमेश्वर का राज्य ऐसे ही बच्चों का है!''

“जो कोई परमेश्वर के राज्य को छोटे बच्चे के समान ग्रहण नहीं करेगा, वह उस में कभी प्रवेश न करेगा।” और उस ने बालकों को गोद में लिया, उन पर हाथ रखा, और उन्हें आशीर्वाद दिया।

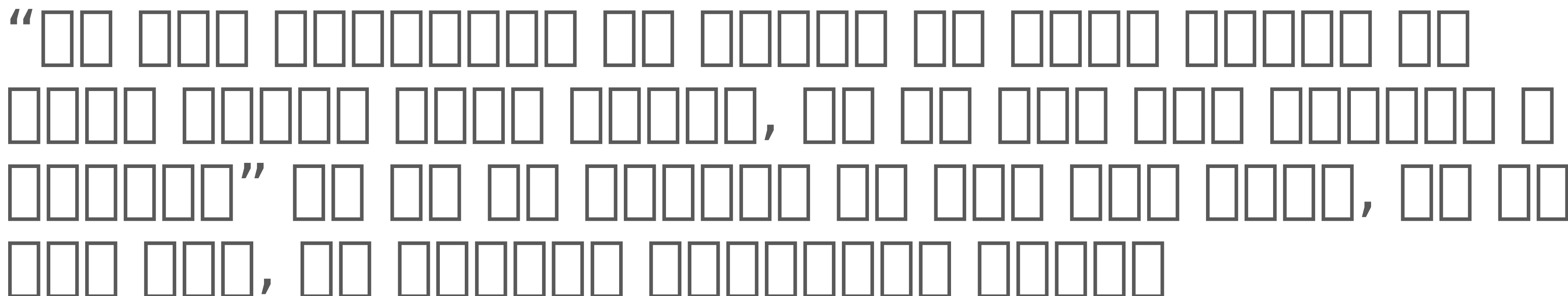

आज का पाठ

यीशु ने कहा कि परमेश्वर का राज्य ऐसे ही बच्चों का है।
आइए हम भी ऐसे बच्चे बनें जो ईश्वर से प्रेम करते हैं और शुद्ध, ईमानदार को खोए बिना यीशु की आज्ञा मानते हैं।
और एक बच्चे का सच्चा दिल.

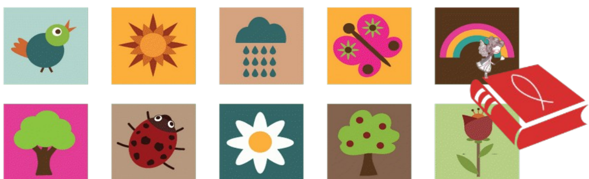

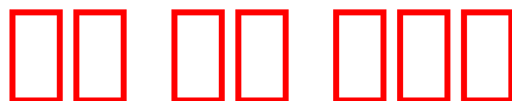

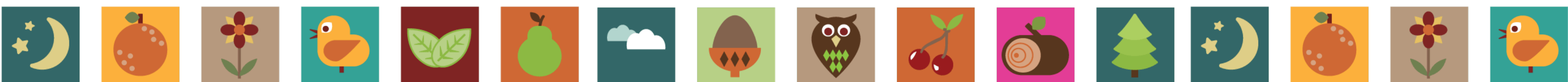

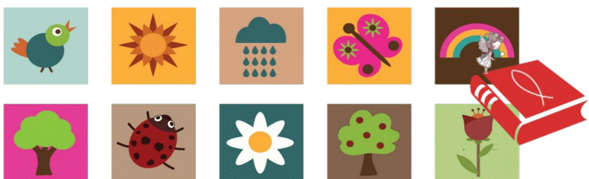

यीशु कौन है?

यीशु है..

यीशु वह है जो बच्चों से प्यार करता है, उन्हें महत्व देता है और उन्हें आशीर्वाद देता है।

आज की प्रश्नोत्तरी

जब बच्चों ने यीशु के पास जाने की कोशिश की तो शिष्यों ने क्या किया ?

①उन्होंने सहर्ष उनका स्वागत किया।

② उन्होंने उन्हें यीशु के पास न जाने के लिये डाँटा।

③ उन्होंने बच्चों को यीशु से परिचित कराया

④ उन्होंने उन्हें कुछ भोजन दिया और घर भेज दिया।

आज का शब्द

जब यीशु ने यह देखा, तो वह क्रोधित हुआ। उसने उनसे कहा, “छोटे बच्चों को मेरे पास आने दो, और उन्हें मत रोको, क्योंकि परमेश्वर का राज्य ऐसों ही का है।

निशान 10:14

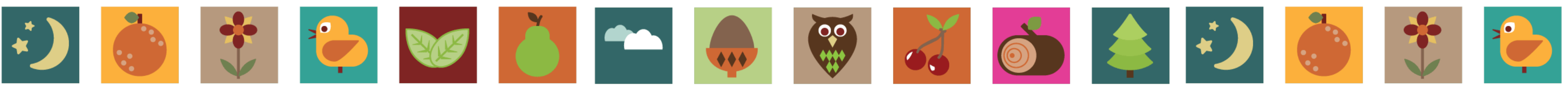

क्रमांक 76 परमेश्वर का वचन

यीशु ने एक अंधे व्यक्ति, बार्टिमायस को चंगा किया

Bible Kids

आज का शब्द

यीशु ने कहा, "जाओ, तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें चंगा कर दिया है।" वह तुरन्त देखने लगा और मार्ग में यीशु के पीछे हो लिया।

निशान 10: 52

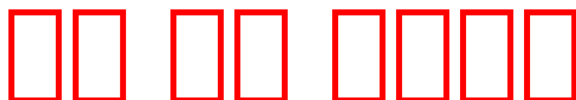

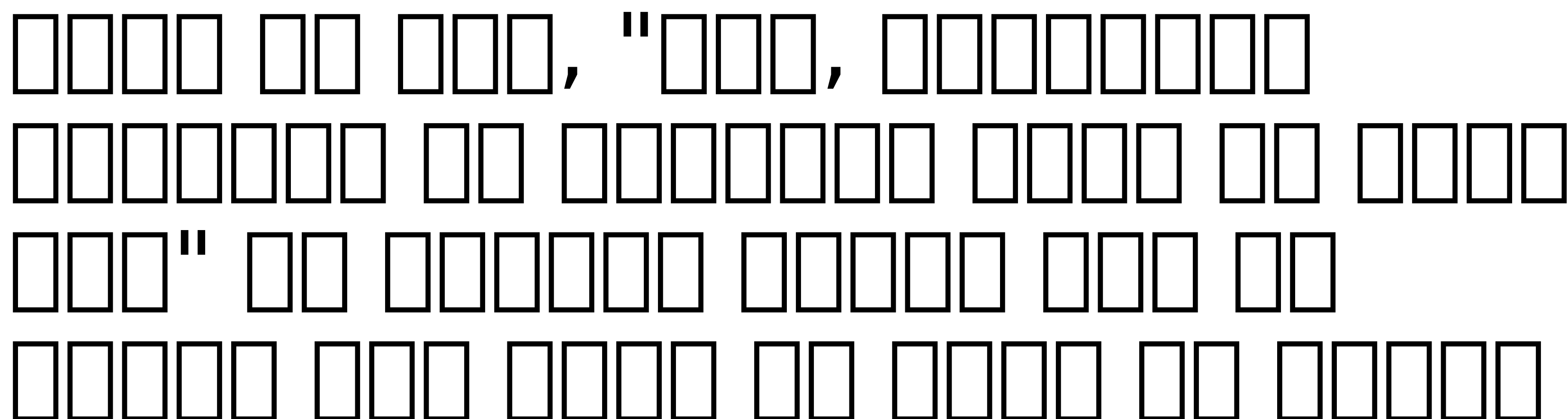

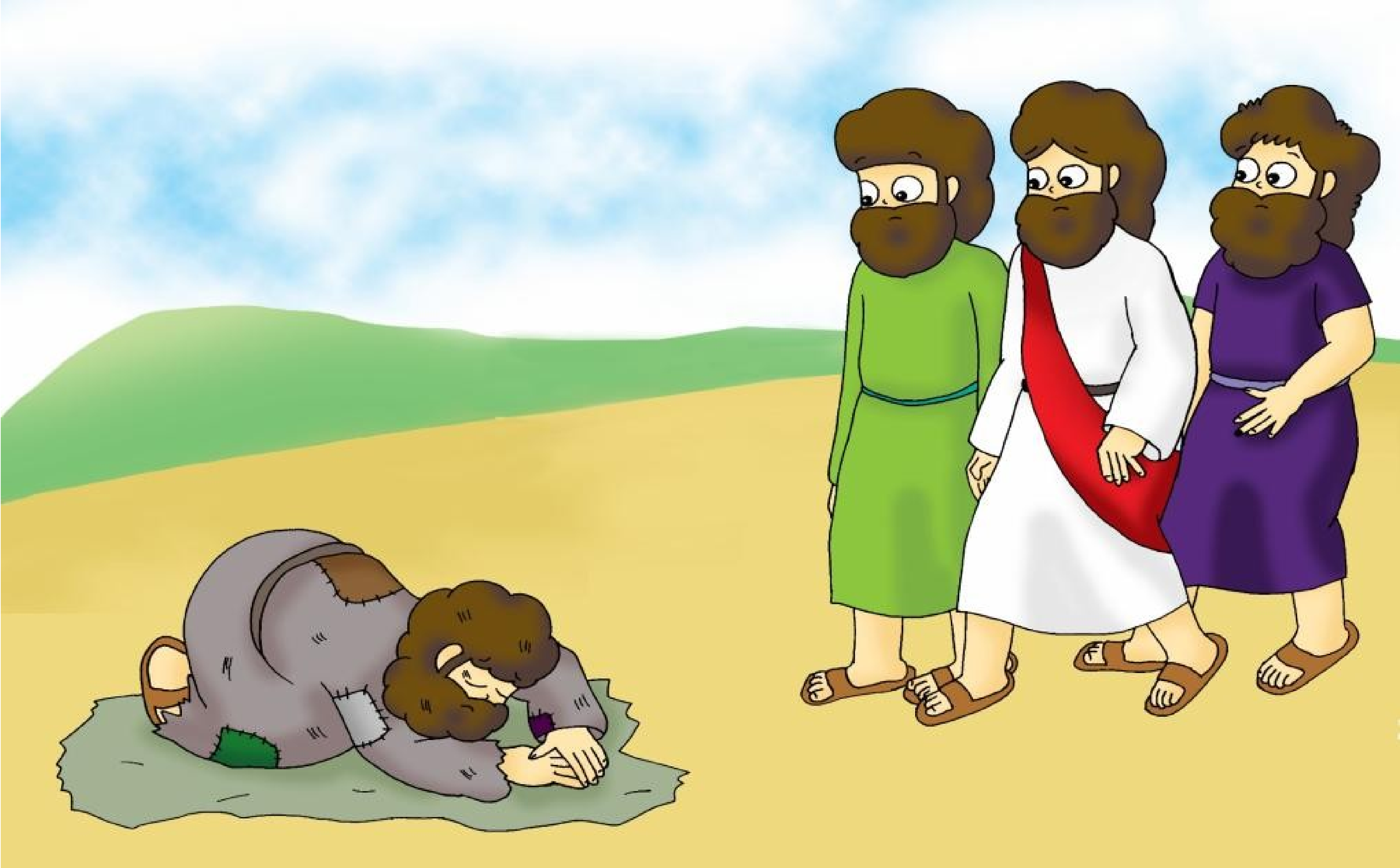

जब यीशु जेरिको के पास आये , तो एक अंधा आदमी बरतिमाई सड़क के किनारे बैठा भीख

जब उसने सुना कि यह नासरत का यीशु है, तो चिल्लाकर कहने लगा, “हे यीशु, दाऊद की सन्तान, मुझ पर दया कर!”

यीशु ने बरतिमाई को बुलाया। "आप क्या चाहते हैं कि मैं आपके लिए करूं?" यीशु ने उससे पूछा. अंधे आदमी ने कहा, "रब्बी, मैं देखना

यीशु ने कहा , "जाओ, तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें चंगा कर दिया है। " तुरंत ही उसकी

"धन्यवाद ईशू!" बरतिमाई ने यीशु का अनुसरण किया जिसने उसे दृष्टि प्राप्त करने दी।

आज का पाठ

यीशु ने बरतिमाई से कहा, “तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है।” यह विश्वास ही है जो हमें बचाता है।
आस्था सच्ची प्रार्थना में व्यक्त होती है।
जब हम यीशु से प्रार्थना करते हैं, हमें ये विश्वास रखना होगा.

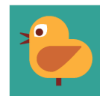

यीशु कौन है?

यीशु है..

यीशु ही वह है जो हमारी सच्ची प्रार्थनाओं को सुनता है और उनका उत्तर देता है।

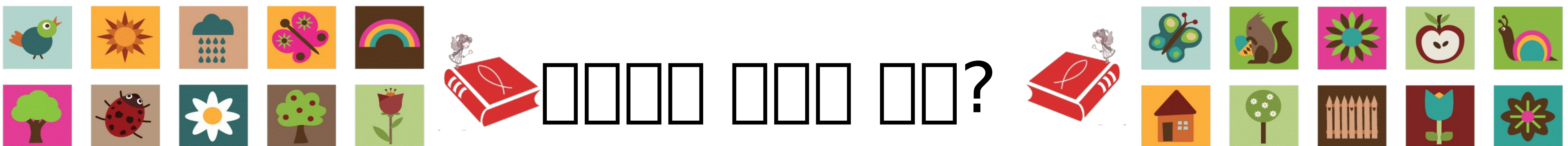

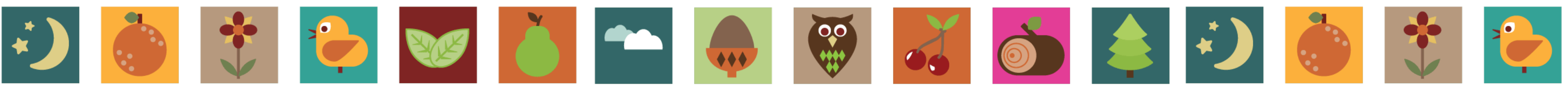

आज की प्रश्नोत्तरी

बरतिमाई ने यीशु से क्या मांगा ?

①मुझे ढेर सारा पैसा दो।

② मैं आपका शिष्य बनना चाहता हूं।

③ मुझे पानी पर चलने दो।

④ मैं फिर से देखना चाहता हूँ .

आज का शब्द

यीशु ने कहा, "जाओ, तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें चंगा कर दिया है।" वह तुरन्त देखने लगा और मार्ग में यीशु के पीछे हो लिया।

निशान 10: 52

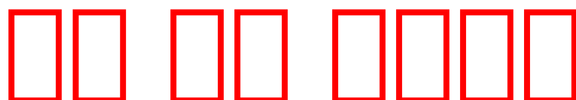

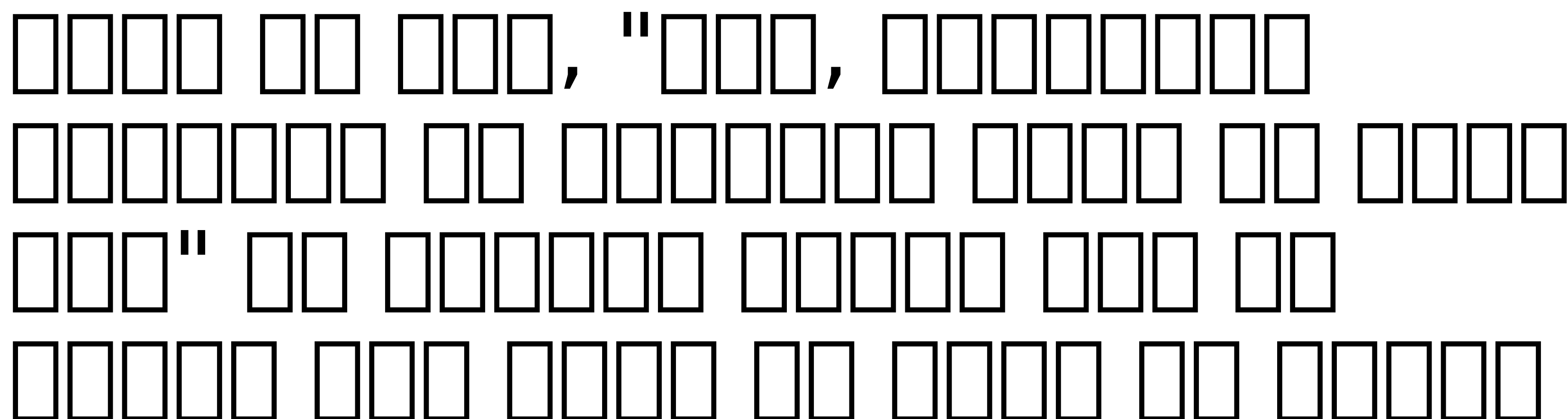

क्रमांक 77 परमेश्वर का वचन

जक्कई एक पेड़ पर चढ़ गया

Bible Kids

आज का शब्द

क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोई हुई वस्तुओं को ढूंढ़ने और उनका उद्धार करने आया है।"

ल्यूक 19: 10

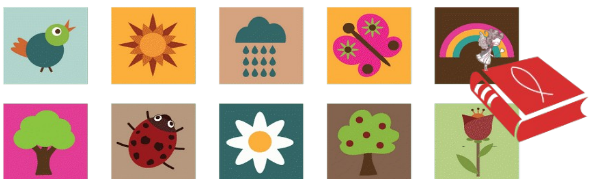

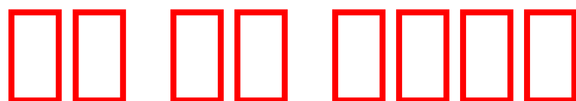

जक्कई नाम का एक धनी व्यक्ति था। वह महसूल वसूलनेवालों का प्रधान था , इसलिये लोग उस

एक दिन यीशु उस गाँव में आये जहाँ जक्कई रहता था। यीशु को देखने के लिए बहुत से लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी

जक्कई यीशु को देखने के लिए एक पेड़ पर चढ़ गया। यीशु ने उसकी ओर देखा और कहा। “जक्कई, तुरंत नीचे आओ। मुझे आज आपके घर पर ही रुकना होगा।”

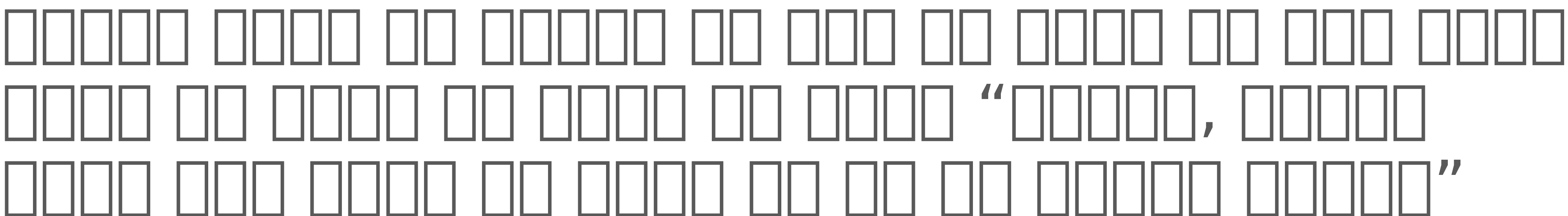

"जक्कई ने यीशु से फैसला किया। "मैं अपनी आधी संपत्ति गरीबों को दे दूंगा।"

यीशु ने कहा, "आज इस घर में मुक्ति आई है। मैं जो खो गया था उसे ढूँढ़ने और बचाने आया हूँ।"

आज का पाठ

जब जक्कई यीशु से मिला, तो उसने कबूल किया कि वह अपनी सबसे प्रिय संपत्ति गरीबों को दे देगा। आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज़ क्या है?
यीशु से मिलने के बाद आपने क्या त्याग दिया?
हमें याद रखना होगा कि हमारे लिए सबसे कीमती चीज़ यीशु हैं।

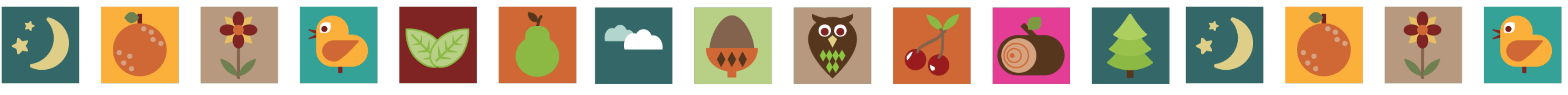

यीशु कौन है?

यीशु है..

यीशु वह उद्धारकर्ता हैं जो बिना किसी भेदभाव के सभी को बचाने के लिए इस भूमि पर आए।

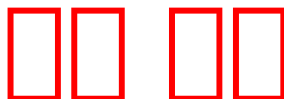

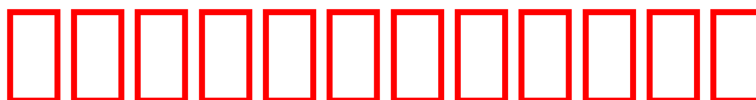

आज का शब्द

क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोई हुई वस्तुओं को ढूंढ़ने और उनका उद्धार करने आया है।"

ल्यूक 19: 10

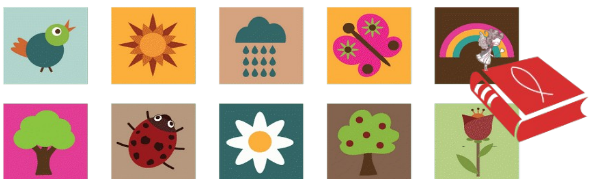

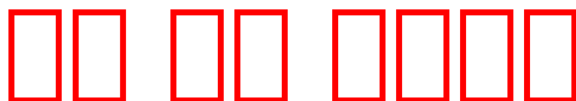

क्रमांक 78 परमेश्वर
का वचन

चट्टान पर बना एक घर

आज का शब्द

“इसलिये जो कोई मेरी ये बातें सुनता और उन पर चलता है, वह उस बुद्धिमान मनुष्य के समान है जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया।

मैथ्यू 7: 24

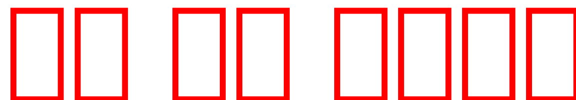

यीशु ने दो व्यक्तियों की कहानी सुनाई जो एक घर बना रहे थे।

उनमें से एक ने रेत पर और दूसरे ने चट्टान पर अपना घर बनाने का फैसला किया।

दोनों ने घर बनाने के लिए कड़ी मेहनत की।
दोनों सदन बिना किसी बड़े अंतर के बाहर से मजबूत दिख रहे थे।

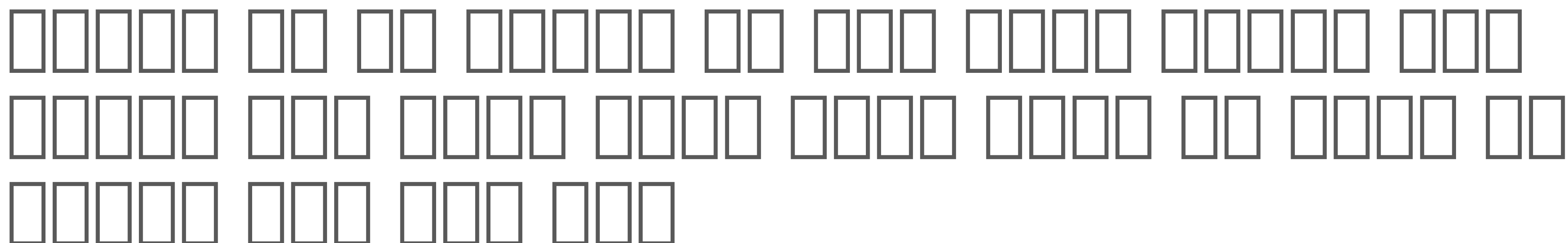

जब भारी बारिश के कारण बाढ़ आई तो रेत पर बना घर बह गया. लेकिन चट्टान पर बना घर मजबूती से खड़ा रहा।

यीशु ने कहा, "जो कोई मेरी बातें सुनता है और उन पर अमल करता है वह उस बुद्धिमान मनुष्य के समान है जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया।"

आज का पाठ

यीशु ने कहा, "जो कोई मेरी बातें सुनता है और उन पर अमल करता है वह उस बुद्धिमान मनुष्य के समान है जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया।" क्या आप परमेश्वर के प्रत्येक वचन को अभ्यास में लाते हैं? आइए हम बुद्धिमान व्यक्ति बनें जो परमेश्वर के वचन का पालन करते हैं।

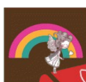

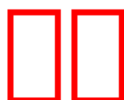

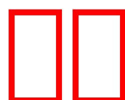

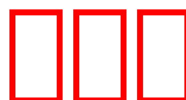

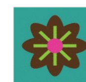

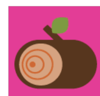

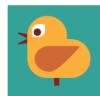

यीशु कौन है?

यीशु है..
यीशु वह है जो वचन का पालन करने वालों से प्रसन्न होता है।

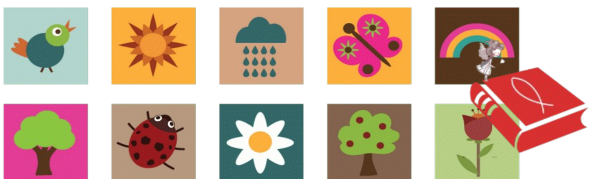

[illegible]

[illegible]?

① [illegible],

② [illegible],

③ [illegible],

④ [illegible],

आज का शब्द

“इसलिये जो कोई मेरी ये बातें सुनता और उन पर चलता है, वह उस बुद्धिमान मनुष्य के समान है जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया।

मैथ्यू 7: 24

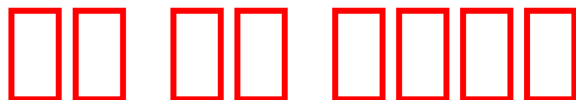

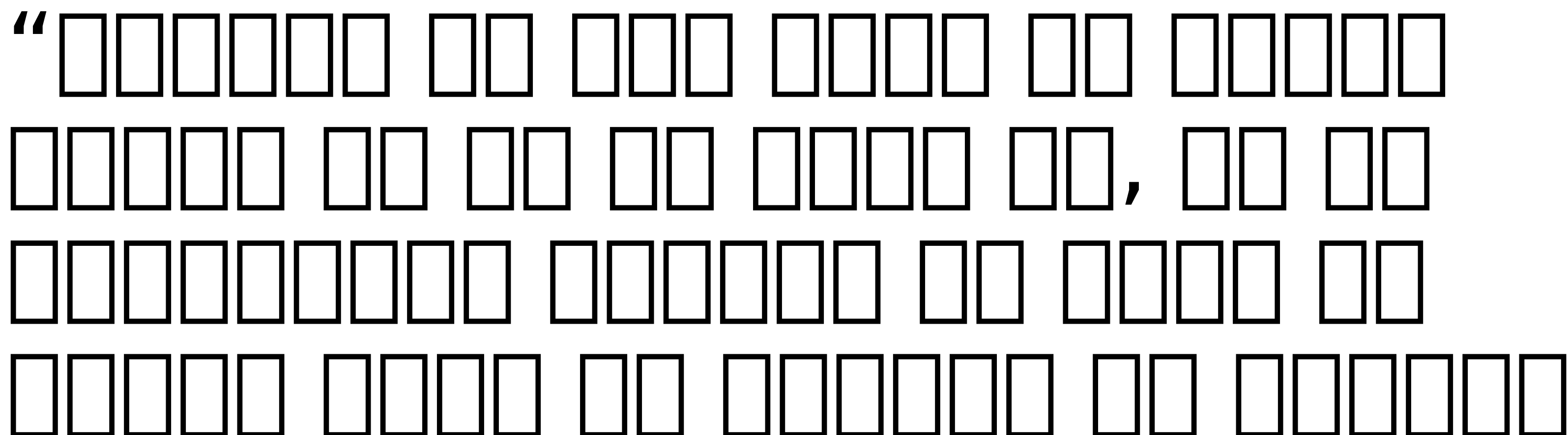

क्रमांक 79 परमेश्वर
का वचन

पाँच
बुद्धिमान कुँवारियाँ

आज का शब्द

"इसलिए जागते रहो, क्योंकि तुम न तो दिन जानते हो और न उस घड़ी को।"

मैथ्यू 25: 13

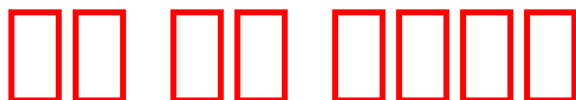

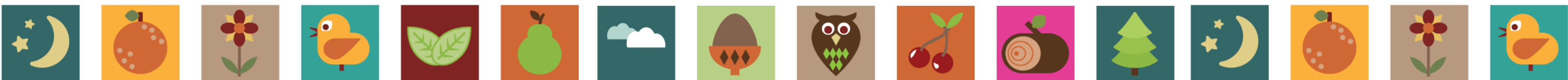

वहाँ दस कुँवारियाँ थीं जो विवाह की दावत की तैयारी कर रही थीं। पांच बुद्धिमान लड़कियों ने पर्याप्त तेल के साथ दीपक तैयार किए , लेकिन

रात को जब दूल्हे को आने में देर हो गई तो दसों कुंवारियां सो गईं।

"दूल्हा यहाँ है!" कुँवारियाँ झट से उठ गईं। और उन पाँच कुँवारियों की ज्योतियाँ बुझ गईं जिन्होंने पर्याप्त तेल तैयार नहीं किया था।

“हमें थोड़ा तेल दो। ” “अगर हम तुम्हें अपना तेल देंगे , तो हमारा तेल भी ख़त्म हो सकता है। ” जाओ थोड़ा तेल ले आओ ”

लेकिन जब पाँच मूर्ख लड़कियाँ तेल लेने गईं , तो दावत का दरवाज़ा बंद हो गया। आख़िरकार , पाँचों मूर्ख लड़कियों को पार्टी में शामिल होने की

आज का पाठ

यह एक कहानी है जिसमें यीशु हमें बताते हैं कि उस दिन का इंतजार कैसे करना है जब वह वापस आएंगे। कोई नहीं जानता
जब यीशु दोबारा आयेंगे.
लेकिन पाँच बुद्धिमान कुंवारियों की तरह, हमें हमेशा जागना चाहिए और तैयार दिल से यीशु की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

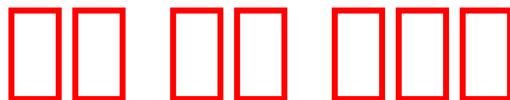

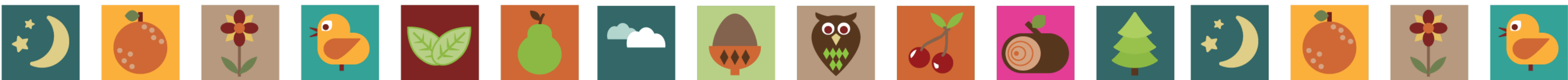

यीशु कौन है?

यीशु..

यीशु ने इस भूमि पर फिर से आने का वादा किया था जब कोई नहीं जानता था।

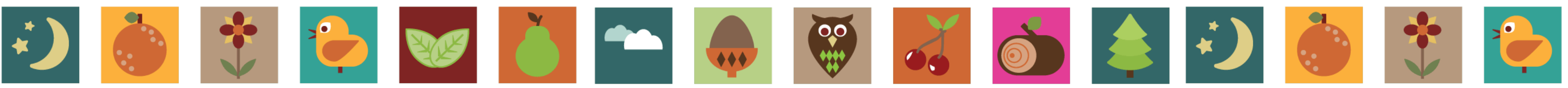

आज की प्रश्नोत्तरी

मूर्ख पाँच कुँवारियों ने क्या तैयार नहीं किया ?

①तेल _

② पानी

③ कपड़े

④ उपहार

आज का शब्द

"इसलिए जागते रहो, क्योंकि तुम न तो दिन जानते हो और न उस घड़ी को।"

मैथ्यू 25: 13

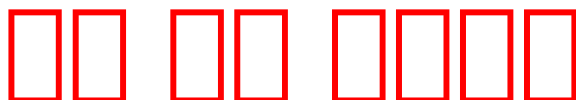

क्रमांक 80 परमेश्वर का वचन

प्रतिभाओं का
दृष्टान्त

आज का शब्द

"उसके मालिक ने उत्तर दिया, 'शाबाश, अच्छे और वफादार सेवक! तुम कुछ चीजों में वफादार रहे हो; मैं तुम्हें कई चीजों का प्रभारी बनाऊंगा। आओ और अपने मालिक की खुशी साझा करो!'

मैथ्यू 25:21

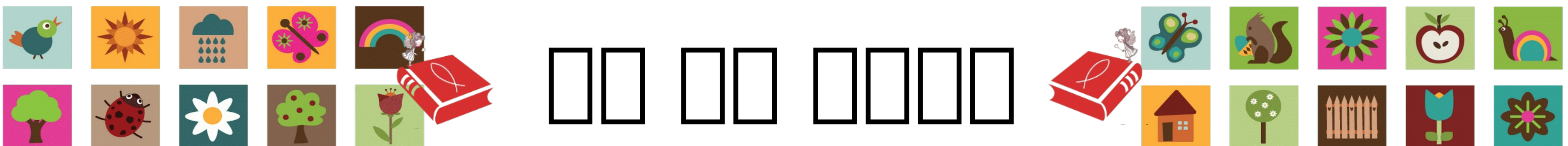

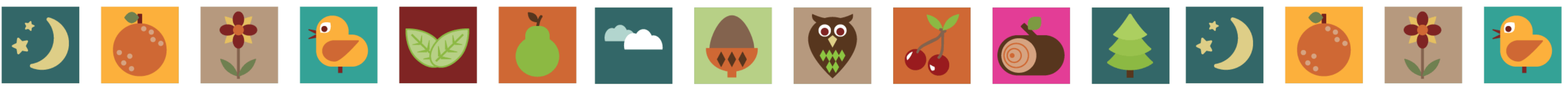

एक व्यक्ति विदेश जाते समय अपने नौकरों को धन सौंप गया। उसने पहले सेवक को पाँच प्रतिभाएँ ,
दूसरे को दो प्रतिभाएँ और तीसरे को एक

जिस सेवक को पाँच तोड़े और दो तोड़े मिले थे ,
उसने तुरन्त जाकर अपना धन काम में लगाया और
दुगना लाभ कमाया। हालाँकि , एक आदमी जिसे 1
प्रतिभा प्राप्त हुई थी , उसने बाहर जाकर जमीन
में एक गड्ढा खोदा और अपने मालिक के पैसे छिपा

जब स्वामी वापस आया और उनसे हिसाब चुकाया, तो पहले नौकर को पाँच तोड़े और मिले, और दूसरे को दो तोड़े और मिले।

परन्तु जिस दास को एक तोड़ा मिला , उसे कुछ भी लाभ न हुआ। "गुरु , आपने मुझे केवल एक ही प्रतिभा दी है। तो फिर मैं और अधिक पैसे कैसे कमा सकता

उसका मालिक क्रोधित था. “आपको मेरा पैसा बैंकरों के पास जमा कर देना चाहिए था, मुझे वह ब्याज सहित वापस मिल जाता। तुम निकम्मे नौकर हो, मेरे घर से निकल जाओ!”

आज का पाठ

यीशु हमें प्रतिभाओं के दृष्टांत के माध्यम से आलसी न होने की चेतावनी दे रहे हैं।

हमने कितना प्राप्त किया है उससे भी अधिक महत्वपूर्ण कुछ है।

अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि आपके पास जो कुछ भी है उसका ईमानदारी से उपयोग करके परमेश्वर की महिमा के लिए जीवन जीना।

हम सभी को इसी प्रकार का जीवन जीना चाहिए

यीशु द्वारा प्रशंसा पाने के लिए [redacted].

यीशु कौन है?

यीशु है..

यीशु हमारा स्वामी है, जो हमारे जीवन का मूल्यांकन करता है और उसके अनुसार हमें पुरस्कार देता है।

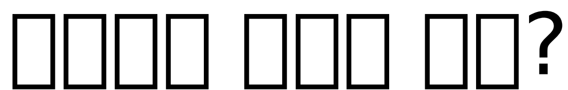

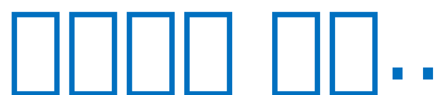

आज की प्रश्नोत्तरी

दूर यात्रा करते समय स्वामी ने नौकरों को क्या सौंपा ?

①घर _

② मैदान

③ दुकान

④ पप्ृरतीतिभभा

आज का शब्द

"उसके मालिक ने उत्तर दिया, 'शाबाश, अच्छे और वफादार सेवक! तुम कुछ चीजों में वफादार रहे हो; मैं तुम्हें कई चीजों का प्रभारी बनाऊंगा। आओ और अपने मालिक की खुशी साझा करो!'

मैथ्यू 25:21

क्रमांक 81 परमेश्वर
का वचन

एक कर्ज़दार जिस पर दस हज़ार तोड़े बकाया थे

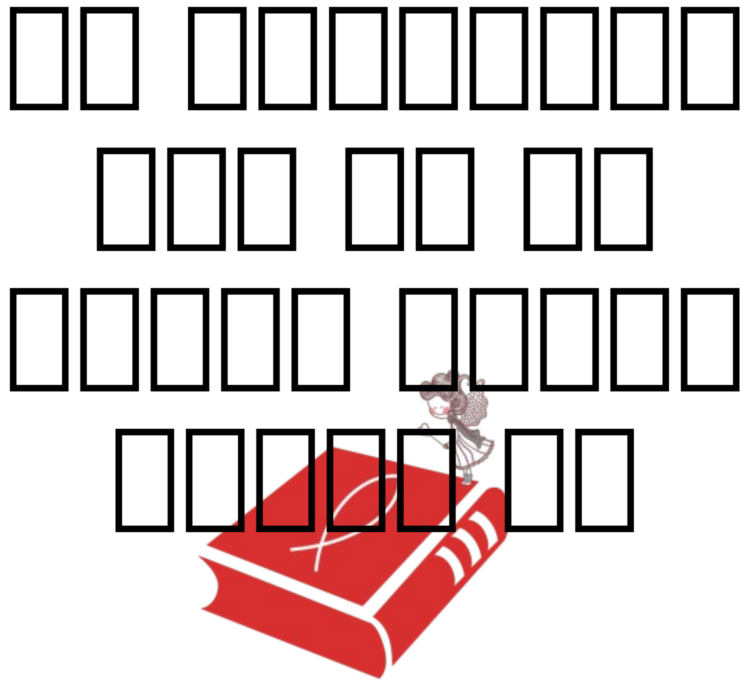

आज का शब्द

'क्या तुम्हें अपने साथी नौकर पर वैसी ही दया नहीं करनी चाहिए थी जैसी मैंने तुम पर की थी?'

मैथ्यू 18: 33

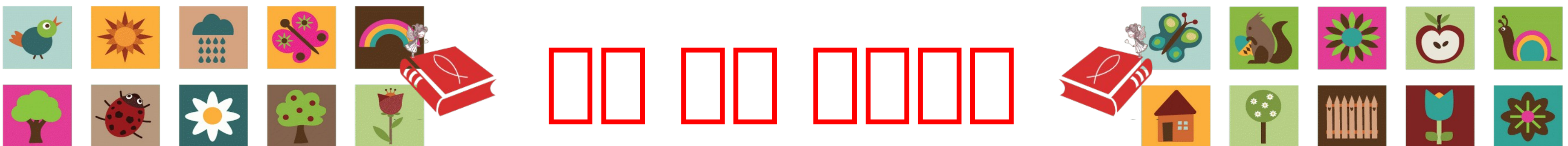

एक आदमी था जिस पर राजा का दस हज़ार तोड़े कर्ज़ था। राजा को उस आदमी पर दया आ गई और उसका कर्ज माफ कर दिया।

परन्तु जब वह मनुष्य बाहर गया, तो उसे अपने एक साथी सेवक से मिला जिस पर उसका सौ दीनार कर्ज़ था। उसने उसे पकड़ लिया और उस पर क्रोधित हुआ। "तुम्हारा जो मुझ पर बकाया है, वह लौटा दो!"

और उसने अपने साथी नौकर को जेल में डाल दिया। राजा ने यह समाचार अपने दूसरे सेवक से सुना।

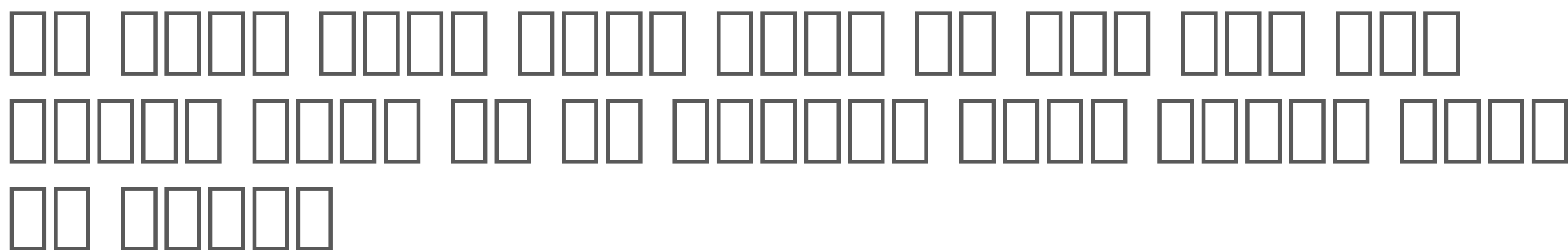

तब राजा ने क्रोधित होकर सेवक को वापस बुलाया।
“मैंने तुम्हारा वह सारा कर्ज़ रद्द कर दिया
क्योंकि तुमने मुझसे विनती की थी। क्या तुम्हें
अपने साथी सेवकों पर वैसे ही दया नहीं करनी

यीशु ने कहा , "जैसे हमारे स्वर्गीय पिता ने तुम्हें क्षमा किया , वैसे ही तुम्हें भी एक दूसरे को क्षमा करना चाहिए ।"

आज का पाठ

एक नौकर को दस हजार प्रतिभाओं के एक बहुत बड़े कर्ज से मुक्त कर दिया गया। परन्तु उस ने अपने साथी दास को , जो उस पर एक सौ दीनार का कर्ज़दार था , क्षमा न किया।

यह एक कृतघ्न रवैया है .

यीशु के अनुग्रह से हमें भी क्षमा किया गया और बचाया गया। यदि हम उस अनुग्रह को नहीं भूलते तो हमें उन लोगों को क्षमा करना होगा जिन्होंने हमारे साथ गलत किया है

यीशु कौन है?

यीशु है..
यीशु वह है जो हमें अंत तक माफ करता है और प्यार करता है।

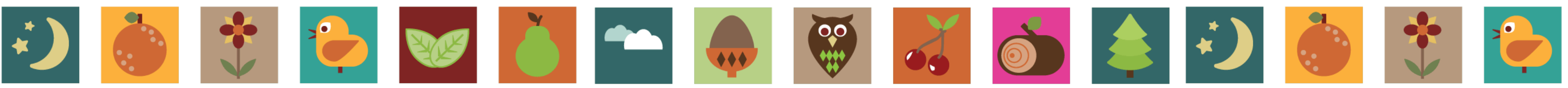

[illegible]

[illegible]??

① [illegible]

② [illegible]

③ [illegible]

④ [illegible]

आज का शब्द

'क्या तुम्हें अपने साथी नौकर पर वैसी ही दया नहीं करनी चाहिए थी जैसी मैंने तुम पर की थी?'

मैथ्यू 18: 33

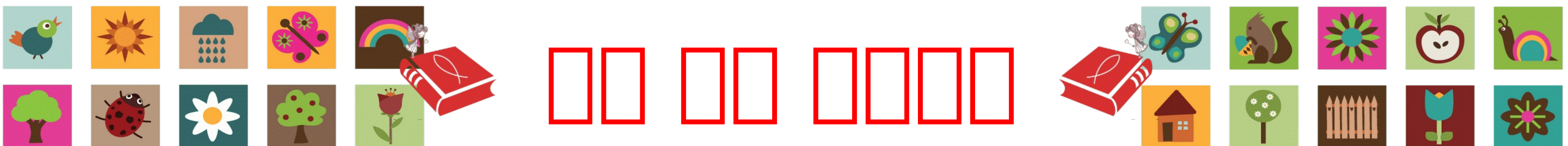

क्रमांक 82 परमेश्वर का वचन

दाऊद के पुत्र को होसन्ना !

आज का शब्द

जो भीड़ उसके आगे चल रही थी और जो उसके पीछे चल रहे थे, चिल्ला रहे थे, "दाऊद के पुत्र को होशाना!" "धन्य है वह जो प्रभु के नाम पर आता है!" "होसाना इन द हाईएस्ट!"

मैथ्यू 21:9

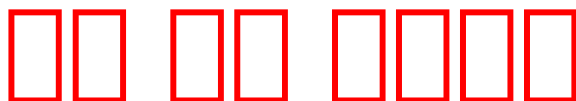

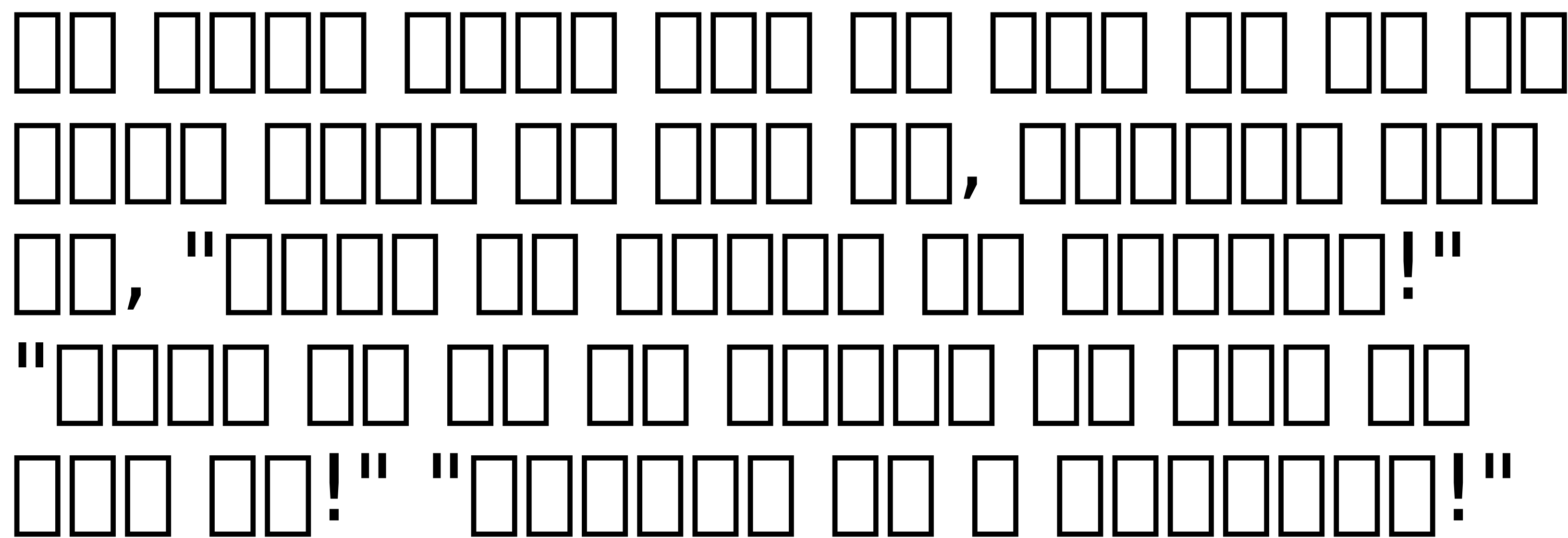

जब यीशु यरूशलेम के निकट आया , तो उसने दो शिष्यों को यह कहकर भेजा , “गाँव में जाओ , और तुम्हें एक गदही अपने बच्चे समेत पास में मिलेगी। उन्हें खोलकर मेरे पास लाओ □”

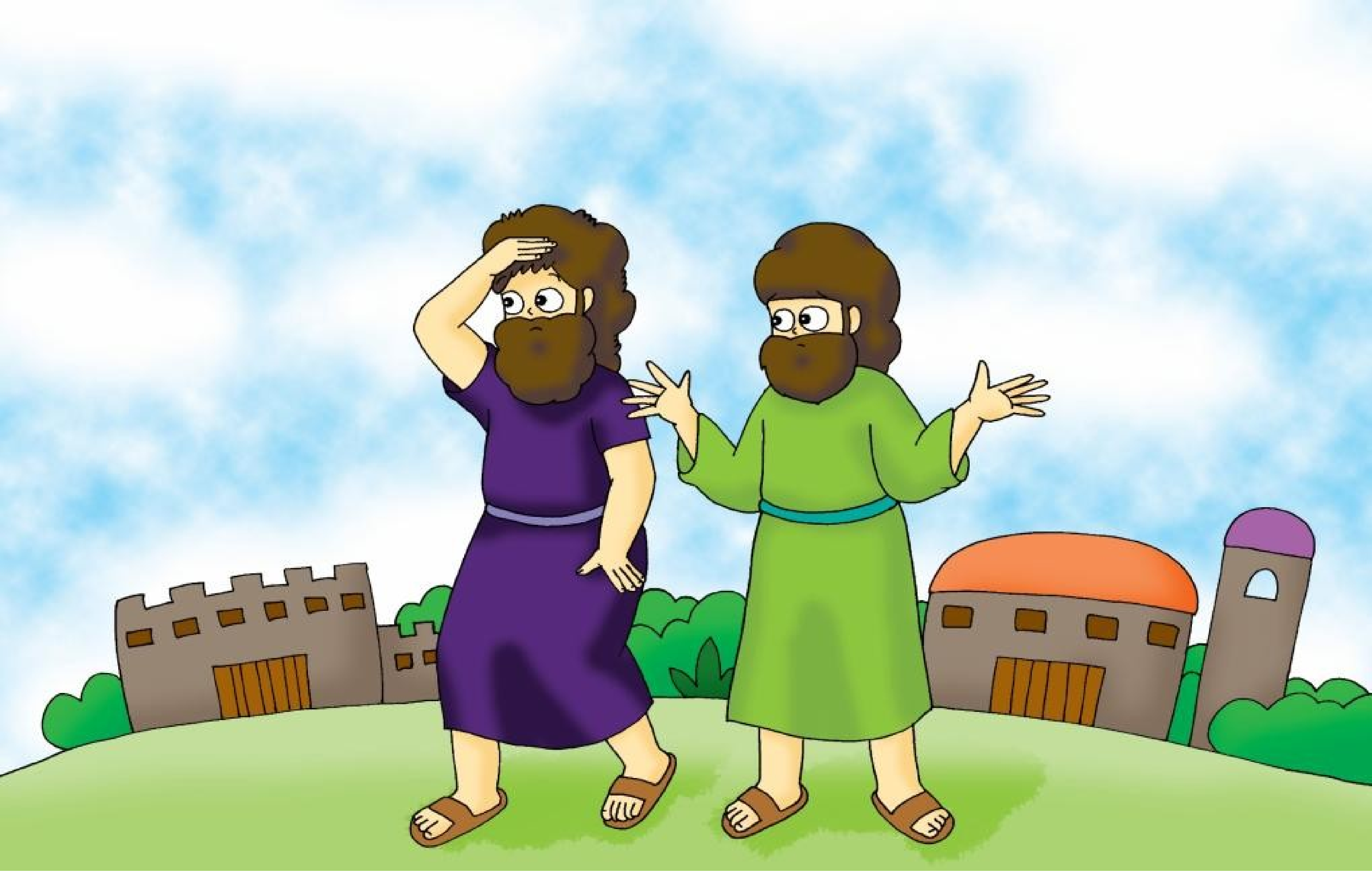

दो शिष्य गाँव में गये और उन्होंने वैसा
ही किया जैसा यीशु ने उन्हें निर्देश दिया

उन्हें गधा मिल गया। "प्रभु को उनकी आवश्यकता है।" तब मालिक ने उन्हें तुरंत भेज दिया।

यीशु एक गधे के बच्चे पर बैठे और यरूशलेम में प्रवेश किया। जो भीड़ उसके आगे आगे बढ़ रही थी और चिल्ला रही थी, “दाऊद के पुत्र को होशाना!”

तथ्य यह है कि यीशु गधे के बच्चे पर सवार थे और भीड़ ने उनका स्वागत किया था, यह बाइबिल की दर्ज भविष्यवाणी के अनुसार किया गया था। लेकिन इसकी जानकारी किसी को नहीं थी.

आज का पाठ

"यीशु गधे के बच्चे पर सवार हुआ, और भीड़ चिल्लाने लगी,
'दाऊद के पुत्र को होशाना!'
उन सभी की भविष्यवाणी बाइबिल में की गई थी।
यीशु आज्ञाकारिता से जीवित रहे, जैसा कि बाइबिल में लिखा गया था.
हम जो यीशु का अनुसरण करते हैं उन्हें भी आज्ञापालन करना चाहिए
भगवान का शब्द पूरी तरह से.

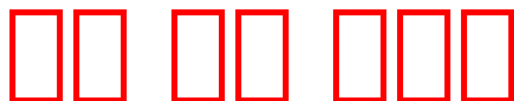

यीशु कौन है?

यीशु है..
यीशु हमारा राजा है जो प्रशंसा और महिमा के योग्य है।

आज की प्रश्नोत्तरी

यीशु यरूशलेम में किस चीज़ पर सवार होकर आये थे ?

① गधे का बच्चा

② एक बच्चा घोड़ा

③ एक बच्चा हाथी

④ एक बच्चा ऊँट

आज का शब्द

जो भीड़ उसके आगे चल रही थी और जो उसके पीछे चल रहे थे, चिल्ला रहे थे, "दाऊद के पुत्र को होशाना!" "धन्य है वह जो प्रभु के नाम पर आता है!" "होसाना इन द हाईएस्ट!"

मैथ्यू 21:9

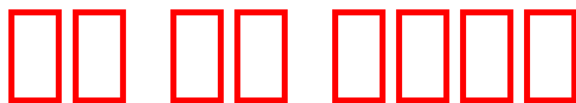

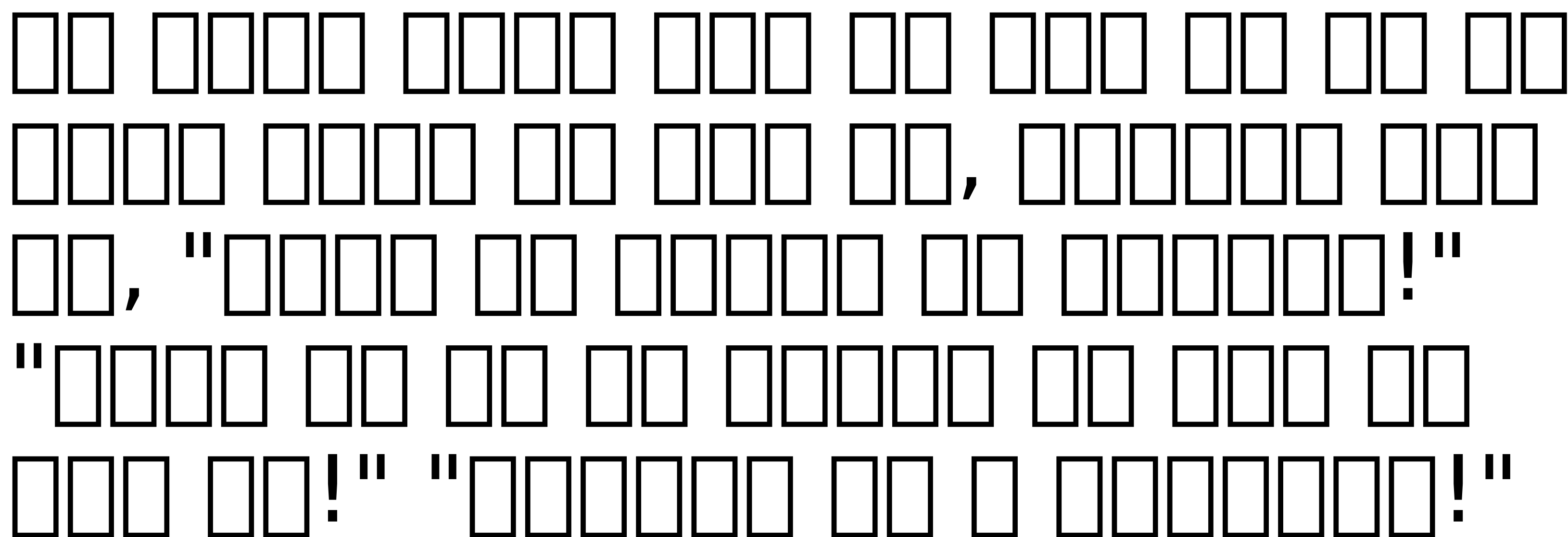

क्रमांक 83 परमेश्वर का वचन

मेरा घर प्रार्थना का घर है .

आज का शब्द

“लिखा है,” उसने उनसे कहा, “मेरा घर प्रार्थना का घर कहलाएगा, परन्तु तुम उसे लुटेरों का अड्डा बना रहे हो।”

मैथ्यू 21:13

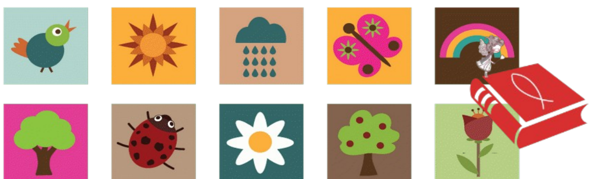

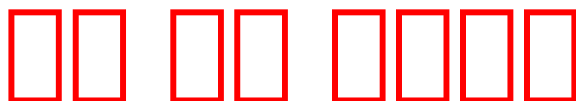

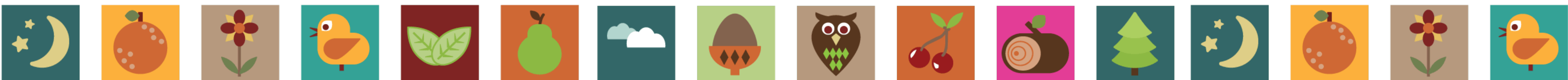

यीशु ने यरूशलेम मंदिर में प्रवेश किया। मन्दिर के अन्दर बहुत से व्यापारी और सर्राफ थे।

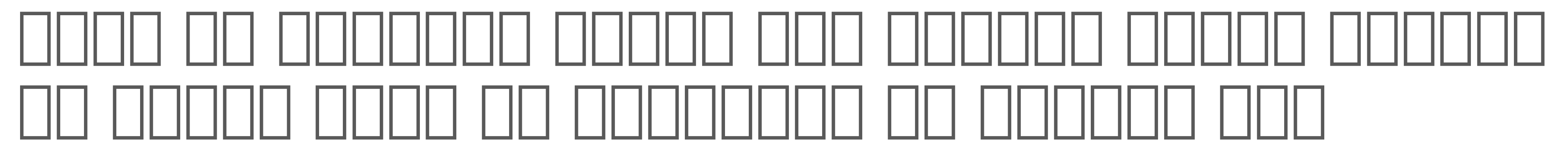

यीशु ने सर्राफों की मेज़ें और कबूतर बेचनेवालों की चौकियाँ उलट दीं। उसने उन सभी को , जो वहाँ खरीद -फरोख्त कर रहे थे , खदेड़ दिया

यीशु ने क्रोध से कहा, “लिखा है, कि मेरा घर प्रार्थना का घर कहलाएगा, परन्तु तुम उसे डाकुओं का खोह बनाते हो।”

यीशु ने व्यापारियों को मन्दिर से बाहर
निकाल दिया और मन्दिर में बीमारों को

आज का पाठ

मंदिर, चर्च, भगवान की पूजा और प्रार्थना करने का स्थान है। यीशु उस भीड़ से नाराज़ थे जिसने इसे व्यवसाय का स्थान बना दिया था।
आप चर्च किसलिए आते हैं?
चर्च में आपको पूजा और प्रार्थना के साथ भगवान से मिलना चाहिए।

यीशु कौन है?

यीशु है..

यीशु चर्च का मालिक है. यीशु ही वह हैं जो चर्च से हमारी पूजा और प्रार्थना प्राप्त करते हैं।

आज की प्रश्नोत्तरी

यीशु ने किसे मन्दिर से बाहर निकाला ?

① यहूदी

② गैर -यहूदी

③ पुजारी

④ व्यापारी

आज का शब्द

“लिखा है,” उसने उनसे कहा, “मेरा घर प्रार्थना का घर कहलाएगा, परन्तु तुम उसे लुटेरों का अड्डा बना रहे हो।”

मैथ्यू 21:13

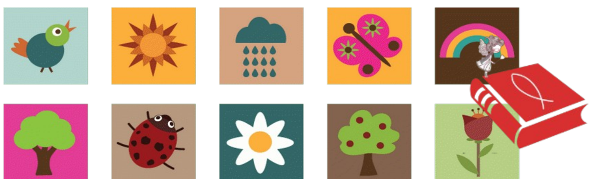

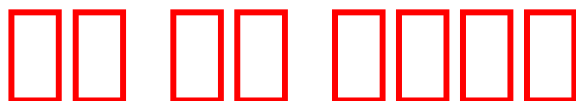

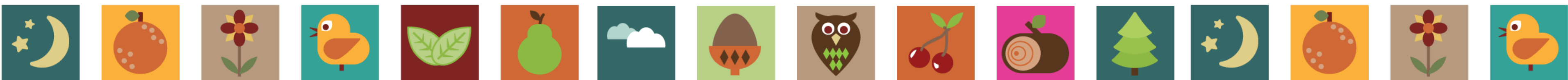

क्रमांक 84 परमेश्वर का वचन

यीशु ने अपने शिष्यों के पैर धोए

Bible Kids

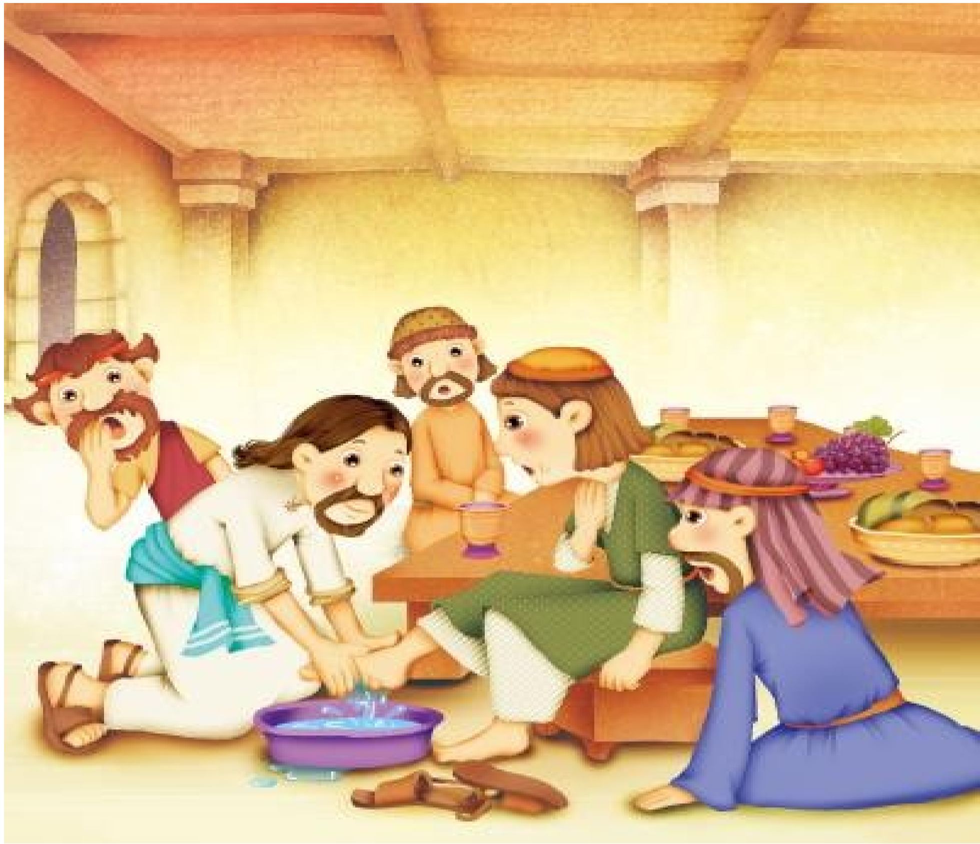

आज का शब्द

अब जब कि मैं, तुम्हारे प्रभु और शिक्षक, ने तुम्हारे पैर धोए हैं, तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोना चाहिए।

जॉन 13:14

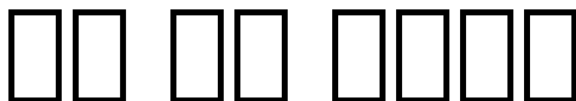

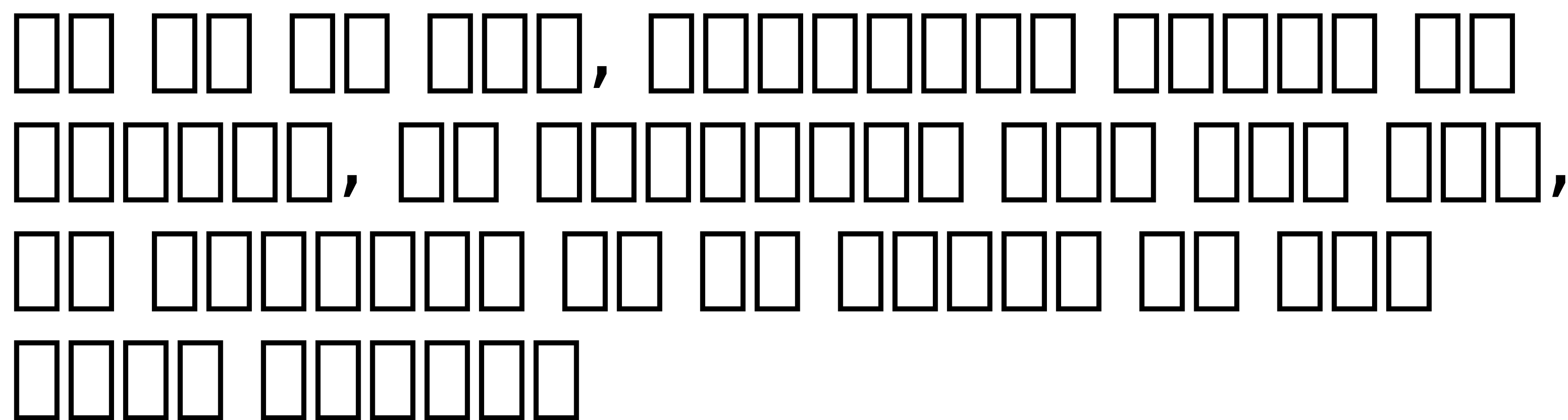

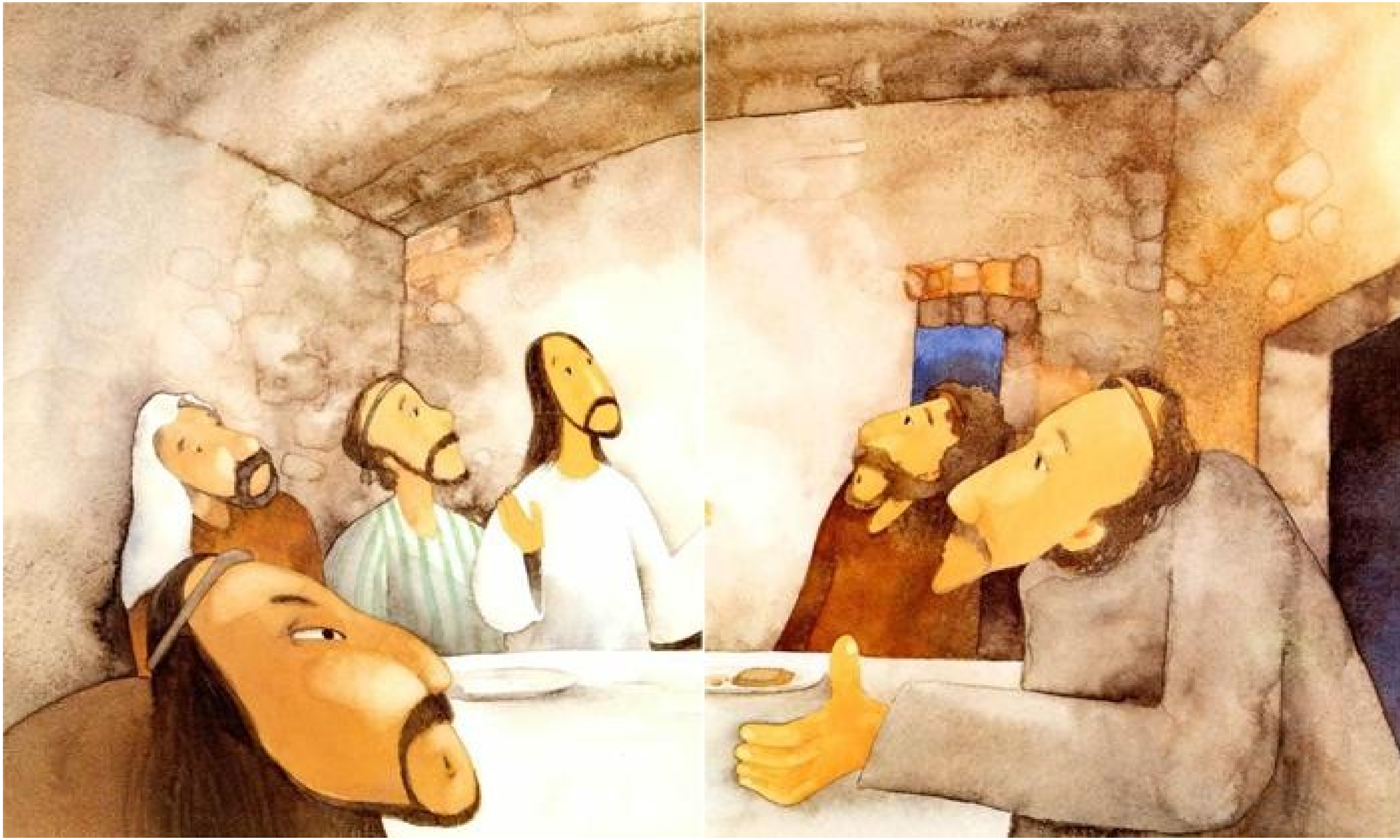

यीशु ने अपने शिष्यों के साथ अंतिम भोज किया था। यीशु जानते थे कि यह उनके शिष्यों के साथ उनका

अंतिम भोजन था

यीशु अचानक कटोरे में पानी लाया, और वह एक-एक करके अपने शिष्यों के पैर धोने लगा।

जब पतरस की बारी आई, तो पतरस ने कहा, "प्रभु हमारे पैर क्यों धोते हैं? मैं नहीं धोऊंगा!"

यीशु ने उत्तर दिया . "अगर मैं आपके पैर नहीं धोता , तो आपका और मेरा इससे कोई लेना -देना नहीं है। हो सकता है कि आप अभी ठीक से न समझें , लेकिन

"मैंने एक उदाहरण स्थापित करने के लिए आपके पैर धोए। अब से, एक-दूसरे के पैर धोएं और एक-दूसरे की सेवा करने वाले लोग बनें।"

आज का पाठ

दुनिया में छोटे लोग ऊंचे लोगों की सेवा करते हैं, लेकिन इसके विपरीत यीशु ने अपने शिष्यों के पैर धोए और त्याग कर दिया
हमारे लिए उसका जीवन. यदि हम यीशु के शिष्य हैं, तो हमें ऊंचे स्थान पर व्यवहार पाने की चाहत के बजाय निचले स्थान पर एक-दूसरे की सेवा करने में खुशी होनी चाहिए।

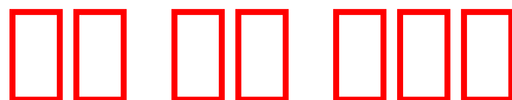

यीशु कौन है?

यीशु है..

यीशु सर्वोच्च व्यक्ति हैं, लेकिन वह सबसे निचले स्थान पर आये हैं और हम सभी की सेवा करने के इच्छुक हैं।

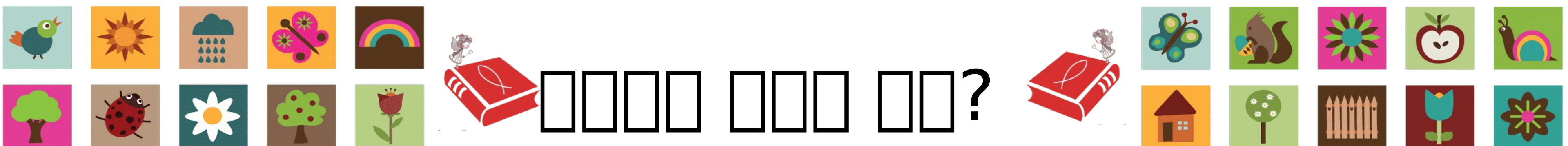

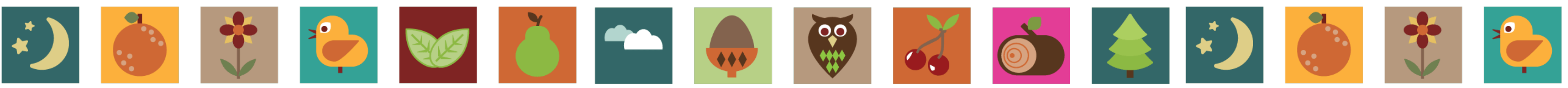

आज की प्रश्नोत्तरी

किसने यीशु को अपने पैर नहीं धोने दिये ?

① जॉन

② थॉमस

③ पीटर

④ जुडास इस्करियोती

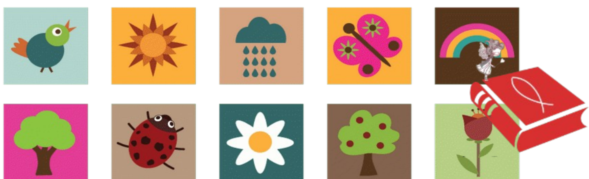

आज का शब्द

अब जब कि मैं, तुम्हारे प्रभु और शिक्षक, ने तुम्हारे पैर धोए हैं, तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोना चाहिए।

जॉन 13:14

क्रमांक 85 परमेश्वर का वचन

यीशु पहाड़ी पर प्रार्थना कर रहे हैं

Bible Kids

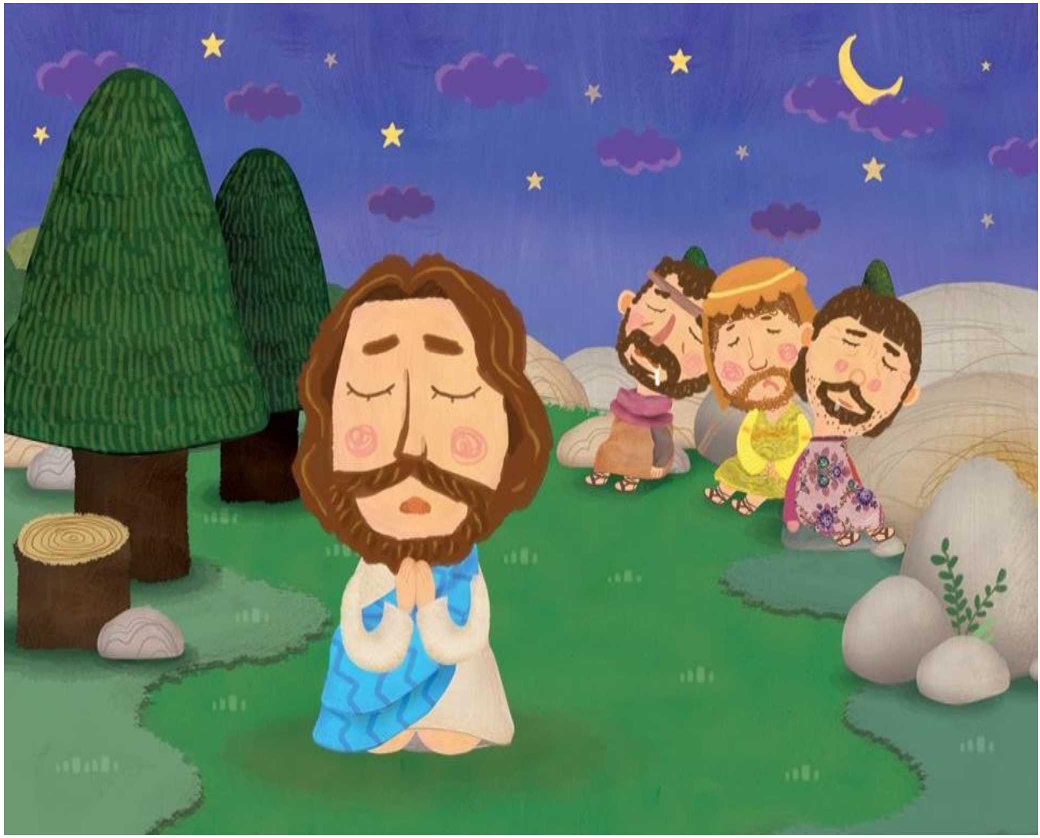

आज का शब्द

वह थोड़ा आगे जाकर भूमि पर मुंह के बल गिरकर प्रार्थना करने लगा, "हे मेरे पिता, यदि हो सके, तो यह कटोरा मुझ से टल जाए। परन्तु जैसा मैं चाहता हूं वैसा नहीं, परन्तु जैसा तू चाहता है वैसा ही हो।"

मैथ्यू 26:39

रात्रि भोजन के बाद यीशु अपने शिष्यों के साथ गेथसमेन नामक स्थान पर गये।

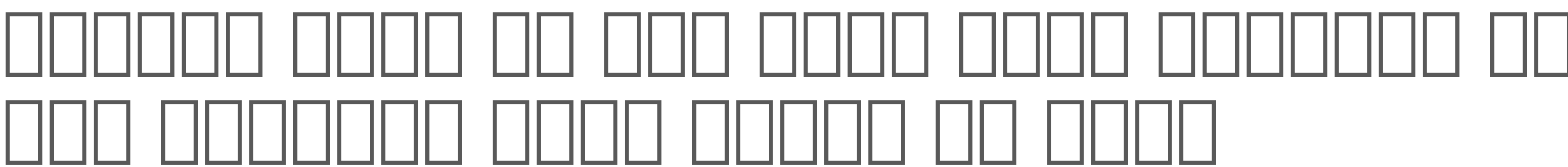

यीशु ने शिष्यों से कहा, “मेरी आत्मा दुःख से यहाँ तक अभिभूत है कि मैं मरने पर हूँ। यहीं रहो और मेरे साथ निगरानी करते रहो।”

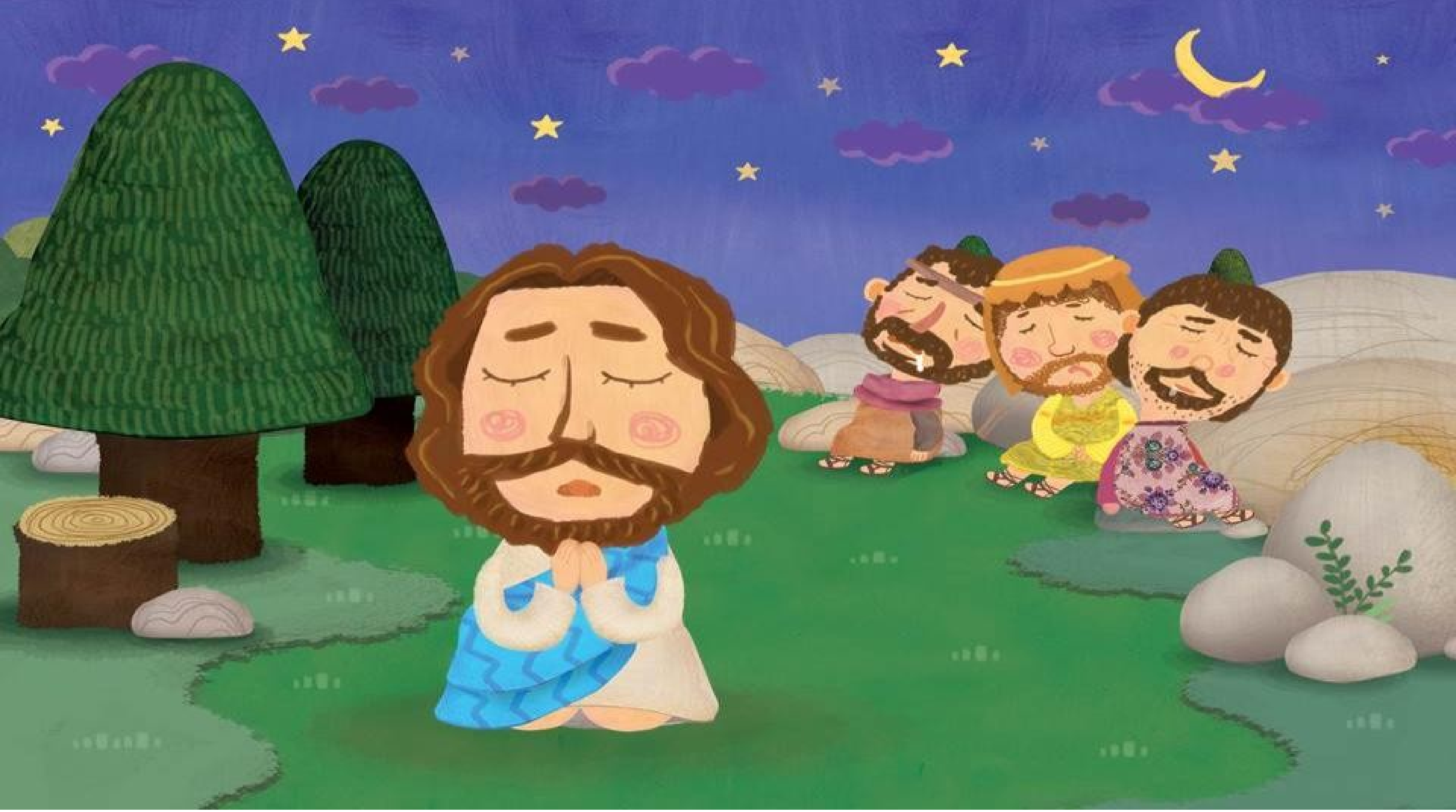

"हे मेरे पिता , यदि हो सके , तो यह कटोरा मुझ से टल जाए। तौभी जैसा मैं चाहता हूं वैसा नहीं , परन्तु जैसा तू चाहता है वैसा ही हो। " यीशु ने ईमानदारी से प्रार्थना की . परन्तु शिष्य गहरी नींद में सो

यीशु ने अपने चेलों को जगाते हुए कहा , “क्या तुम एक घड़ी तक मेरे साथ जागते न रह सकते थे ? देखना। यहाँ मेरा विश्वासघाती मुझे गिरफ़्तार करने

अन्त में यीशु ने उन लोगों का पीछा किया जो उसे पकड़ने आये थे। यह परमेश्वर की इच्छा के अनुसार क्रूस पर हमारे पापों का भुगतान करने के लिए

आज का पाठ

क्रूस पर हमारे पापों का भुगतान करने के लिए मरना यीशु के लिए दर्दनाक था, लेकिन वह पूरी तरह से आज्ञाकारी था
क्योंकि यह परमेश्वर की इच्छा थी। हमें सबसे पहले यह आशा करनी चाहिए कि हमारे जीवन में मेरी अपेक्षा ईश्वर की इच्छा पूरी हो।

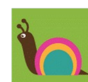

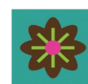

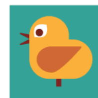

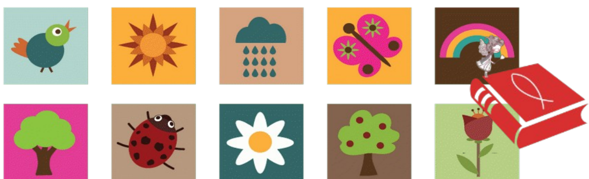

यीशु कौन है?

यीशु है..

यीशु इस देश में पापरहित है क्योंकि वह पूरी तरह से परमेश्वर की इच्छा का पालन करता है।

आज की प्रश्नोत्तरी

गिरफ्तार होने से पहले यीशु ने कहाँ प्रार्थना की थी ?

①यरूशलेम के मंदिर में

② गेथसेमेन

③ मार्क का ऊपरी कमरा

④ गलील झील

आज का शब्द

वह थोड़ा आगे जाकर भूमि पर मुंह के बल गिरकर प्रार्थना करने लगा, "हे मेरे पिता, यदि हो सके, तो यह कटोरा मुझ से टल जाए। परन्तु जैसा मैं चाहता हूं वैसा नहीं, परन्तु जैसा तू चाहता है वैसा ही हो।"

मैथ्यू 26:39

क्रमांक 86 परमेश्वर का वचन

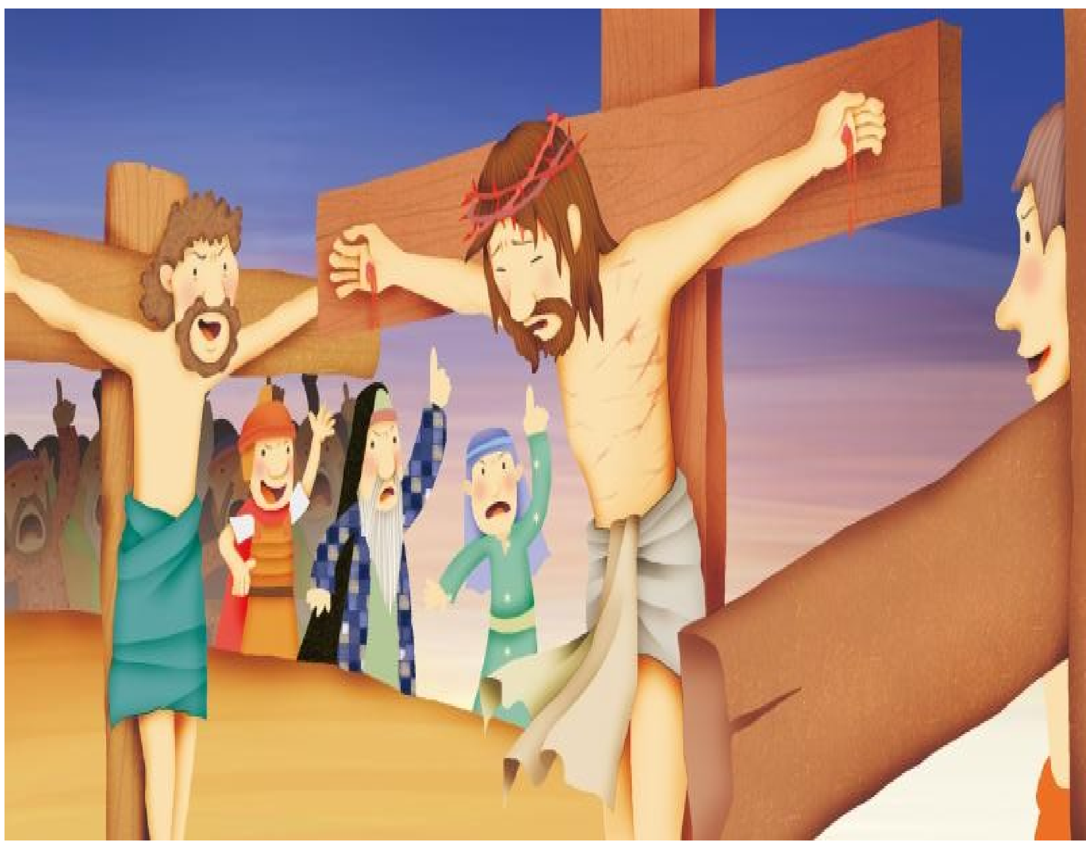

यीशु क्रूस पर मरे।

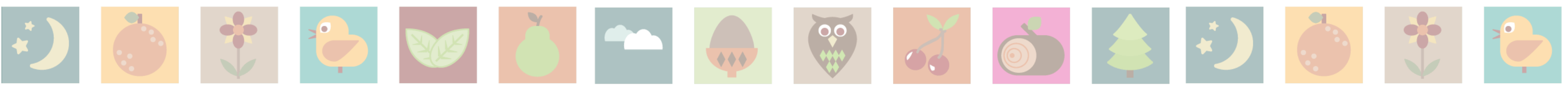

आज का शब्द

यीशु ने ऊँचे स्वर से पुकारा, “हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ।” जब उन्होंने यह कहा तो उन्होंने अंतिम सांस ली।

ल्यूक 23: 46

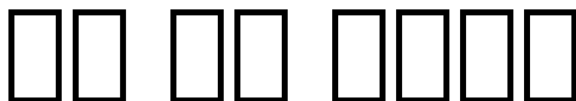

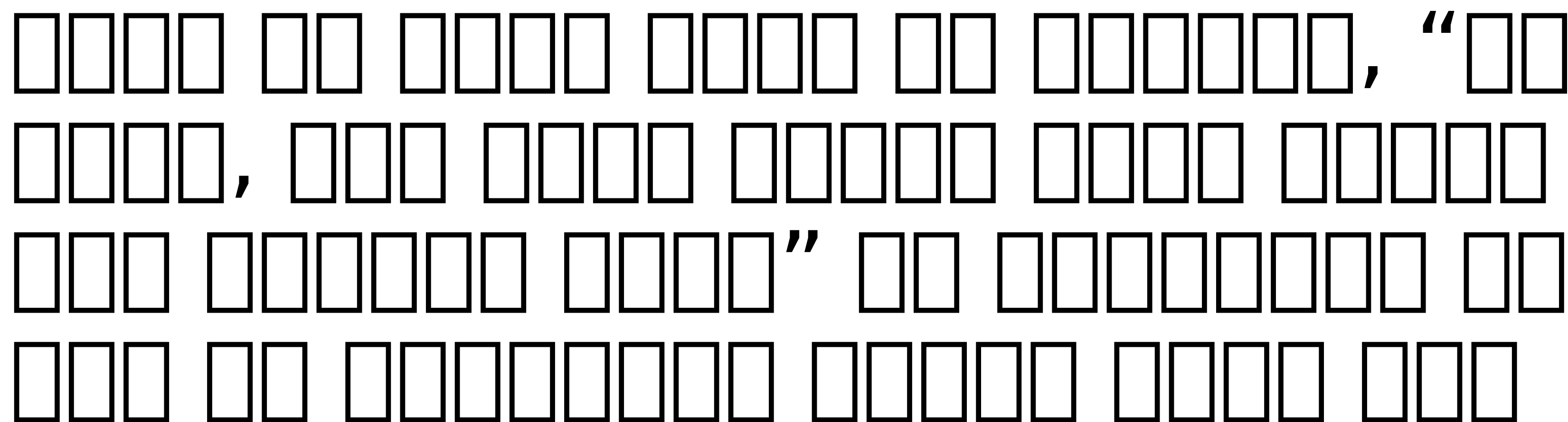

यीशु को रोमन सैनिकों द्वारा पकड़ लिया गया ,
उसके सिर में कांटों का ताज पहनाया गया , उसका
मज़ाक उड़ाया गया , क्रूस पर चढ़ाया गया और

फिर, यीशु को दो अपराधियों के साथ सूली पर चढ़ा दिया गया। लोग खड़े देखते रहे, और शासकों ने उस पर व्यंग्य भी किया।

“हे पिता, उन्हें क्षमा कर दो, क्योंकि वे नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं।” यीशु ने उन लोगों के लिए प्रार्थना की जिन्होंने उसे मार डाला।

यीशु ने कहा, "यह समाप्त हो गया!" और उस ने सिर झुकाकर प्राण त्याग दिए।

उसी समय मन्दिर का पर्दा ऊपर से नीचे तक दो टुकड़े हो गया। पृथ्वी हिल गयी और चट्टानें फट गयीं। जब यीशु को क्रूस पर चढ़ाने वाले सैनिकों ने यह देखा, तो वे भयभीत हो गए, और चिल्ला उठे, "निश्चित रूप से वह परमेश्वर का पुत्र था!"

आज का पाठ

पापरहित यीशु ने हमारी ओर से कष्ट सहे और मरे, और हमारे पापों के लिए भुगतान किया।
इसलिए, हमें अपने लिए भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है।
यीशु की बदौलत हम बच गये।
हमें इसे एक पल के लिए भी नहीं भूलना चाहिए.

यीशु कौन है?

यीशु है..

यीशु ही वह उद्धारकर्ता है जिसने क्रूस पर हमारे पापों के लिए मरकर हमें बचाया।

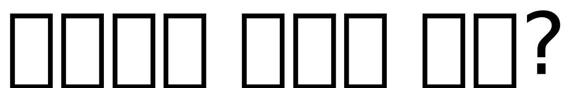

आज की प्रश्नोत्तरी

यीशु को किसके साथ सूली पर चढ़ाया गया था ?

① शिष्य _

② महिला

③ पुजारी

④ अअपपररााधधीी

आज का शब्द

यीशु ने ऊँचे स्वर से पुकारा, “हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ।” जब उन्होंने यह कहा तो उन्होंने अंतिम सांस ली।

ल्यूक 23: 46

[illegible] 87 [illegible]

[illegible]

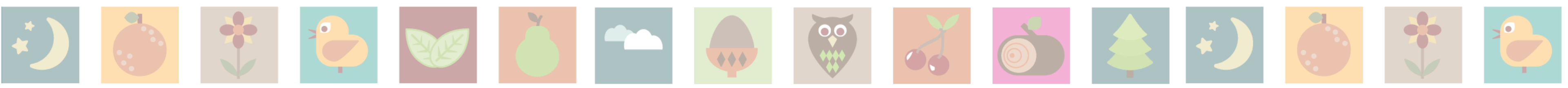

आज का शब्द

इस पर वह पीछे मुड़ी और यीशु को वहाँ खड़े देखा, परन्तु उसे यह न मालूम हुआ कि यह यीशु है।

जॉन 20: 14

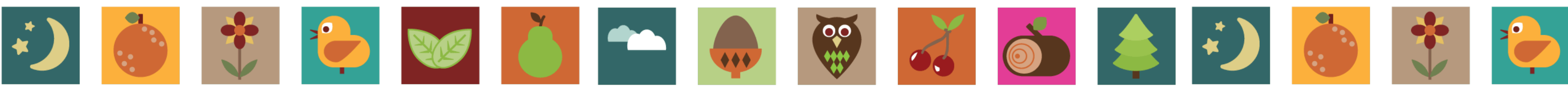

मरियम मगदलीनी मृत यीशु को देखने के लिए कब्र पर गयी। लेकिन, कब्र का पत्थर का दरवाजा खुला था।

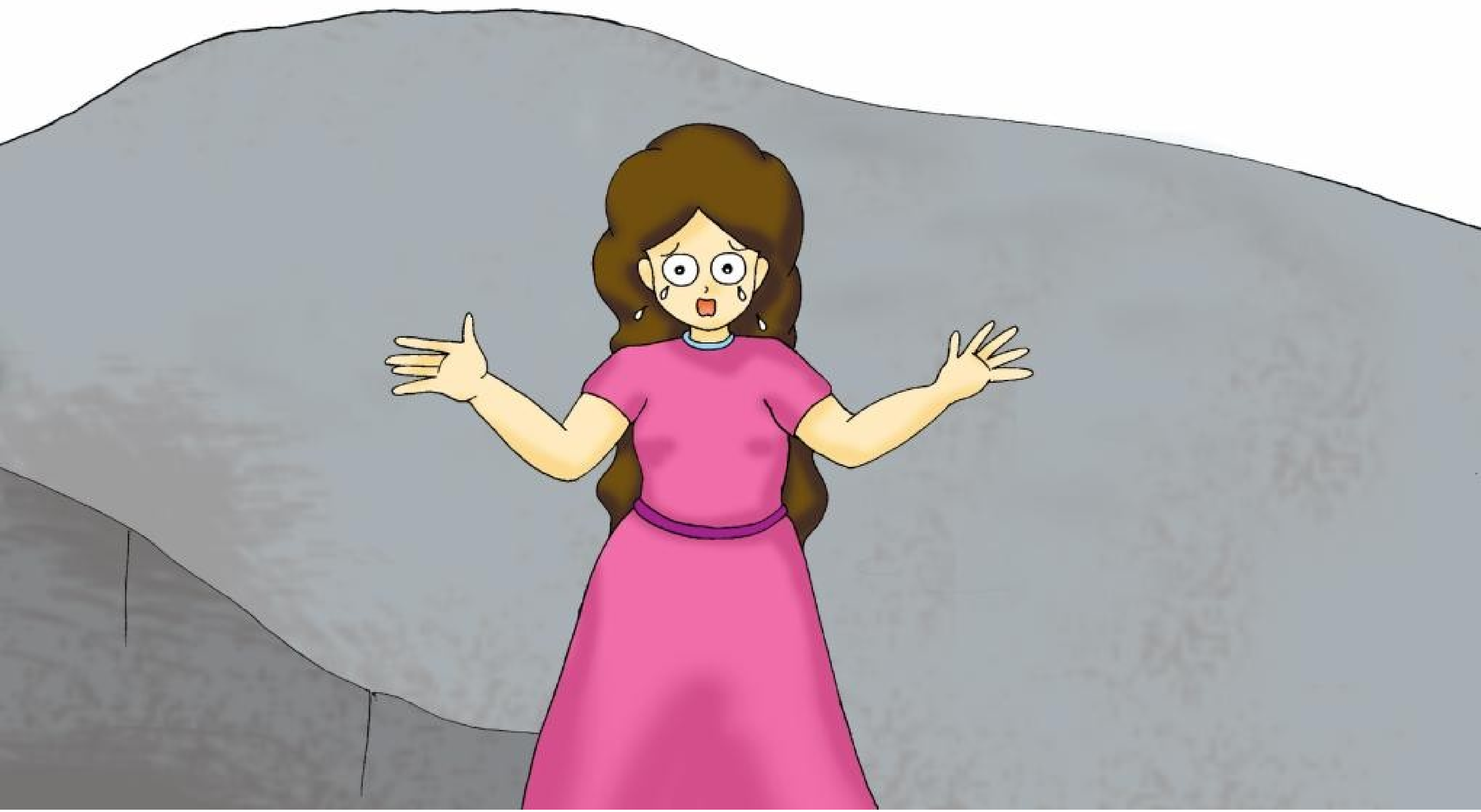

कब्र में यीशु का कोई शरीर नहीं था। मैरी को लगा कि किसी ने यीशु का शव चुरा लिया

देवदूत प्रकट हुआ और पूछा . "क्यों रो रही हो ?"
मरियम ने उत्तर दिया , "किसी ने यीशु का शरीर
चुरा लिया
"

और जब वह पीछे मुड़ी, तो यीशु जीवित थे। परन्तु मरियम ने यीशु को नहीं पहचाना। उसने नहीं सोचा था कि यीशु जीवन में वापस आएंगे।

"मैरी ..." केवल जब यीशु ने बुलाया , तो मैरी ने उसे पहचान लिया। "प्रभु , आप सचमुच जीवित हो गए हैं। " यीशु अपनी मृत्यु के तीन दिन बाद पुनर्जीवित हो

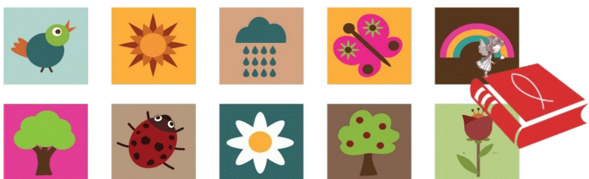

आज का पाठ

दुनिया में कोई भी मरा नहीं है
और फिर से जीवित. लेकिन एकमात्र यीशु, जो मृत्यु से पुनर्जीवित हुआ था, अभी भी जीवित है। बाइबल कहती है कि जो लोग यीशु पर विश्वास करते हैं वे भी जीवन में वापस आते हैं यीशु की तरह. इसलिए हमें अपनी आशा नहीं खोनी चाहिए अनन्त जीवन के लिए.

यीशु कौन है?

यीशु है..

यीशु विजय के भगवान हैं जिन्होंने मृत्यु पर विजय प्राप्त की और जीवन में वापस आये।

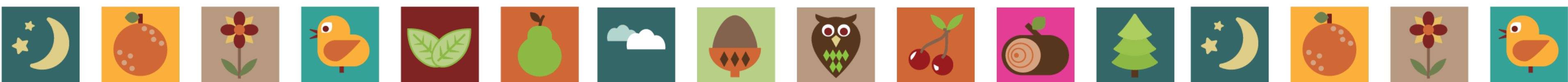

आज की प्रश्नोत्तरी

जब मरियम ने देखा कि कब्र में यीशु नहीं है तो उसने क्या सोचा ?

① यीशु पुनर्जीवित हो गए हैं !

② यह यीशु की कब्र नहीं है !

③ किसी ने यीशु का शव चुरा लिया !

④ चेलों ने यीशु का शव खरीदा !

आज का शब्द

इस पर वह पीछे मुड़ी और यीशु को वहाँ खड़े देखा, परन्तु उसे यह न मालूम हुआ कि यह यीशु है।

जॉन 20: 14

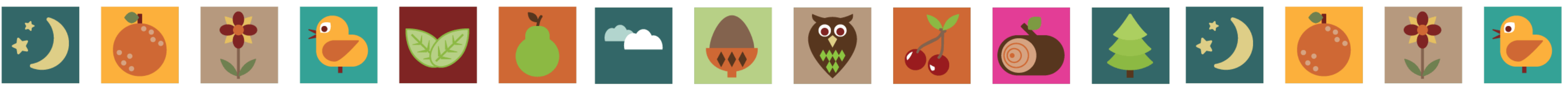

क्रमांक 88 परमेश्वर का वचन

यीशु जो स्वर्ग पर चढ़ गया

Bible Kids

आज का शब्द

यह कहने के बाद वह उनके देखते ही ऊपर उठा लिया गया, और बादल ने उसे उनकी आंखों से ओझल कर दिया।

अधिनियमों 1: 9

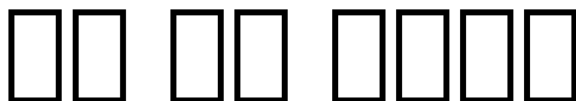

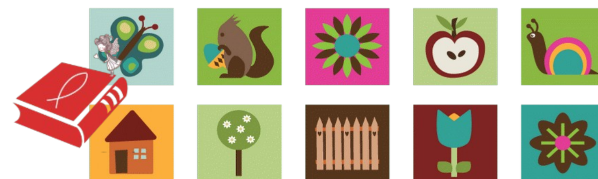

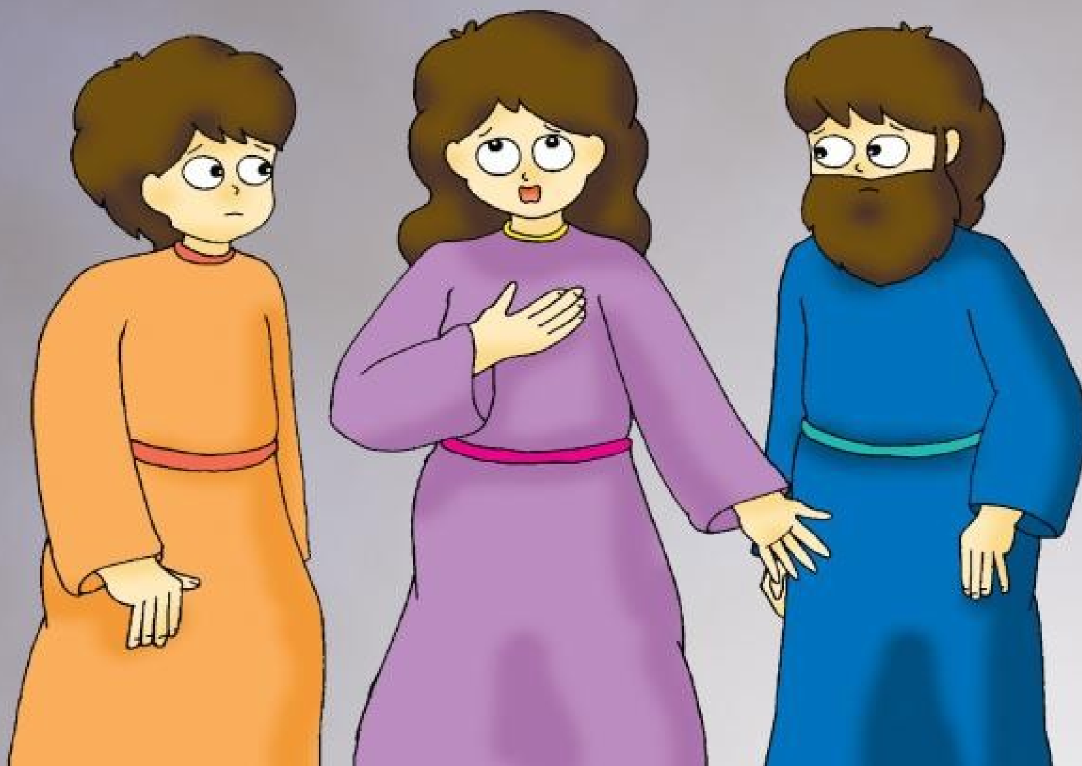

पुनर्जीवित यीशु आए और उनके बीच खड़े हो गए, उन्हें अपने हाथ और बगल दिखाए और कहा, "संदेह करना बंद करो और विश्वास करो।"

फिर, यीशु ने कहा कि वह अपने पिता, परमेश्वर के पास वापस जाएगा और वादा किया कि वह पवित्र आत्मा भेजेगा।

और यीशु ने अपने शिष्यों को आदेश दिया कि वे जगत के अंत तक उसके गवाह बनें, सुसमाचार का प्रचार करें और वचन सिखायें।

इस भूमि पर सभी मिशनों को पूरा करने के बाद , यीशु अपने शिष्यों के सामने स्वर्ग चले गए। और उसने हमसे वादा किया कि वह एक दिन इस भूमि पर वापस

आज का पाठ

यीशु ने स्वर्ग जाने से पहले अपने शिष्यों को पृथ्वी के छोर तक सुसमाचार का प्रचार करने का आदेश दिया।
चर्च यीशु के शिष्यों का एक समूह है। यीशु के शिष्यों के रूप में, हमें हर जगह सुसमाचार का प्रचार करना चाहिए। और हमें यीशु का गवाह बनना होगा।

यीशु कौन है?

यीशु है..

यीशु अभी भी जीवित हैं, परमेश्वर के दाहिनी ओर बैठे हैं, और वह वादे के अनुसार पृथ्वी पर वापस आएंगे।

आज की प्रश्नोत्तरी

पुनर्जीवित यीशु ने अपने शिष्यों को क्या दिखाया ?

①हाथों और पैरों पर नाखून के निशान

② कांटों के निशान ओह सिर

③ पीठ पर कोड़ों के निशान

④चेहरे पर चोट के निशान

आज का शब्द

यह कहने के बाद वह उनके देखते ही ऊपर उठा लिया गया, और बादल ने उसे उनकी आंखों से ओझल कर दिया।

अधिनियमों 1: 9

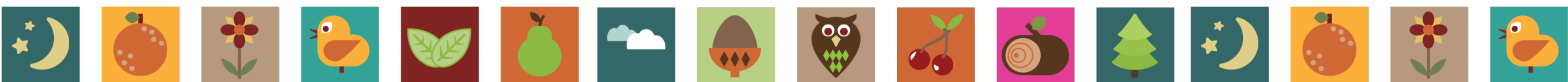

क्रमांक 89 परमेश्वर
का वचन

पवित्र
आत्मा आ गया है

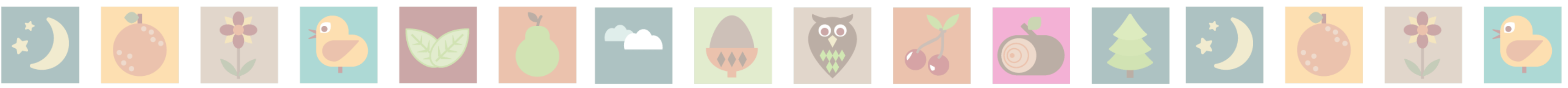

आज का शब्द

वे सभी पवित्र आत्मा से भर गए और आत्मा द्वारा उन्हें सक्षम बनाने के लिए अन्य भाषाएं बोलने लगे।

अधिनियमों 2:4

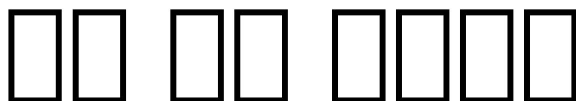

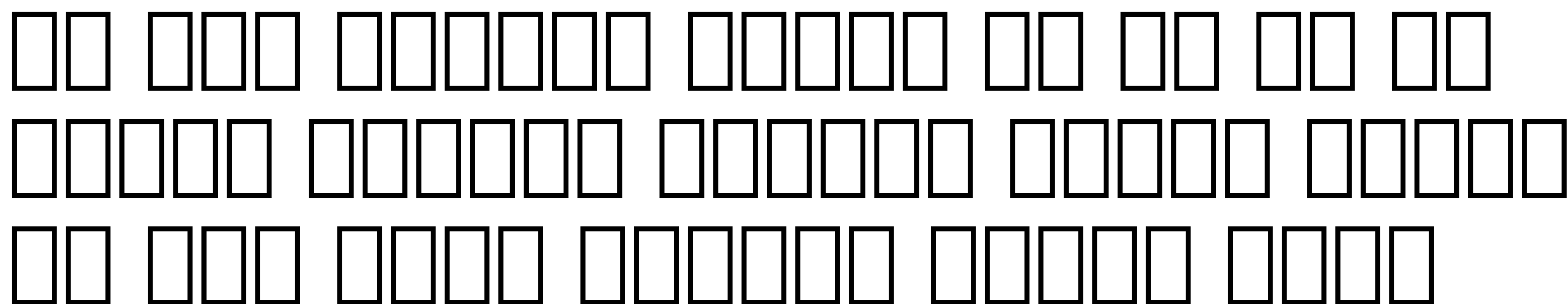

जैसा कि यीशु ने कहा था, शिष्य यरूशलेम में थे। जब पिन्तेकुस्त का दिन आया, तो वे सब एक जगह इकट्ठे थे।

अचानक तेज़ हवा चलने जैसी आवाज़ आई और पूरे घर में, जहां वे बैठे थे, गूंज गया।

और फिर प्रत्येक व्यक्ति के सिर पर आग की जीभ थी, और फिर वे सभी पवित्र आत्मा से भर गए और अन्य भाषाएँ बोलने लगे।

जब हर कोई आश्चर्यचकित हो गया , तो पतरस ने उन्हें यीशु और सुसमाचार के बारे में उपदेश

लोगों ने सुसमाचार सुना, पश्चाताप किया और बपतिस्मा लिया। उस दिन 3,000 से अधिक लोगों ने बपतिस्मा लिया।

आज का पाठ

यीशु ने अपने शिष्यों के पास पवित्र आत्मा भेजा।

पवित्र आत्मा ने पतरस को सुसमाचार का प्रचार करने के लिए बुद्धि और शक्ति दी।

पवित्र आत्मा उन सभी के दिलों में है जो यीशु में विश्वास करते हैं। यह मत भूलो कि पवित्र आत्मा ही वह है जो हमें सुसमाचार का प्रचार करने के लिए बुद्धि और साहस देता है , जैसे उसने पतरस को बुद्धि और शक्ति दी थी

यीशु कौन है?

यीशु है..

यीशु हमारी सहायता के लिए उन सभी के पास पवित्र आत्मा भेजता है जो उस पर विश्वास करते हैं।

आज की प्रश्नोत्तरी

जब पवित्र आत्मा आया तो उन्होंने क्या सुना ?

① तुरही ध्वनि

② गड़गड़ाहट

③ प्रचंड हवा का बहना

④ प्रार्थना की ध्वनि

आज का शब्द

वे सभी पवित्र आत्मा से भर गए और आत्मा द्वारा उन्हें सक्षम बनाने के लिए अन्य भाषाएं बोलने लगे।

अधिनियमों 2:4

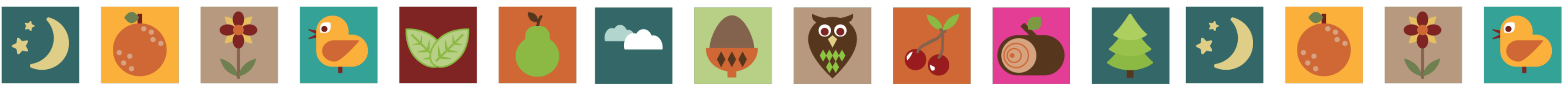

क्रमांक 90 परमेश्वर का वचन

फिलिप्पुस ने इथियोपियाई को सुसमाचार सुनाया

Bible Kids

आज का शब्द

तब फिलिप्पुस ने धर्मग्रंथ के उसी अंश से शुरुआत की और उसे यीशु के बारे में खुशखबरी सुनाई।

अधिनियमों 8: 35

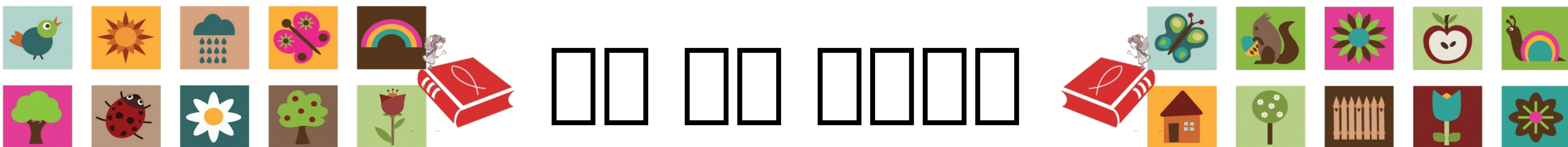

एक दिन प्रभु के एक दूत ने फिलिप्पुस से ,
जो यीशु पर विश्वास करता था , कहा , "दक्षिण
की ओर जाने वाली सड़क -रेगिस्तानी मार्ग
पर जाओ □"

जैसा कि देवदूत ने कहा था , वह दक्षिणी रेगिस्तान की ओर चल पड़ा। उसे आश्चर्य हुआ

कि देवदूत ने उसे क्यों भेजा है

उस समय, वह खोजा जो इथियोपिया के देश के लिए धन का प्रभारी था, बग्घी पर, भविष्यवक्ता यशायाह के लेखन को पढ़ रहा था। फिलिप ने पास आकर पूछा। "क्या आप समझ रहे हैं कि आप क्या पढ़ रहे हैं?"

“मैं इसे कैसे समझ सकता हूँ ,” उसने कहा , “जब तक कोई मुझे यह न समझाए ?” फिलिप ने पवित्रशास्त्र के उसी अंश से शुरुआत की और उसे यीशु के बारे में

इथियोपियाई ने यीशु को प्राप्त करने के बाद , वह खुशी से अपने देश लौट आया। फिलिप ने उसे वहां ले जाने के लिए पवित्र आत्मा

आज का पाठ

फिलिप पूरी तरह से समझ नहीं सका लेकिन उसने पवित्र आत्मा के आदेश का पालन किया। ताकि वह इथियोपियाई लोगों को सुसमाचार का प्रचार कर सके।
कभी-कभी हम ऐसी स्थिति में होते हैं जिसे हम समझ नहीं पाते। परन्तु यदि आप उस क्षण भी परमेश्वर पर भरोसा करते हैं और पवित्र आत्मा में उसकी आज्ञा मानते हैं, तो आप भी विश्वास वाले व्यक्ति हो सकते हैं
जो सुसमाचार का प्रचार करते हैं.

यीशु कौन है?

यीशु है..

यीशु ही वह हैं जो उस रिश्ते का नेतृत्व करते हैं जिसके साथ हमें मिलना चाहिए।

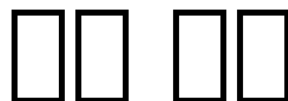

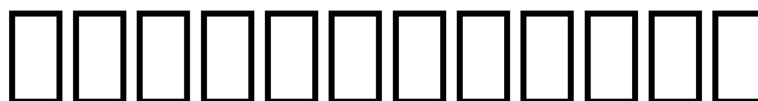

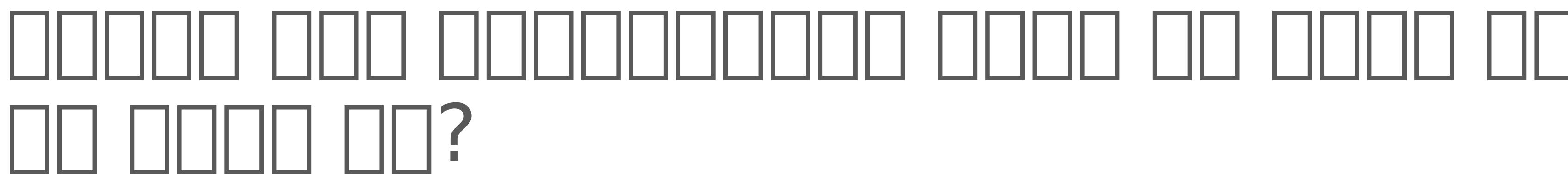

①

②

③

④

आज का शब्द

तब फिलिप्पुस ने धर्मग्रंथ के उसी अंश से शुरुआत की और उसे यीशु के बारे में खुशखबरी सुनाई।

अधिनियमों 8: 35

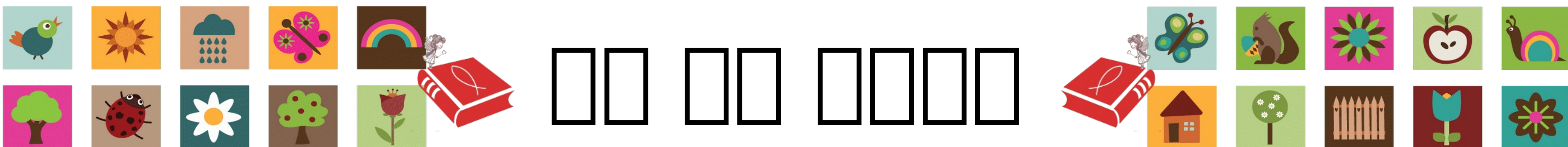

क्रमांक 91 परमेश्वर का
वचन

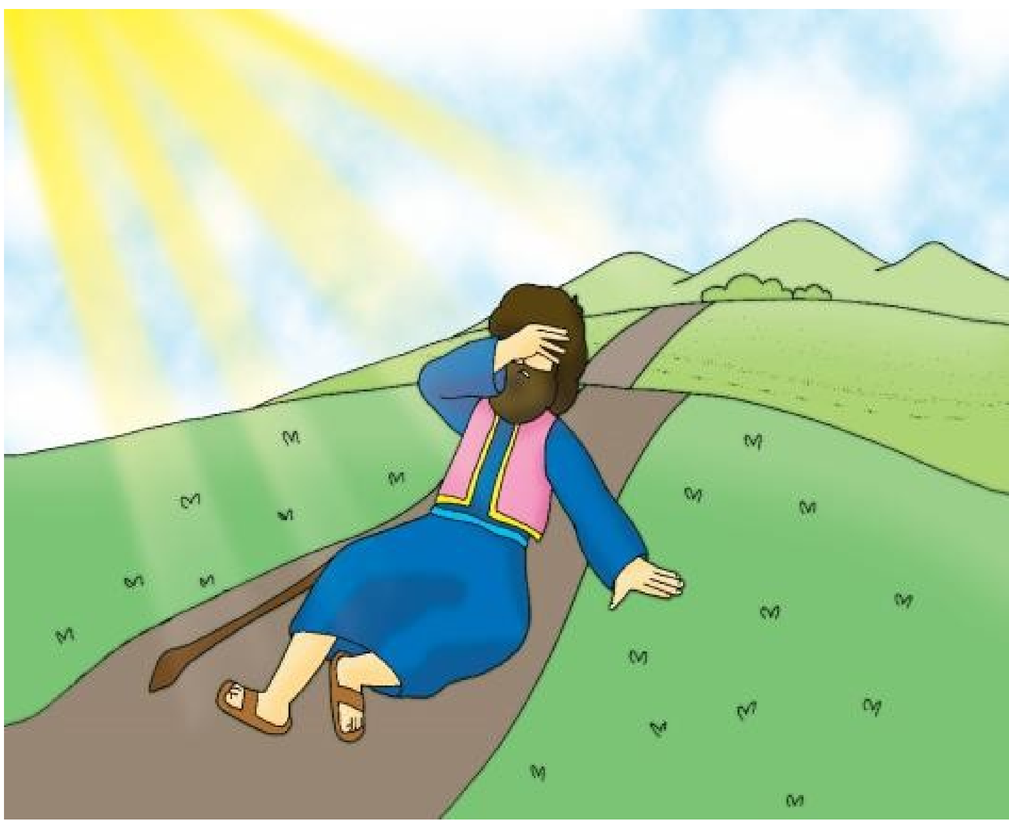

शाऊल यीशु से मिला

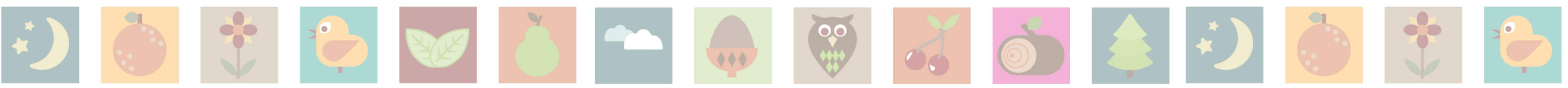

आज का शब्द

वह भूमि पर गिर पड़ा और किसी को यह कहते सुना, "शाऊल, हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?"

अधिनियमों 9: 4

शाऊल नाम का एक आदमी था जो यीशु में विश्वास करने वालों से नफरत करता था , और

वह चर्च से भी नफरत करता था

शाऊल को यीशु से इतनी नफरत थी कि वह ईसाइयों को गिरफ्तार करने के लिए दमिश्क गया।

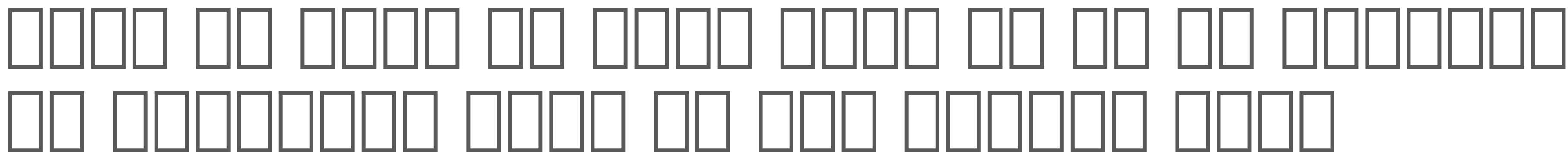

जैसे ही वह अपनी यात्रा पर दमिश्क के पास
पहुंचा , अचानक स्वर्ग से एक रोशनी उसके चारों
ओर चमकी। उसने एक आवाज़ सुनी , “शाऊल, हे शाऊल , तू

शाऊल ने पूछा , “हे प्रभु , आप कौन हैं ?” “मैं यीशु हूँ , जिस पर तुम अत्याचार कर रहे हो। ” शाऊल को आश्चर्य हुआ कि यीशु जीवित था। उसने सोचा कि

शाऊल, जो यीशु से मिला, एक नया मनुष्य बन गया। इस प्रकार वह प्रेरित पौलुस बन गया, जिसने अन्यजातियों को सुसमाचार का प्रचार करने के लिए कड़ी मेहनत की, और कई बाइबल किताबें लिखीं।

आज का पाठ

शाऊल एक ऐसा व्यक्ति था जिसने चर्च पर अत्याचार किया, लेकिन परमेश्वर ने उसे प्रेरित कहा।
शाऊल, जो यीशु से मिला, पहले से बिल्कुल अलग जीवन जीता था।
आपने क्या बदलाव किये हैं
जब से आप यीशु से मिले?
जो लोग यीशु से मिलते हैं उन्हें पहले से कहीं अधिक अलग जीवन जीना चाहिए।

यीशु कौन है?

यीशु है..

यीशु ही वह है जो शाऊल जैसे दुष्ट लोगों को क्षमा करता है और उन्हें अपने पास बुलाता है और उन्हें कार्यकर्ता के रूप में स्थापित करता है।

आज की प्रश्नोत्तरी

शाऊल दमिश्क क्यों गया ?

① ईसाइयों को गिरफ्तार करना।

② यात्रा करना।

③ पूजा करना .

④ सुसमाचार का प्रचार करना

आज का शब्द

वह भूमि पर गिर पड़ा और किसी को यह कहते सुना, "शाऊल, हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?"

अधिनियमों 9: 4

क्रमांक 92 परमेश्वर का वचन

पॉल का अच्छा दोस्त , बरनबास।

आज का शब्द

परन्तु बरनबास उसे पकड़कर प्रेरितों के पास ले आया। उसने उन्हें बताया कि कैसे शाऊल ने अपनी यात्रा के दौरान प्रभु को देखा था और प्रभु ने उससे बात की थी, और कैसे उसने दमिश्क में यीशु के नाम पर निडरता से प्रचार किया था। अधिनियमों 9:27

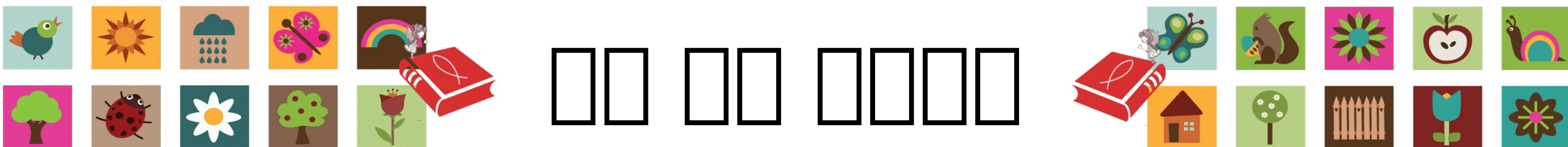

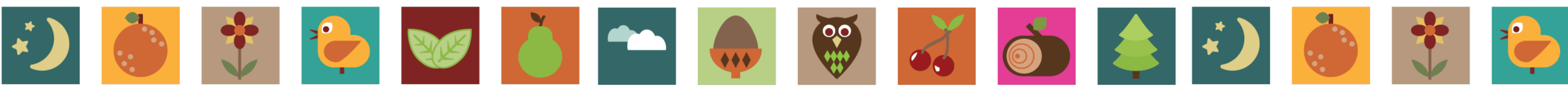

पॉल यीशु से मिलने के बाद, वह यीशु के शिष्यों से मिलना चाहता था।

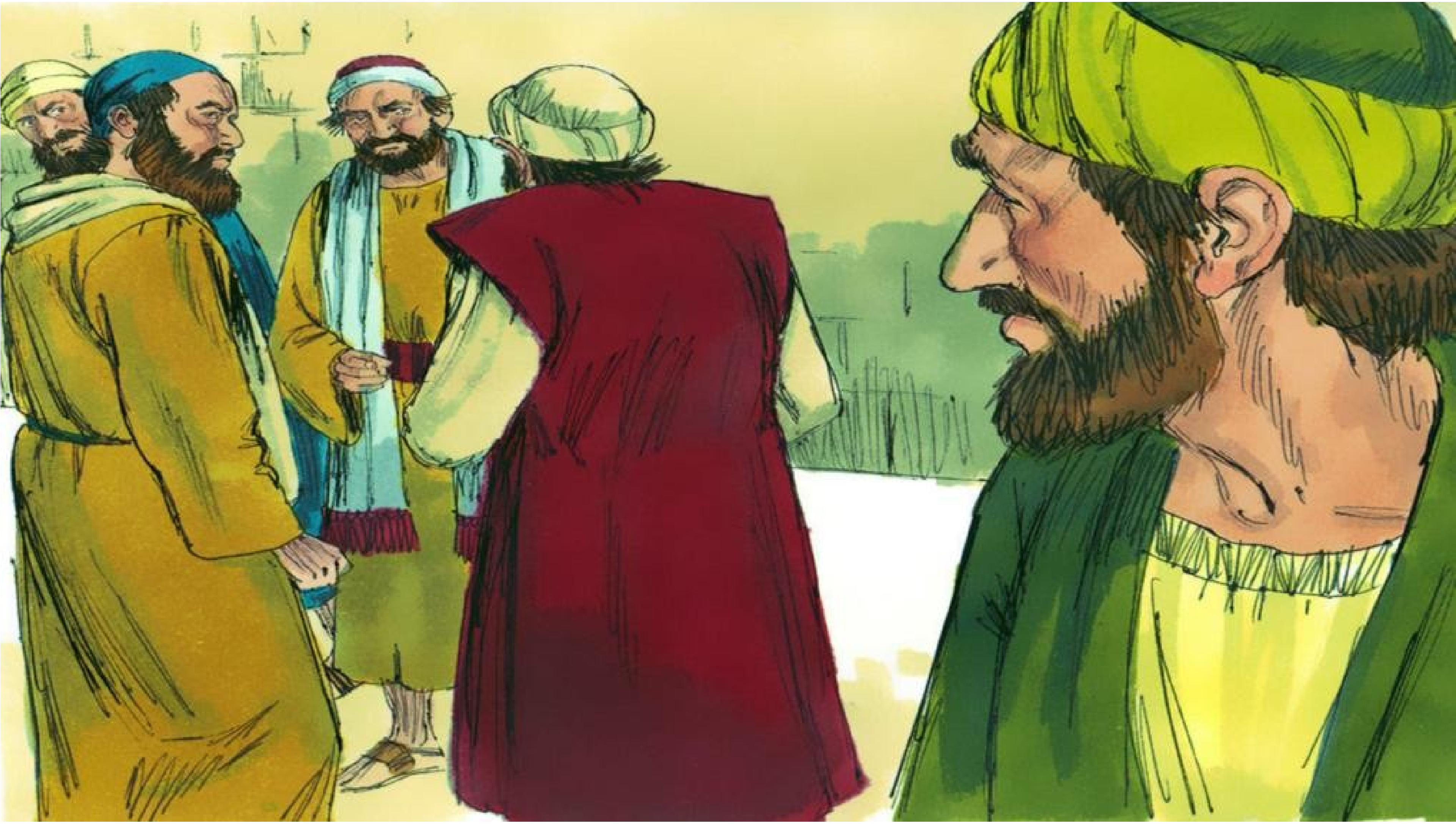

परन्तु यीशु के चेले पौलुस से डरते थे। क्योंकि वे नहीं जानते थे कि पौलुस यीशु से मिलने के बाद यीशु पर विश्वास करने

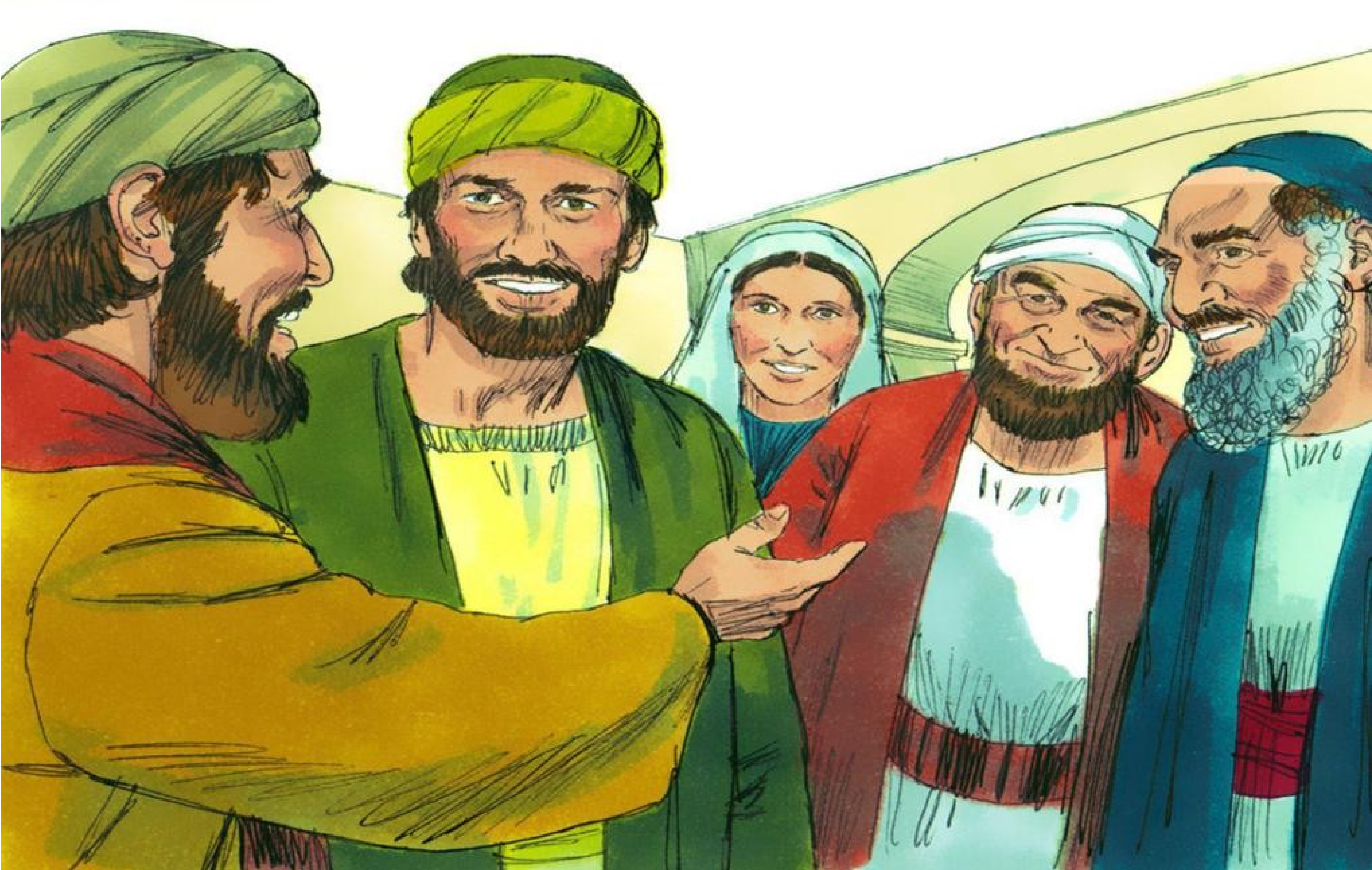

बरनबास ने पौलुस की सहायता की। "वह वास्तव में यीशु से मिला और पूरी तरह से बदल गया!"

"मैंने पॉल को दमिश्क में उपदेश देते भी देखा है, जहाँ वह ईसाइयों को गिरफ्तार करने गया था!" शिष्य आसानी से पॉल के मित्र बन गये।

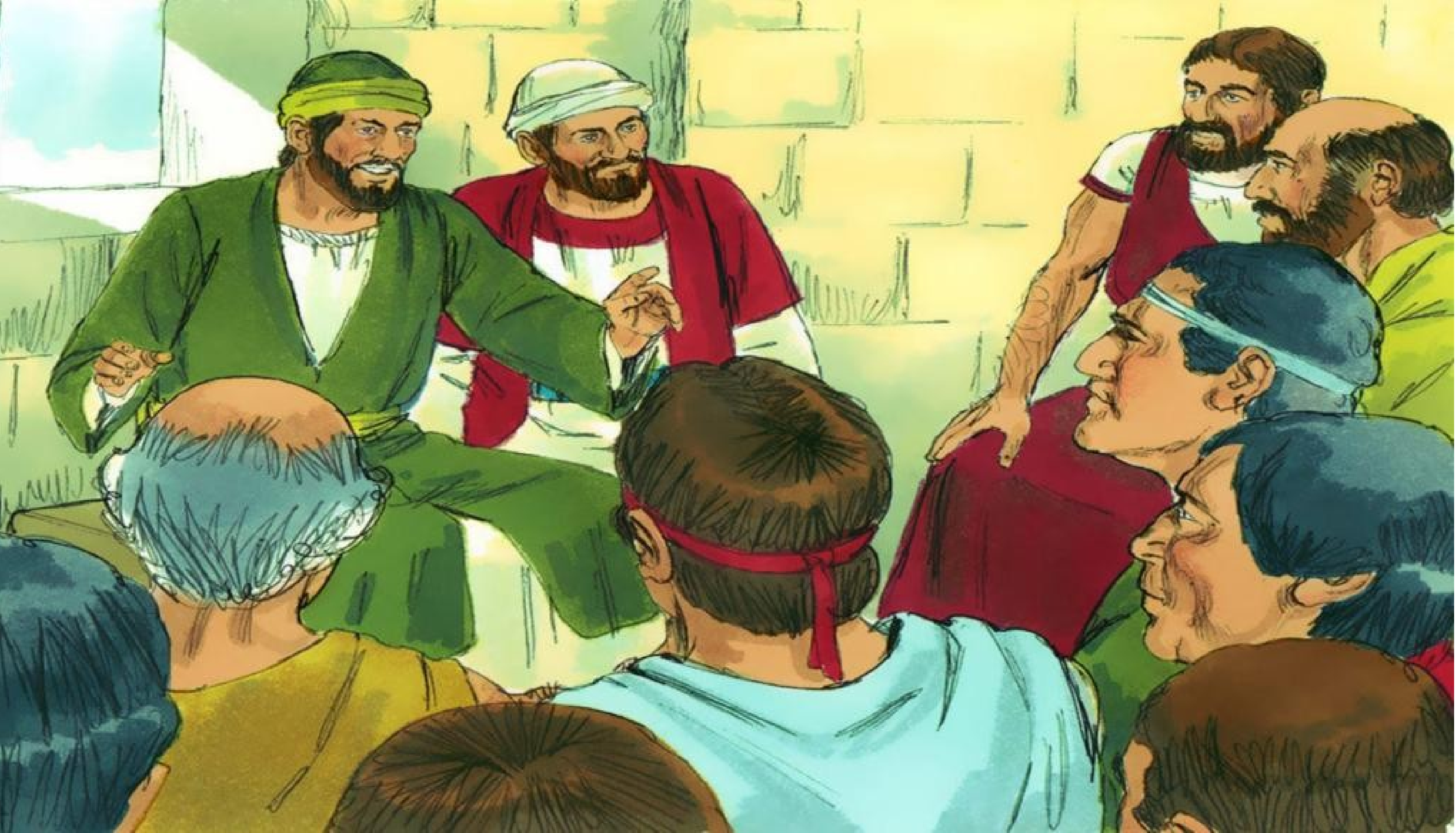

उसके बाद, बरनबास और पॉल अच्छे दोस्त बन गए और एक साथ सुसमाचार का प्रचार करने के लिए दुनिया भर में यात्रा की।

आज का पाठ

पॉल, जिसने चर्च को सताया था, यीशु से मिला और एक नया आदमी बन गया, लेकिन लोगों ने उस पर विश्वास नहीं किया। परन्तु परमेश्वर ने बरनबास को तैयार किया और उसे बनाया पॉल के लिए एक अच्छा साथी कार्यकर्ता. पॉल और बरनबास की तरह, हमें विश्वास के अच्छे दोस्त बनना चाहिए और एक दूसरे की मदद करनी चाहिए।

यीशु कौन है?

यीशु..
यीशु हमें एक मित्र भेजता है जो मुसीबत में हमारी मदद कर सकता है।

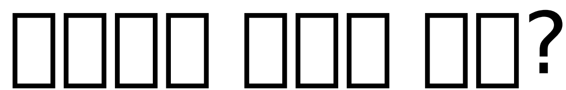

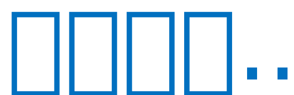

आज की प्रश्नोत्तरी

जब पॉल मुसीबत में था तो किसने उसकी मदद की और दोस्त बने ?

①पीटर _

② जॉन

③ बरनबास

④ फिलिप

आज का शब्द

परन्तु बरनबास उसे पकड़कर प्रेरितों के पास ले आया। उसने उन्हें बताया कि कैसे शाऊल ने अपनी यात्रा के दौरान प्रभु को देखा था और प्रभु ने उससे बात की थी, और कैसे उसने दमिश्क में यीशु के नाम पर निडरता से प्रचार किया था। अधिनियमों 9:27

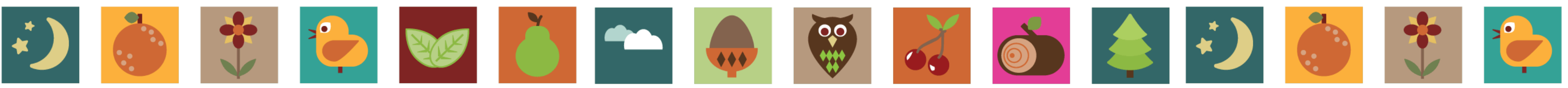

क्रमांक 93 परमेश्वर का वचन

डोरकास , जो जीवन में वापस आ गया है।

आज का शब्द

पतरस ने उन सब को कमरे से बाहर भेज दिया; तब वह घुटनों के बल बैठ गया और प्रार्थना करने लगा। मृत महिला की ओर मुड़कर उसने कहा, "तबिता, उठो।" उसने अपनी आँखें खोलीं और पीटर को देखकर उठ बैठी।

अधिनियमों 9: 40

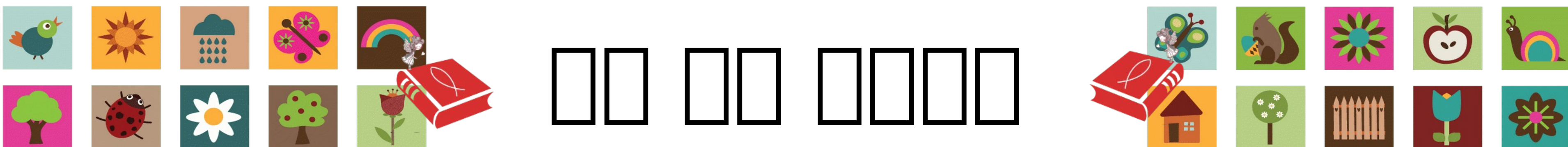

दोरकास नाम का एक शिष्य था, जो हमेशा भलाई करता था और गरीबों की मदद करता था।

लगभग उसी समय वह बीमार हो गयी और मर गयी।
उसके पड़ोसी बहुत दुखी हुए और पीटर को वापस ले आये।

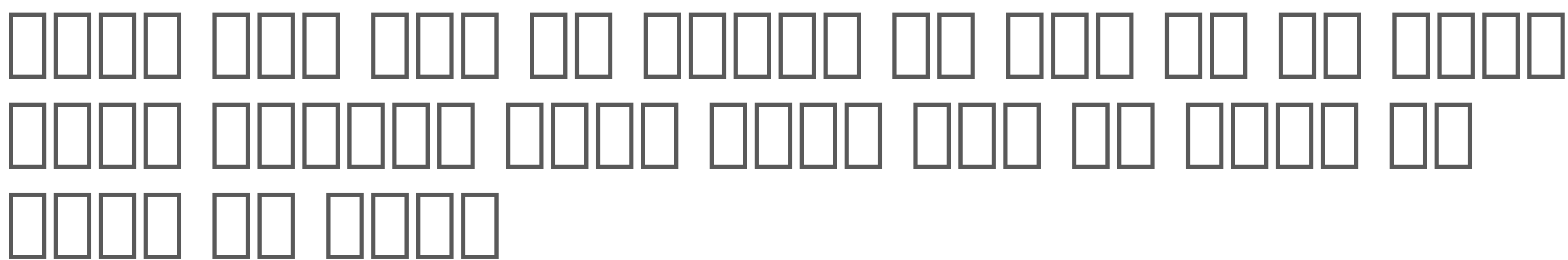

जब पीटर पहुंचा, तो जिन लोगों ने उसकी मदद की थी, वे सब रो रहे थे और उपहार के रूप में उसे मिले कपड़े दिखा रहे थे।

पतरस ने उन सब को कमरे से बाहर भेज दिया ;
फिर वह घुटनों के बल बैठ गया और प्रार्थना

“डोर्कास , उठो !”, पीटर ने कहा। उसने अपनी आँखें खोलीं और पीटर को देखकर उठ बैठी। यह देखकर सभी लोग खुश हुए और उस गाँव के बहुत से लोगों ने यीशु पर विश्वास किया

आज का पाठ

पतरस यीशु का शिष्य था, और वह वही करने में सक्षम था जो यीशु ने किया था
जब वह इस धरती पर थे.
यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि वे वही करेंगे जो उसने किया है।
हम यीशु के शिष्य हैं.
हमें यह सीखने और याद रखने की ज़रूरत है कि यीशु ने इस देश में क्या किया और यीशु के समान ही काम करना चाहिए।

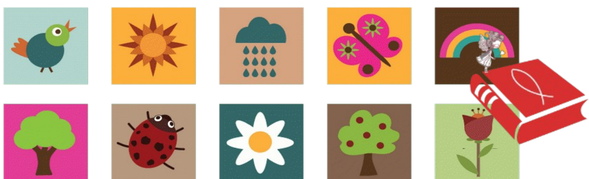

यीशु कौन है?

यीशु..

यीशु अपने शिष्यों को शक्ति देते हैं ताकि वे सुसमाचार का प्रचार कर सकें।

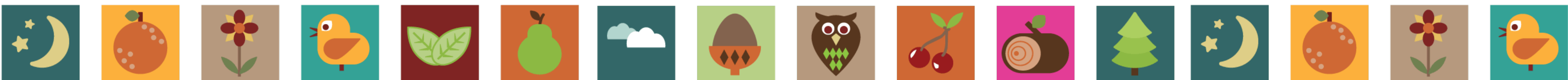

आज की प्रश्नोत्तरी

जब पतरस दोरकास में आया , तो लोग उदास थे और उन्होंने उसे क्या दिखाया ?

① **कपड़े जो डोरकास ने बनाए थे।**

② भोजन जो डोरकास ने बनाया था।

③ डोरकास का बेटा

④ डोरकास का पत्र।

आज का शब्द

पतरस ने उन सब को कमरे से बाहर भेज दिया; तब वह घुटनों के बल बैठ गया और प्रार्थना करने लगा। मृत महिला की ओर मुड़कर उसने कहा, "तबिता, उठो।" उसने अपनी आँखें खोलीं और पीटर को देखकर उठ बैठी।

अधिनियमों 9: 40

क्रमांक 94 परमेश्वर
का वचन

कुरनेलियुस, एक अन्यजाति बचाया गया

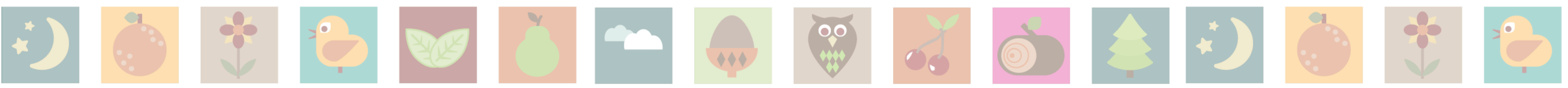

आज का शब्द

खतना किये हुए विश्वासी जो पतरस के साथ आये थे, वे चकित थे कि पवित्र आत्मा का उपहार अन्यजातियों पर भी उंडेला गया था।

अधिनियम 10: 45

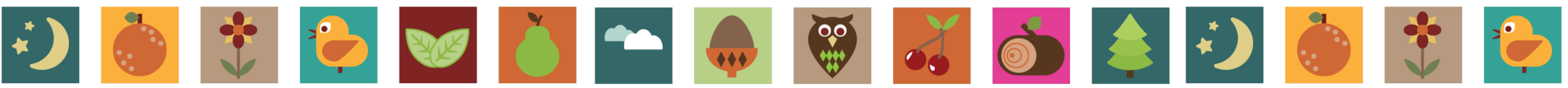

कैसरिया में कुरनेलियुस नाम का एक आदमी था , जो
इटालियन रेजिमेंट के नाम से जाना जाता था।
वह और उसका पूरा परिवार धर्मनिष्ठ और ईश्वर -भयभीत थे ;
उन्होंने जरूरतमंदों को उदारतापूर्वक दान दिया और
नियमित र □ प से भगवान से प्रार्थना की □

एक दिन, कुरनेलियुस ने प्रार्थना करते समय परमेश्वर की आवाज़ सुनी। "पतरस नाम के मनुष्य के पास मनुष्य भेजो।"

उस समय, पतरस ने भी प्रार्थना में एक दर्शन देखा। परमेश्वर ने उसे स्वर्ग से ऐसे जानवर दिए जिन्हें यहूदी नहीं खा सकते थे और उसे खाने का आदेश दिया। “जिस

आख़िरकार, पतरस उन लोगों के पीछे हो लिया जिन्हें कुरनेलियुस ने भेजा था और कुरनेलियुस के घर गया।

पतरस ने कुरनेलियुस और उसके परिवार को यीशु और सुसमाचार का उपदेश दिया। तब पवित्र आत्मा उन पर उतरा। यह देखकर उसे एहसास हुआ; "यहाँ तक कि अन्यजातियों को भी बचाया जा सकता है यदि वे यीशु पर विश्वास करें!"

आज का पाठ

पतरस ने सोचा कि केवल यहूदी ही यीशु पर विश्वास कर सकते हैं और बचाये जा सकते हैं।
लेकिन परमेश्वर के सुसमाचार में दुनिया के सभी लोगों के बीच कोई भेदभाव नहीं है। हमें दुनिया में हर किसी को सुसमाचार का प्रचार करना है ताकि उन्हें बचाया जा सके।

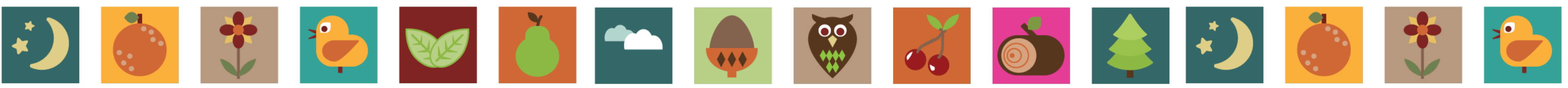

यीशु कौन है?

यीशु..

यीशु उन सभी को मुक्ति देते हैं जो उन पर विश्वास करते हैं, चाहे उनकी राष्ट्रीयता या स्थिति कुछ भी हो।

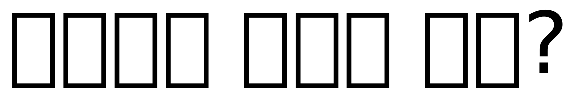

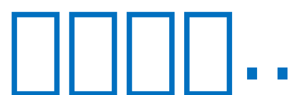

आज का शब्द

खतना किये हुए विश्वासी जो पतरस के साथ आये थे, वे चकित थे कि पवित्र आत्मा का उपहार अन्यजातियों पर भी उंडेला गया था।

अधिनियम 10: 45

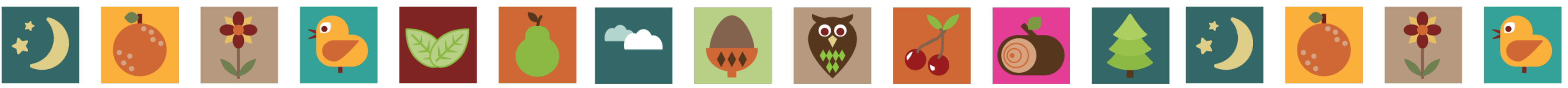

क्रमांक 95 परमेश्वर का वचन

भजन गाना यहां तक कि जेल में भी

Bible Kids

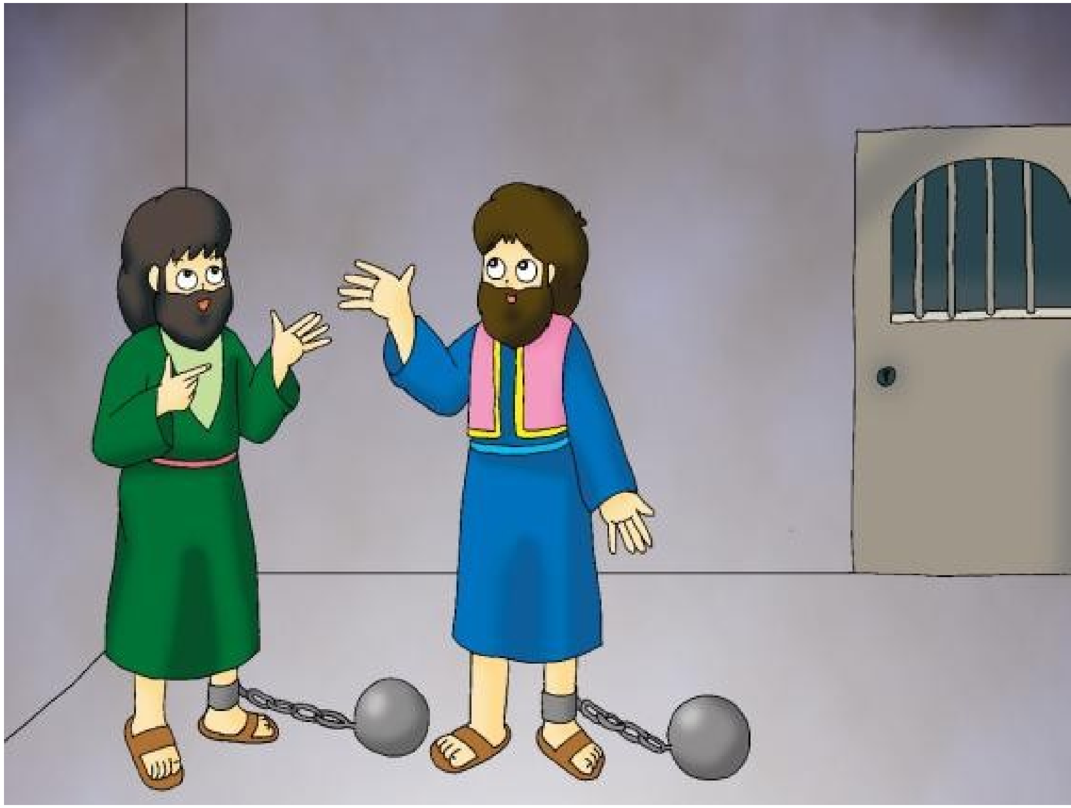

आज का शब्द

आधी रात के लगभग पौलुस और सीलास प्रार्थना कर रहे थे और परमेश्वर के भजन गा रहे थे, और अन्य कैदी उनकी सुन रहे थे।

अधिनियमों 16: 25

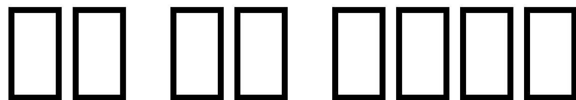

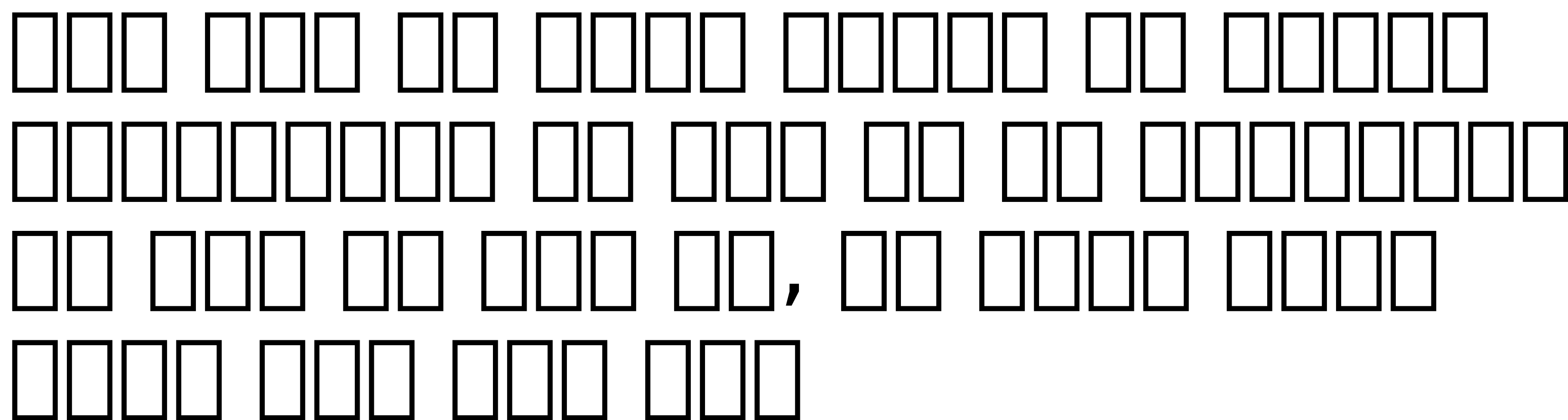

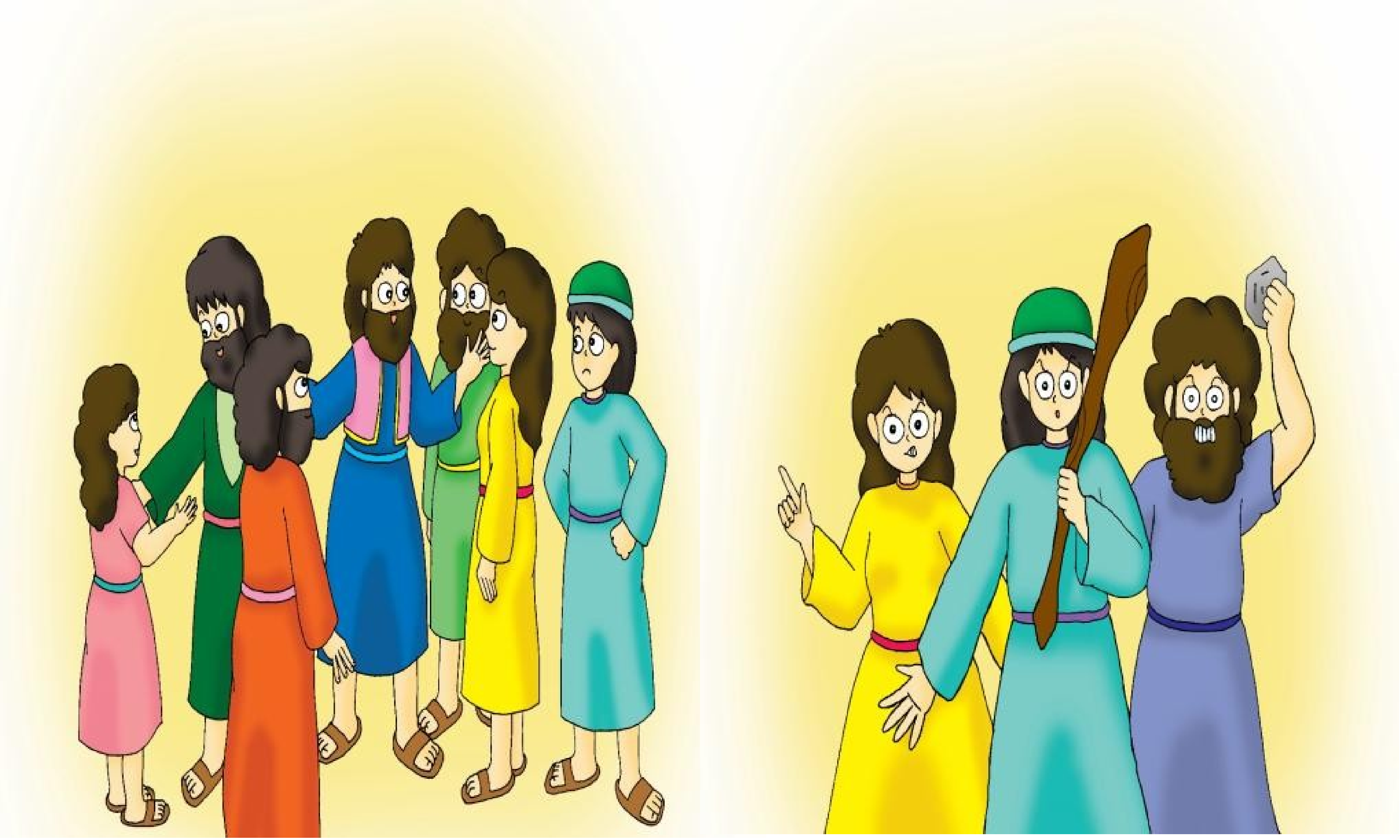

पॉल और सिलास ने फिलिप्पुस में सुसमाचार का प्रचार करने की पूरी कोशिश की। परन्तु जो लोग उससे बैर रखते थे उन्होंने पौलुस और सीलास को

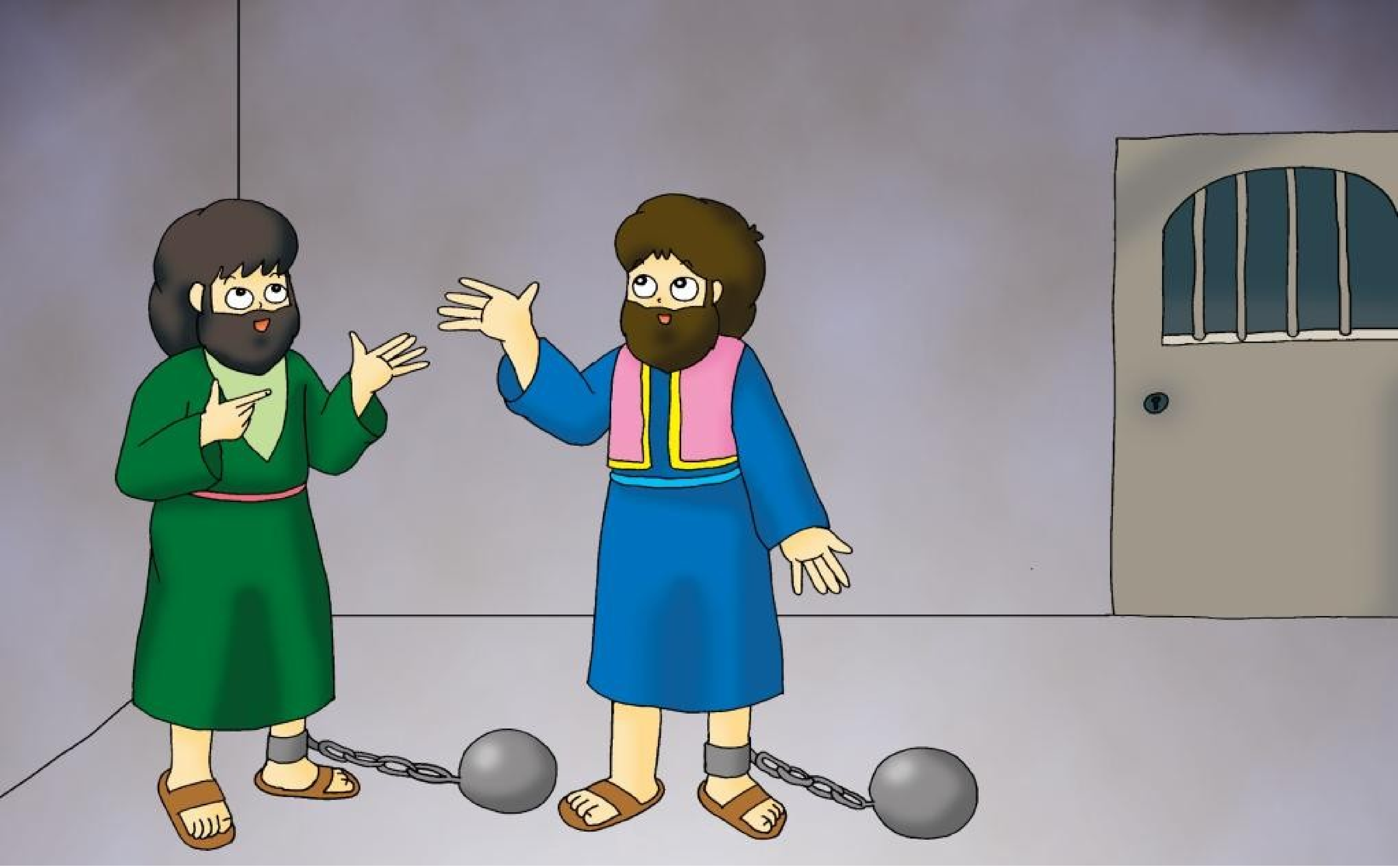

पौलुस और सिलास ने जेल में भी प्रार्थना की और परमेश्वर की स्तुति की। जेल में सभी ने यह बात सुनी

तभी अचानक इतना बड़ा भूकम्प आया कि जेल के सारे दरवाजे खुल गये। जेलर बहुत चिंतित हुआ क्योंकि उसे लगा कि कैदी भाग गये हैं।

पॉल चिल्लाया , “चिंता मत करो ! हम सब यहाँ हैं !”
“सर, बचने के लिए मुझे क्या करना होगा ?” जेलर ने पूछा

"प्रभु यीशु पर विश्वास करो। तब तुम और तुम्हारा परिवार बच जायेंगे !" रात के उस समय दारोग़ा उन्हें ले गया और उनके घाव धोये ; तब तुरन्त उसने और उसके सारे परिवार ने बपतिस्मा

आज का पाठ

पौलुस और सीलास निराश नहीं हुए और उन्होंने प्रार्थना और स्तुति की।
भले ही उन्हें पीट-पीटकर मार डाला गया।
तब परमेश्वर ने जेल का दरवाजा खोला और उन्हें सुसमाचार प्रचार करने का मौका दिया जेलर और उसके परिवार को.
कई बार हम मुसीबत में भी होते हैं।
और यदि आप अपने आप को निराश नहीं करते हैं और प्रार्थना और स्तुति की ओर नहीं बढ़ते हैं, तो भगवान आपको बचाएंगे
अद्भुत तरीके से.

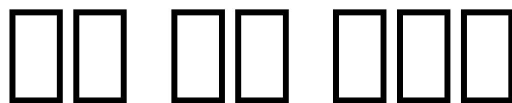

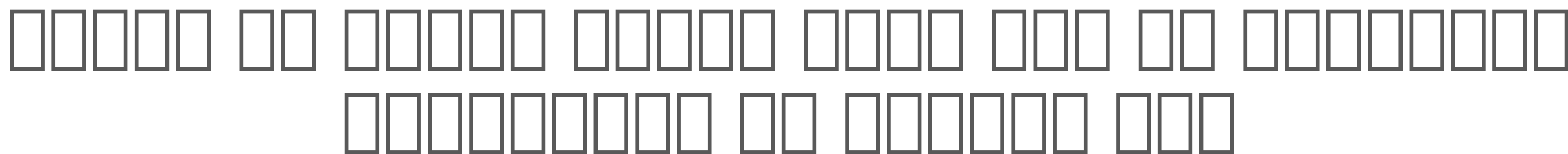

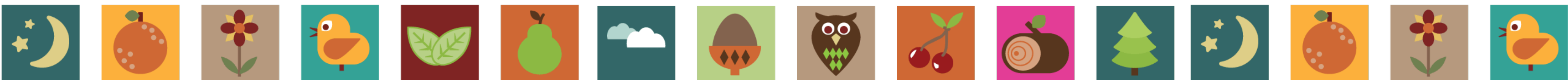

यीशु कौन है?

यीशु..

यीशु मुझे सभी कठिनाइयों और कष्टों पर विजय पाने की शक्ति देते हैं।

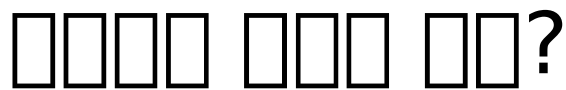

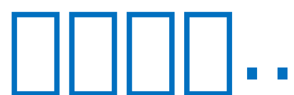

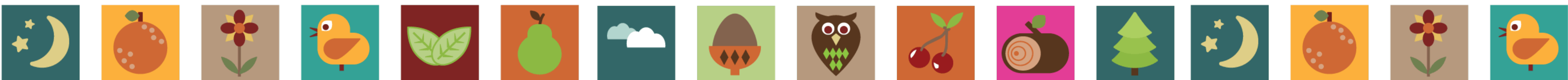

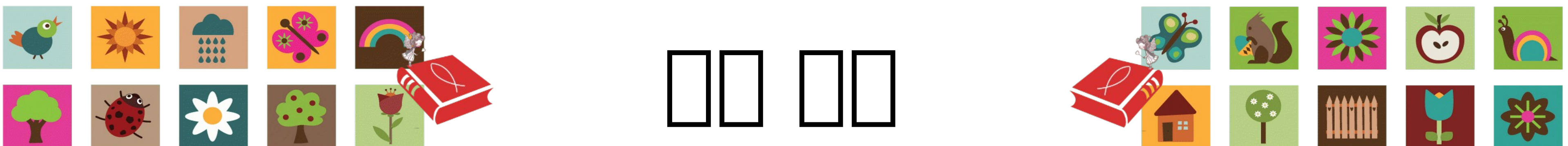

[illegible]

[illegible]??

① [illegible].

② [illegible]

③ [illegible].

④ [illegible]

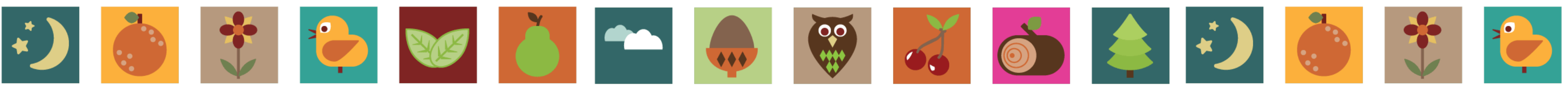

आज का शब्द

आधी रात के लगभग पौलुस और सीलास प्रार्थना कर रहे थे और परमेश्वर के भजन गा रहे थे, और अन्य कैदी उनकी सुन रहे थे।

अधिनियमों 16: 25

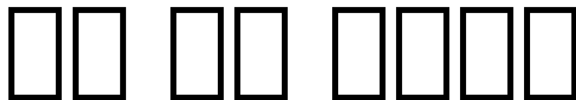

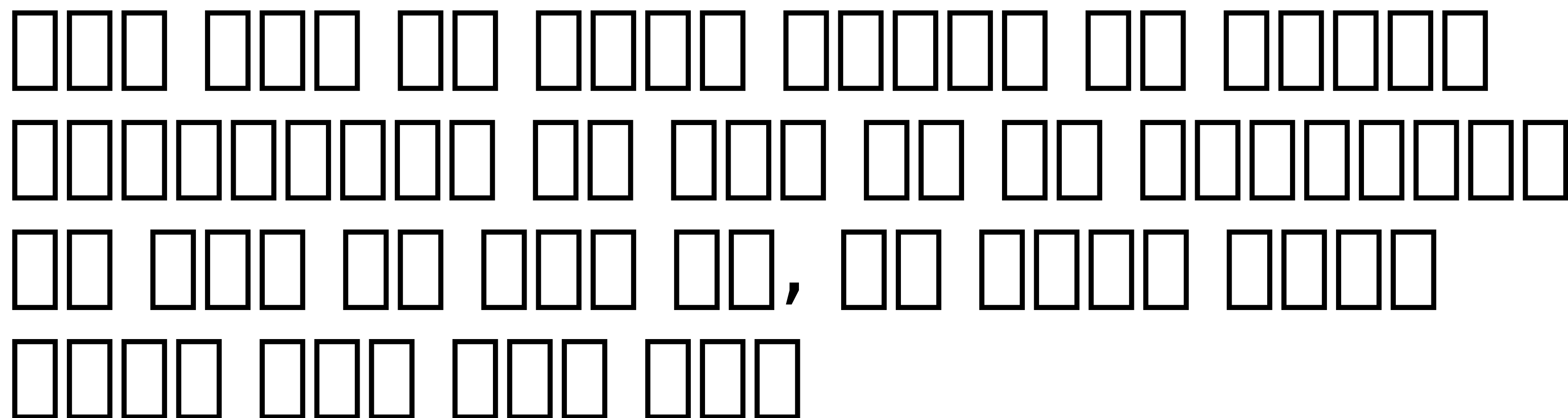

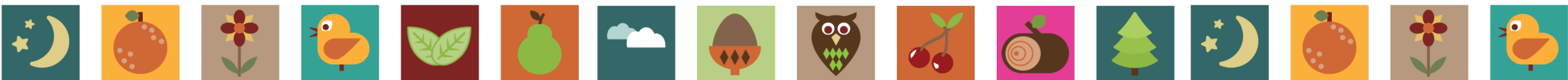

क्रमांक 96 परमेश्वर का वचन

पॉल ने राजा को सुसमाचार का उपदेश दिया

Bible Kids

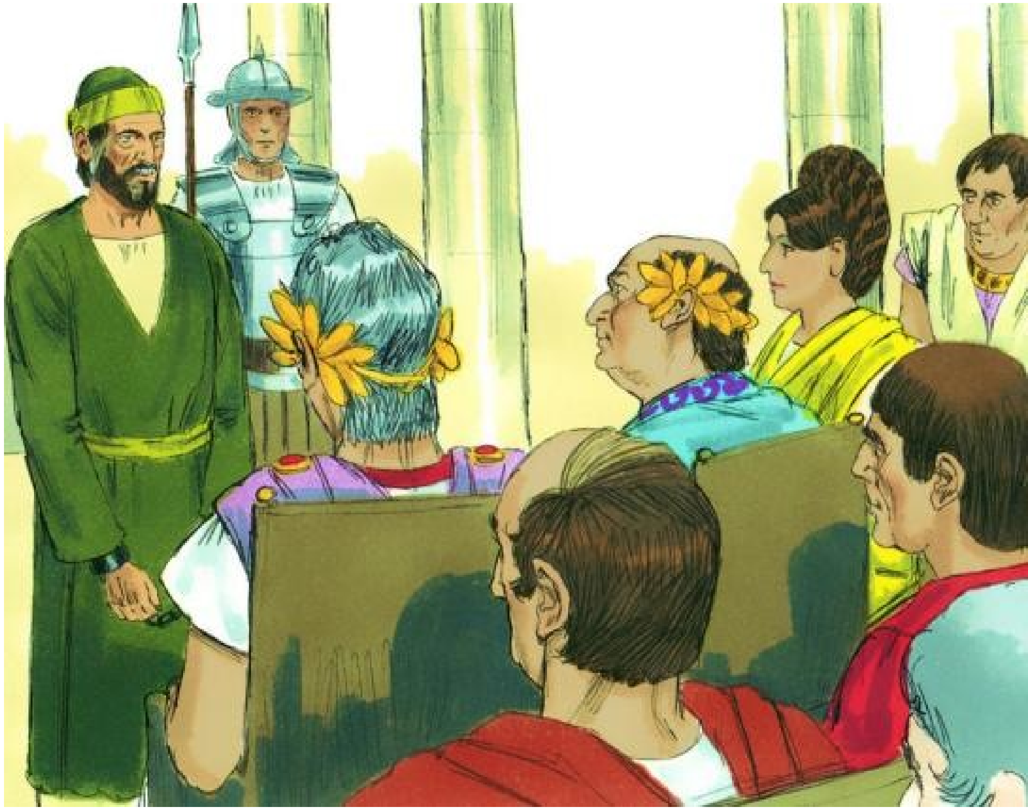

आज का शब्द

पॉल ने उत्तर दिया, "थोड़ा समय हो या लंबा--मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि न केवल आप बल्कि वे सभी जो आज मेरी बात सुन रहे हैं, इन जंजीरों को छोड़कर, वही बन जाएं जो मैं हूं।"
अधिनियमों 26: 29

पॉल ने सुसमाचार का प्रचार किया और अंततः यरूशलेम में कैदी बन गया। राजा अग्रिप्पा ने कैदी पॉल के पापों के बारे में पूछा।

"आपको अपने लिए बोलने की अनुमति है!" अग्रिप्पा ने पॉल को अपना बचाव शुरू करने के लिए समय दिया।

पॉल ने सुसमाचार का प्रचार करने के अवसर का उपयोग किया। "हे राजा, मुझे आशा है कि इन जंजीरों को छोड़कर तुम मेरे जैसे बन जाओगे!"

राजा को पॉल में कोई पाप नहीं मिला। पॉल रोम जाकर सम्राट को सुसमाचार प्रचार करना चाहता था..

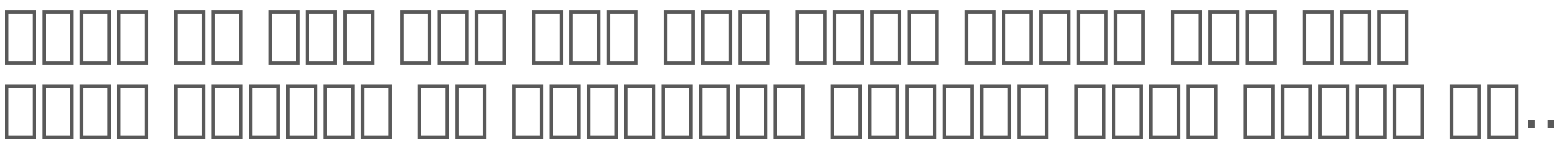

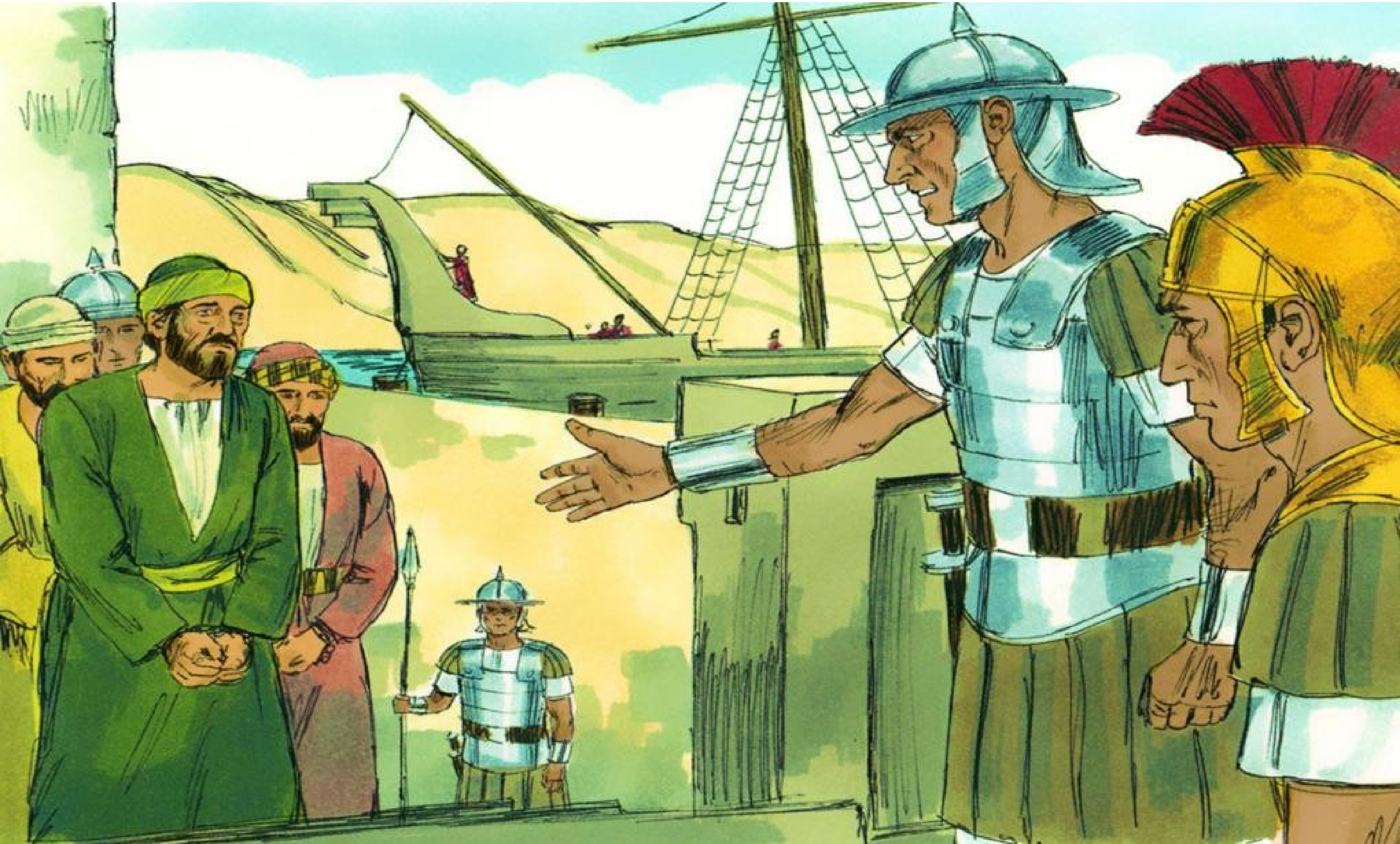

आख़िरकार, पॉल ने रोमन सम्राट से अपील की। एक कैदी के रूप में, पॉल रोम के सम्राट के पास जाने के लिए नाव पर चढ़ गया।

आज का पाठ

पॉल एक कैदी था, लेकिन उसने गर्व से सुसमाचार का प्रचार किया
अपने ही परीक्षण के राजा के सामने. क्योंकि वह सुसमाचार से लज्जित नहीं था, और उस पर विश्वास करता था, कि यह एक गौरवपूर्ण सत्य है।
हमें जिस किसी से भी मिलें, आत्मविश्वास और साहसपूर्वक यीशु के सुसमाचार का प्रचार करने में सक्षम होने की आवश्यकता है।

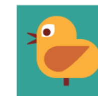

यीशु कौन है?

यीशु..
यीशु दुनिया के सबसे ऊँचे आदमी से भी कहीं ऊँचे हैं।

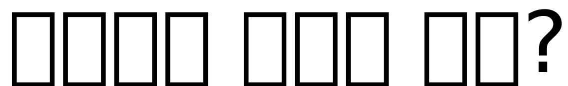

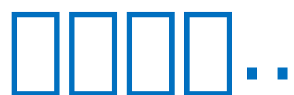

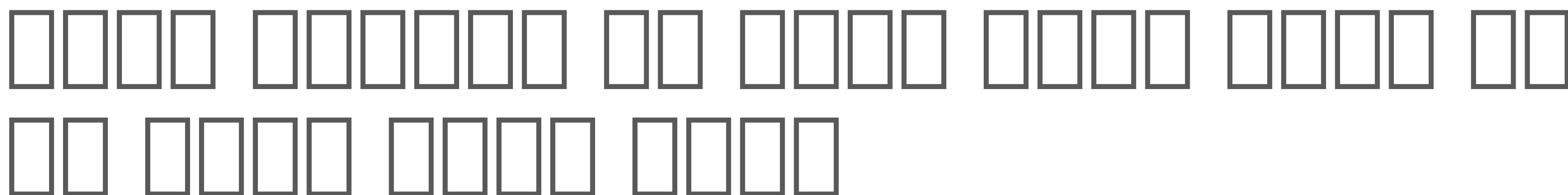

आज की प्रश्नोत्तरी

जब पौलुस की परीक्षा के राजा ने उसे बोलने का मौका दिया तो पौलुस ने क्या किया ?

① **उन्होंने यीशु के सुसमाचार का प्रचार किया।**

② उसने एक बुरे व्यक्ति पर आरोप लगाया।

③ उसने अपनी रिहाई के लिए कहा।

④ उन्होंने प्रार्थना की और भजन गाए।

आज का शब्द

पॉल ने उत्तर दिया, "थोड़ा समय हो या लंबा--मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि न केवल आप बल्कि वे सभी जो आज मेरी बात सुन रहे हैं, इन जंजीरों को छोड़कर, वही बन जाएं जो मैं हूं।"
अधिनियमों 26: 29

क्रमांक 97 परमेश्वर का वचन

जहाज डूब रहा है!

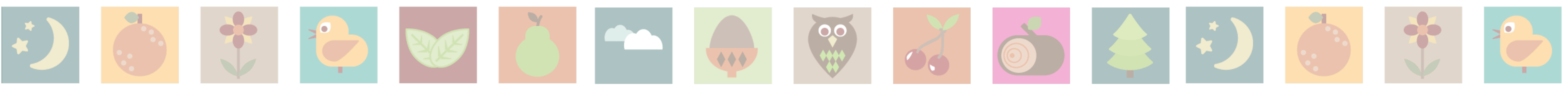

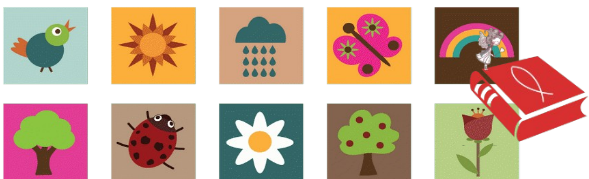

आज का शब्द

और कहा, 'डरो मत, पॉल। तुम्हें सीज़र के सामने मुकदमा चलाना होगा; और परमेश्वर ने उन सभोंको जो तुम्हारे साय चले हैं, अनुग्रह करके तुम्हें जीवन दिया है।'

अधिनियमों 27: 24

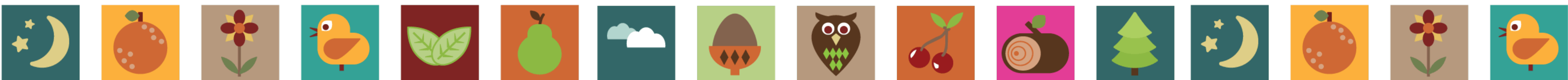

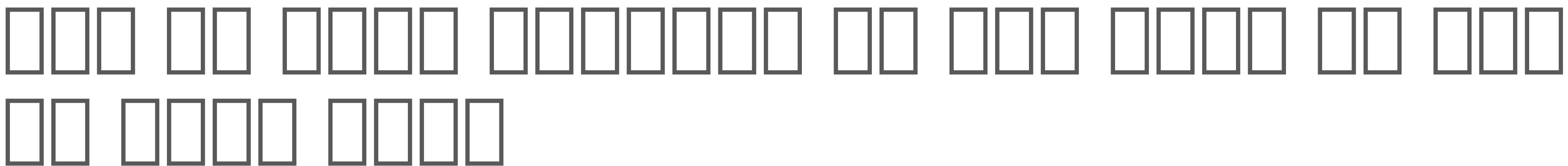

हालाँकि, तूफ़ान के कारण जहाज़ के डूबने का ख़तरा था। हर कोई भय से कांप उठा।

पौलुस ने परमेश्वर से प्रार्थना की और लोगों को बताया।   "डरो मत। भगवान ने कहा है कि कोई नहीं मरेगा

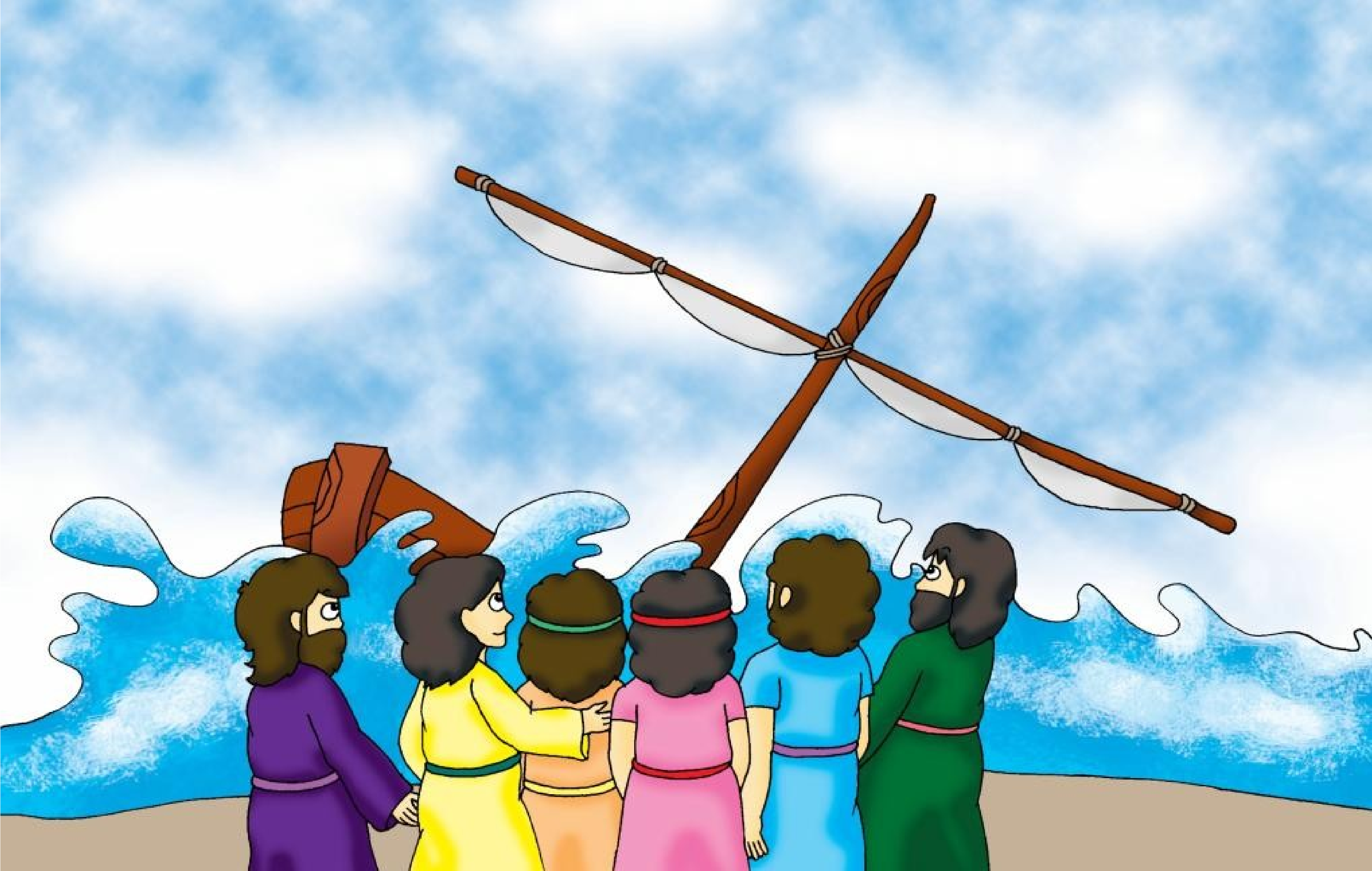

जहाज डूब गया, लेकिन जैसा कि पॉल ने कहा, सभी लोग एक भी मौत के बिना द्वीप पर उतर सकते थे।

पौलुस ने द्वीप पर यीशु का प्रचार किया और परमेश्वर की महिमा की।

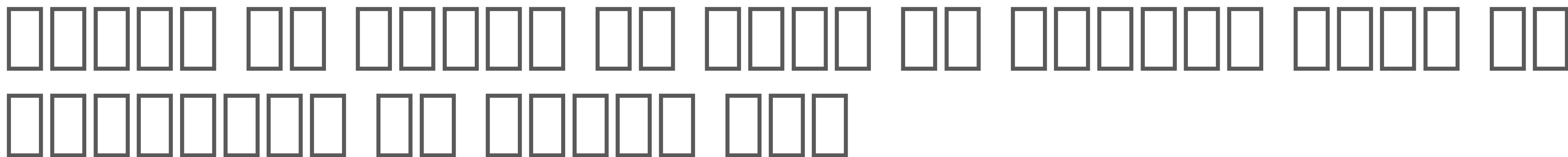

आज का पाठ

पॉल ने प्रार्थना की, दूसरों को प्रोत्साहित किया, यहां तक कि संकट के समय में भी जब जहाज डूबने वाला था। अंत में, वे सभी बच गये,
बिल्कुल वैसे ही जैसे पॉल ने कहा. ईश्वर के लोग प्रार्थना के माध्यम से दुनिया तक ईश्वर की इच्छा पहुंचाने और ईश्वर के उद्धार की खुशखबरी देने के लिए जिम्मेदार हैं।

यीशु कौन है?

यीशु है..

यीशु दुनिया में सभी जीवन का मालिक है। उसकी अनुमति के बिना कुछ भी नहीं मरता.

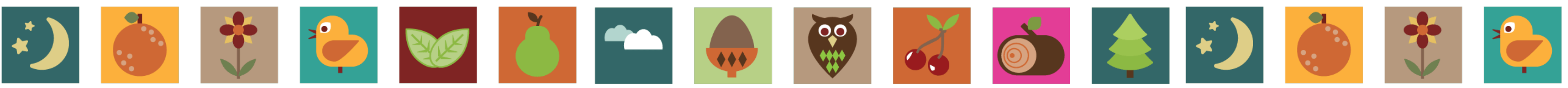

आज की प्रश्नोत्तरी

जब जहाज तूफान से टकराया तो पॉल ने क्या किया ?

① वह रोया .

② वह समुद्र में कूद गया।

③ उन्होंने पायलट के खिलाफ लड़ाई लड़ी .

④ उसने भगवान से प्रार्थना की।

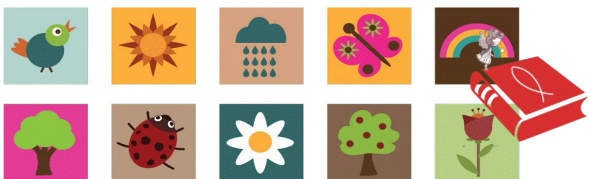

आज का शब्द

और कहा, 'डरो मत, पॉल। तुम्हें सीज़र के सामने मुकदमा चलाना होगा; और परमेश्वर ने उन सभोंको जो तुम्हारे साय चले हैं, अनुग्रह करके तुम्हें जीवन दिया है।'

अधिनियमों 27: 24

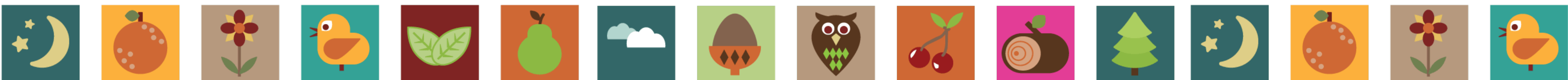

क्रमांक 98 परमेश्वर का वचन

उनेसिमुस के लिए पौलुस की विनती

Bible Kids

आज का शब्द

मैं अपने पुत्र उनेसिमुस के लिये तुझ से बिनती करता हूं, जो उस समय मेरा पुत्र बना जब मैं जंजीरों में जकड़ा हुआ था।

फिलेमोन 1:10

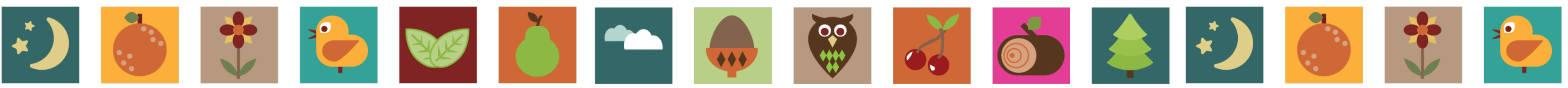

उनेसिमुस फिलेमोन का सेवक था। लेकिन वह अपने स्वामी की अनुमति के बिना रोम की ओर चुपचाप निकल गया।

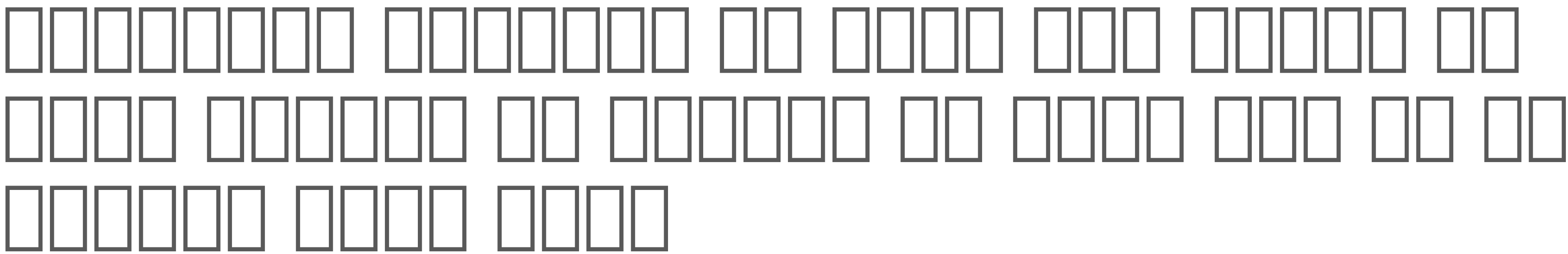

उनेसिमुस की मुलाकात पॉल से हुई जो रोम में कैद था। पौलुस ने उसे सुसमाचार सुनाया, और उसे यीशु पर विश्वास हो गया।

पौलुस ने उनेसिमुस से कहा कि वह अपने स्वामी फिलेमोन के पास वापस जाए और क्षमा मांगे। और पौलुस ने उनेसिमुस को यीशु में विश्वासी बनकर

उनेसिमुस चिंतित था. क्योंकि उस समय भागे हुए नौकर को उसके मालिक ने मार डाला था।

पौलुस ने उनेसिमुस के लिए उसके स्वामी फिलेमोन को उसे क्षमा करने के लिए एक पत्र लिखा। बाइबिल में यह पत्र 'फिलेमोन' है।

आज का पाठ

पॉल ने उनेसिमुस और फिलेमोन के बीच टूटे हुए रिश्ते को फिर से जोड़ा। उनेसिमुस ने फिलेमोन से क्षमा मांगी, और फिलेमोन ने उनेसिमुस को क्षमा कर दिया।
यदि हमने कुछ गलत किया है तो हमें क्षमा मांगनी होगी। और अगर किसी ने हमारे साथ कुछ गलत किया है तो हमें उसे माफ कर देना चाहिए। यही तो लोग यीशु में विश्वास करते हैं।

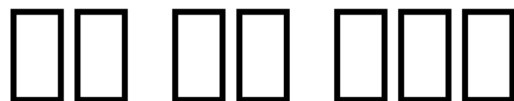

यीशु कौन है?

यीशु..

यीशु वहाँ शांति और मेल-मिलाप लाते हैं जहाँ झगड़े और संघर्ष होते हैं।

आज की
प्रश्नोत्तरी
जब उनेसिमुस अपने मालिक फिलेमोन के पास से भाग गया तो उसकी मुलाकात रोम में किससे हुई?
①पीटर _
② जॉन

③ बरनबास

④ पॉल

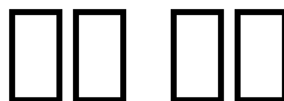

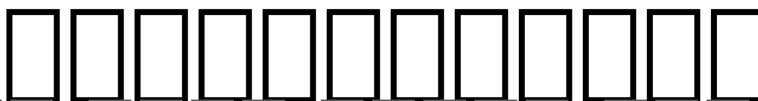

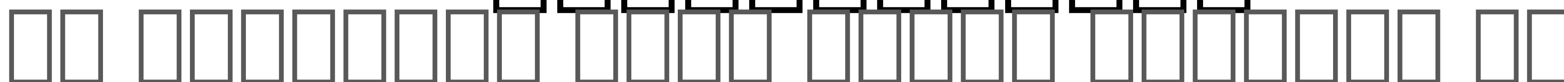

आज का शब्द

मैं अपने पुत्र उनेसिमुस के लिये तुझ से बिनती करता हूं, जो उस समय मेरा पुत्र बना जब मैं जंजीरों में जकड़ा हुआ था।

फिलेमोन 1:10

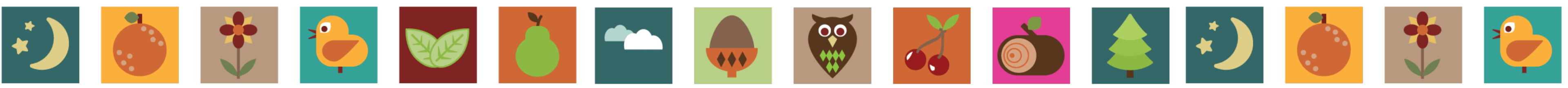

क्रमांक 99 परमेश्वर का वचन

तीमुथियुस, पॉल का शिष्य

आज का शब्द

मुझे आपके सच्चे विश्वास की याद दिलाई गई है, जो पहले आपकी दादी लोइस और आपकी माँ यूनिके में रहता था और मुझे यकीन है कि अब आप में भी रहता है।

2थिमोथी 4: 5

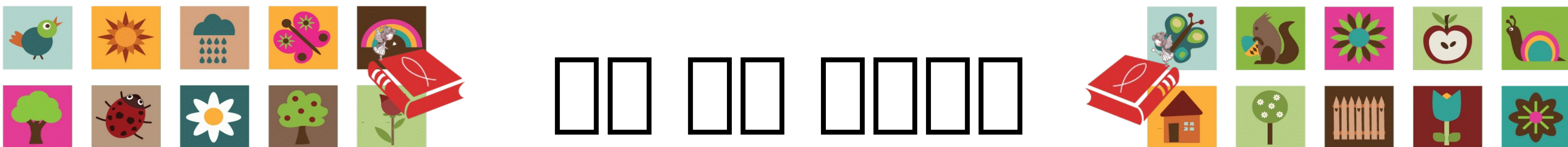

पॉल का तीमुथियुस नाम का एक शिष्य था। टिमोथी बचपन से ही पॉल के साथ मिशनरी रहा है।

पॉल , जो जेल में था , जानता था कि वह मरने वाला है ,
और उसने अपने प्रिय शिष्य तीमुथियुस को एक पत्र

लिखा

पत्र में कहा गया कि तीमुथियुस को एक चर्च
मंत्री के रूप में विश्वासियों को कैसे

तीमुथियुस और विश्वासियों ने पॉल के पत्र को पढ़ा और उत्पीड़न में भी अंत तक विश्वास नहीं खोने का फैसला किया।

इसलिए पॉल का विश्वास उसके शिष्य तीमुथियुस और फिर चर्चों तक पहुँचाया गया है।

आज का पाठ

उन प्रचारकों को धन्यवाद जिन्होंने हमें सुसमाचार का प्रचार किया और उन शिक्षकों को जिन्होंने हमें परमेश्वर का वचन सिखाया, हमारा विश्वास और हमारा चर्च विकसित हुआ है।
अब हमें अपना विश्वास प्रदान करना है और उन्हें परमेश्वर का वह वचन सिखाना है जो हमने सीखा है।

यीशु कौन है?

यीशु है..

यीशु पुनर्जीवित हो गए हैं और वह चर्चों और उन पर विश्वास करने वाले विश्वासियों के साथ अनंत काल तक जीवित हैं।

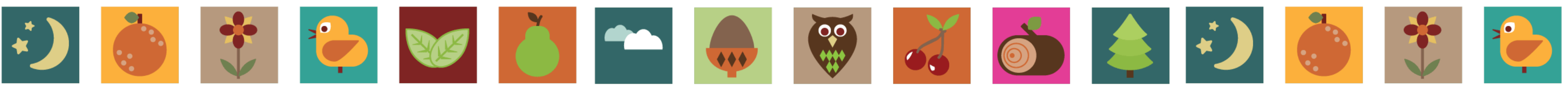

आज की प्रश्नोत्तरी

जब उसकी मृत्यु का दिन निकट आया तो पौलुस ने किसे पत्र लिखा ?

① ल्यूक

② मार्क

③ टिमोथी

④ सीलास

आज का शब्द

मुझे आपके सच्चे विश्वास की याद दिलाई गई है, जो पहले आपकी दादी लोइस और आपकी माँ यूनिके में रहता था और मुझे यकीन है कि अब आप में भी रहता है।

2थिमोथी 4: 5

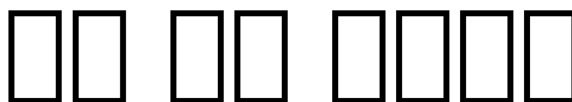

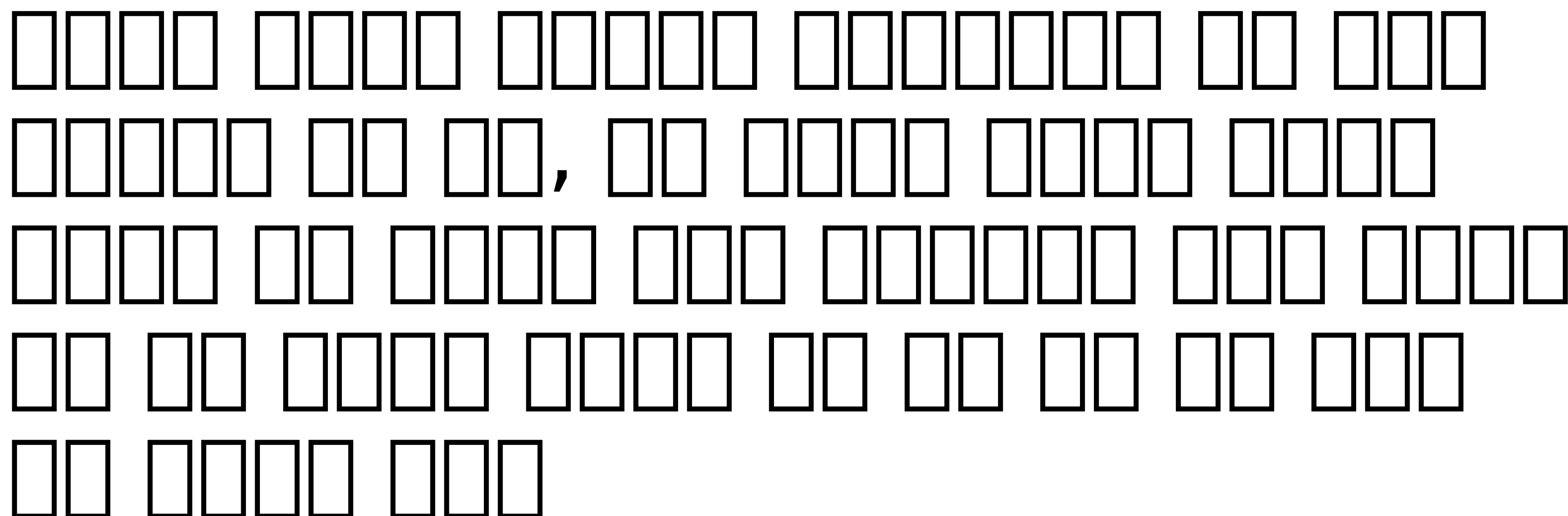

क्रमांक 100 परमेश्वर का वचन

जॉन ने एक अद्भुत दृश्य देखा

Bible Kids

आज का शब्द

जो इन बातों की गवाही देता है, वह कहता है, हां, मैं शीघ्र आनेवाला हूं। तथास्तु। आओ, प्रभु यीशु।

रहस्योद्घाटन 22: 20

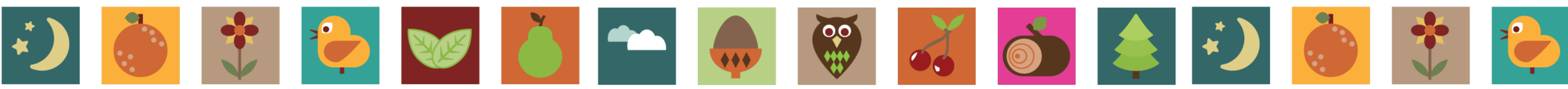

चर्च का उत्पीड़न दिन पर दिन और भी बदतर होता गया। उनके सभी शिष्य विश्वास रखते हुए शहीद हो गए, और जॉन को पतमोस में अकेले ही सीमित कर दिया

एक दिन उसने तुरही जैसी तेज़ आवाज़ सुनी ,
जिसमें कहा गया था : "जो कुछ तुम देखते हो
उसे एक पुस्तक पर लिखो और इसे सात चर्चों

जॉन ने भी यीशु को देखा। यीशु एक ऐसे राजा की छवि थे जिसके पास दुनिया की सारी शक्ति

जॉन ने आने वाले नए आकाश और नई भूमि को देखा।
वहाँ कुछ भी बुरा नहीं होगा, कोई दुःख नहीं होगा, और ईश्वर के साथ सदैव प्रसन्नता रहेगी।

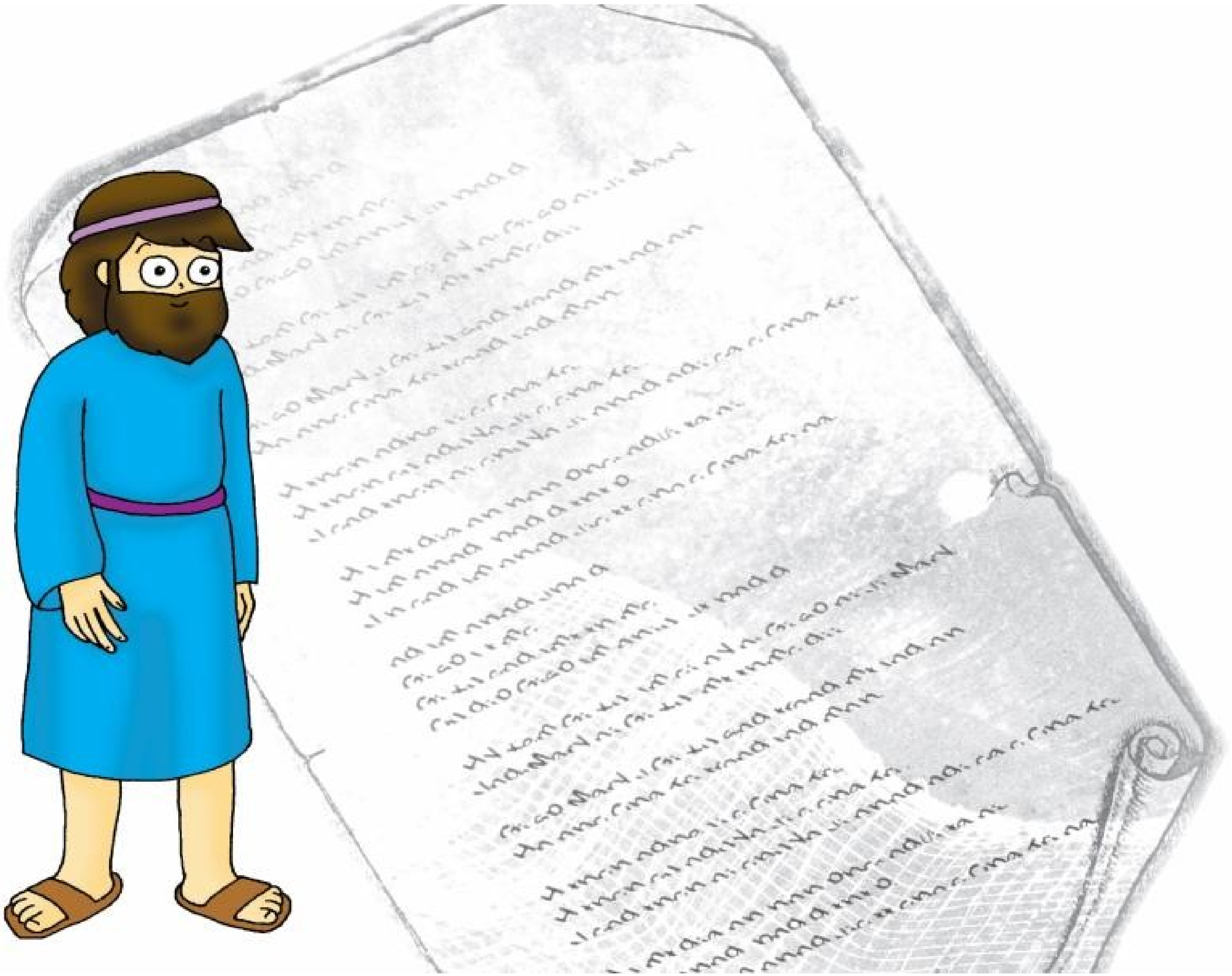

यूहन्ना ने ये सब दर्शन लिखे और उन्हें
कलीसियाओं के लिये लिखा। "अपना विश्वास बनाए
रखें , क्योंकि प्रभु फिर आएंगे !" यह बाइबिल की

आज का पाठ

यीशु फिर से इस धरती पर वापस आएंगे
किसी दिन न्यायाधीश के रूप में .
उस समय जो लोग नहीं मानते थे
यीशु में सदैव कष्ट सहना ,
जो लोग यीशु में विश्वास करते हैं वे
आनंद लेंगे
खुशियों के साथ शाश्वत जीवन .
क्या आप यीशु के दोबारा आने का इंतज़ार
कर रहे हैं ?
हमें वह आशा नहीं खोनी चाहिए , हमें इस
धरती पर अपना विश्वास अंत तक बनाए रखना
चाहिए

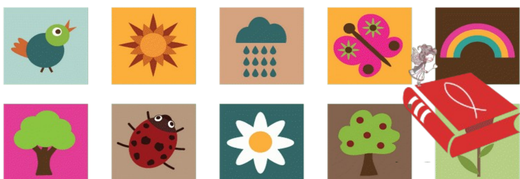

यीशु कौन है?

यीशु..

यीशु राजा के रूप में इस धरती पर फिर से आएंगे, सभी चीजों का न्याय करेंगे, और हमेशा के लिए सभी चीजों पर शासन करेंगे।

आज की प्रश्नोत्तरी

उस द्वीप का क्या नाम है जहाँ शिष्य जॉन को कैद किया गया था ?

① माल्टा

② हवाई

③ कित्तिम

④ पपततममौसस

आज का शब्द

जो इन बातों की गवाही देता है, वह कहता है, हां, मैं शीघ्र आनेवाला हूं। तथास्तु। आओ, प्रभु यीशु।
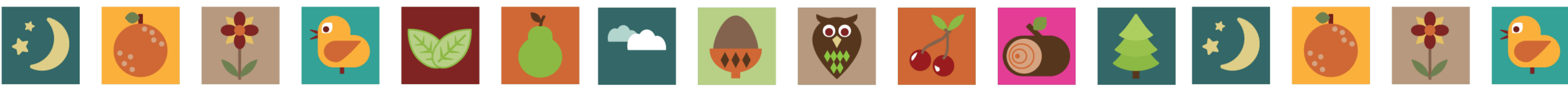
रहस्योद्घाटन 22: 20